जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शुक्रवार 20 जून , 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून
सामंजस्य एवं शान्ति के लिए योग

11वां अंतर्राष्ट्रीय

योग दिवस

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग

21 जून, 2025

राज्य स्तरीय समारोह

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

प्रातः 6:00 बजे | खुहड़ी सैंड ड्युन्स, जैसलमेर

प्रत्येक जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायत मुख्यालयों,
धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों इत्यादि
पर आयोजित कार्यक्रमों में योग गुरुओं द्वारा
योगाभ्यास करवाया जाएगा

अपने निकटतम योग स्थल पर उपस्थित रहकर
करें योग- रहें निरोग

राजस्थान संवाद

आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

तुम ये कभी मत सोचो कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना तो सबसे बड़ा अधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है; ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य लोग निर्बल हैं। –स्वामी विवेकानंद

जलवायु परिवर्तन (ग्लोबल वार्मिंग) का मुकाबला हम शाकाहारी बनकर भी कर सकते हैं

गत सोमवार दिनांक 16.6.2025 से यू.एन. जून क्लाइमेट मीटिंग्स Subsidairy Bodies (SB 62) का अधिवेशन अन्तर्राष्ट्रीय सेन्टर Bonn (WCCB) बॉन (जर्मनी) में प्रारम्भ हुआ है। यह अधिवेशन दिनांक 16 से 26 जून, 2025 तक चलेगा। इसमें लगभग पांच हजार डेलीगेट्स भाग ले रहे हैं। इसका प्रारम्भ यू.एन. क्लाइमेट चेन्ज के सेक्रेटरी जनरल श्री साइमन स्टिल के सम्बोधन से हुआ।

कॉप-29 की मीटिंग बाकू अज़रबैजान में हुई थी और अब कॉप-30 का अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन नवम्बर 2025 में बेलम ब्राजील में होने जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन (ग्लोबल वार्मिंग) की विभीषिका से लडने के लिये एक अन्तर्राष्ट्रीय संधि को जन्म दिया था, जिसे पेरिस एग्रीमेण्ट 2016 के नाम से पुकारा जाता है। इसके द्वारा कई सदस्य देशों ने अपने वायदों की घोषणा की थी कि वे जलवायु परिवर्तन के कारण प्रदूषण को कम करने के हेतु कदम उठायेंगे ताकि संसार का तापमान जो औद्योगिकीकरण के समय यानी 1990 के स्तर पर था, के स्तर में कोई कमी न हो। यदि वह 4.5 डिग्री से. तक बढ़ता है तो वह संसार के समाप्त होने की घटना बन सकता है। यदि कार्बन उत्सर्जन 2.0 डिग्री से. से अधिक भी हो गये तो वह संसार की 1/3 आबादी को निगल जावेगा।

सन 2015-2016 का काल ऐतिहासिक वर्ष माना जाता है। इसमें क्योटा प्रोटोकॉल का स्थान पेरिस एग्रीमेण्ट ने लिया था। 121 देशों ने अपनी घोषणा की थी। पेरिस एग्रीमेण्ट का जन्म भारत ने अथक परिश्रम के कारण ही संभव हो सका था। लेखक का सौभाग्य रहा कि वह भारत के सोशल ग्रुप (एनजीओ) सिकोयडिकोन, पैरवी के डेलीगेशन के रूप में वे पेरिस एग्रीमेण्ट को जन्म लेने की घटना का साक्षी रहा है। हस्ताक्षरकर्त्ता देशों ने जो वायदे किये थे वे स्वैच्छिक थे।

वस्तुत: जो एग्रीमेण्ट हुआ है वह 2020 से प्रभावी हुआ है। किन्तु कार्बन उत्सर्जन में कमी कैसे आयेगी इस पर विचार होता रहेगा। Natiionally Determined Contribution कैसे निर्धारित होगा। हस्ताक्षरकर्त्ता देश क्या सचमुच ऐसा कर सकेंगे जिससे बढ़ते हुये तापमान में कमी हो और क्या उनके ये कदम निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचने में सहयोग होंगे। ऐसे कई प्रश्न अन्य कई विवादित ढेले पर जून अधिवेशन में वार्ता होगी, विचार होगा और जो निर्णय लेंगे उन्हें ब्राजील अधिवेशन में प्रस्तावों के रूप में पारित कर उनका Adaptation किया जावेगा ताकि वे पेरिस एग्रीमेण्ट का अभिन्न अंग बन सके।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण कई तूफान आये हैं, कहीं बाढ़ें आई हैं तो कहीं सूखा पड़ा है, ग्लेशियल पिघल रहे हैं, नदियां सिकुड रही हैं, नई नई बीमारियां फैल रही हैं, समुद्र की सतह बढ़ रही है। जैविक विविधता विनाश की ओर जा रही है। जंगल सिमट रहे हैं और रेगिस्तान बढ़ रहे हैं। धरती का तापमान निर्धारित स्तर से 1.5 डिग्री से. से आगे बढ़ता जा रहा है। 2.0 डिग्री से. तापमान बढ़ने से समुद्र में मिथेन का रिसाव प्रारम्भ होगा और धरती स्वयं गर्मी पाकर जलेगी।

आज की परिस्थितियों पर विचार करें तो पायेंगे जलवायु परिवर्तन में सुधार नहीं है अपितु स्थिति और भी अधिक भयंकर हो रही है। कोरोना के भूत ने एक नये रूप में जन्म लिया, बीजों की उपयोगिता खत्म हो रही है, नई-नई बीमारियां फैल रही हैं, प्रलय जैसी बाढ़ आ रही है। मानव ही नहीं अपितु प्राणियों का जीवन भी संकट में है। पहाड़ जो बर्फ से आच्छादित थे, वहां बर्फ देखने को नहीं है। गर्मी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। धरती पर सांस लेना भी दूभर हो रहा है। यूक्रेन रूस व इजरायल ईरान के युद्ध में CO_2 (कार्बनडाईऑक्साइड) का विसर्जन हो रहा है, वह भयंकर संकट को जन्म देने वाला है। धरती सम्भवत: मानव के रहने योग्य नहीं रहेगी।

यदि समस्त विश्व 8 दिन के लिये भी मांस खाना बंद कर दे तो पर्यावरण सुधर जावेगा। 50 प्रतिशत वैश्विक तापमान के लिये पशु सम्पदा उत्तरदायी है इससे 32,564 मिलियन टन कार्बनडाईऑक्साइड पैदा होती है। पशु उद्योग इतनी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं जितनी तो संसार के समस्त वाहन, कार, मोटर साईकिलें, ट्रेन, हवाई जहाज आदि भी नहीं करते हैं। मेनका गांधी का समर्थन करते हुये कई विशेषज्ञों ने कहा कि मांस के भोजन के कारण जंगल बर्बाद हो रहे हैं, पानी दूषित हो रहा है और बीमारियां बढ़ रहीं हैं।

उपरोक्त परिस्थितियों में तापमान को 2.0 डिग्री से. से अधिक बढ़ने को रोकने का संकल्प पूरा होना सम्भव नहीं है और 1.5 डिग्री से. तक रोकने की सोचना सपना हो चुका है। हम इस प्राकर केवल पेरिस एग्रीमेण्ट तक ही ग्लोबल वार्मिंग को रोकने पर निर्भर नहीं रह सकते। हमें विकल्प की तलाश करनी होगी। 80 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिये विकसित देश ही उत्तरदायी हैं। पेरिस एग्रीमेण्ट तक हमारा कार्बन उत्सर्जन 50 जीटी CO_2 हो चुका था। उसी को कम करने की कई हस्ताक्षरकर्ता देशों ने घोषणायें की थीं; किन्तु हमारी प्रगति नगण्य है। हमने अभी वैकल्पिक बिजली के उत्पादन की क्षमता बढ़ाने पर भी अधिक जोर दिया है।

विश्व के दो व्यक्तियों ने बीड़ा उठाया है कि "शाकाहारी बनो और विश्व को बचाओ"। एक हैं जॉन रोबिन्स, जिन्होंने बहुचर्चित पुस्तक **The Food Revolution: How Your Diet Can Help Save Your Life and Our World " लिखी है और दूसरी है दी सुप्रीम मास्टर efÛebieneF& keâer Hegmlekeâ **From Crisis to Peace: The Organic Vegan Way Is The Answer** दोनों लेखकों ने अकाटय प्रमाणों से स्पष्ट किया है कि शाकाहारी बनकर धरती को विनाश से बचाया जा सकता है। चिंगहाई का मत है खाने के लिये पशुओं को मारना, केवल बहुमूल्य पानी का अपव्यय ही नहीं है, इससे ऊर्जा व जमीन की बर्बादी भी हो रही है। यह प्रक्रिया 51 प्रतिशत ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की जननी है। सुप्रीम मास्टर ने नारा दिया है, मांस जनित पदार्थ खाना बंद करो और शाकाहारी बनो और धरती को वैश्विक ताप से बचाओ। उन्होंने अपील की है कि पशुओं के मांस को अपनी जीवन चर्चा से मुक्त करो। उनका मानना है कि यदि समस्त विश्व 8 दिन के लिये भी मांस खाना बंद कर दे तो पर्यावरण सुधर जावेगा। 50 प्रतिशत वैश्विक तापमान के लिये पशु सम्पदा उत्तरदायी है इससे 32,564 मिलियन टन कार्बनडाईऑक्साइड पैदा होती है। पशु उद्योग इतनी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं जितनी तो संसार के समस्त वाहन, कार, मोटर साईकिलें, ट्रेन, हवाई जहाज आदि भी नहीं करते हैं। मेनका गांधी का समर्थन करते हुये कई विशेषज्ञों ने कहा कि मांस के भोजन के कारण जंगल बर्बाद हो रहे हैं, पानी दूषित हो रहा है और बीमारियां बढ़ रहीं हैं।

जॉन रोबिन्स ने अपनी उक्त पुस्तक में लिखा है कि एक पोण्ड गेहूँ के उत्पादन में जहाँ 25 गेलन पानी खर्च होता है वहाँ एक पोण्ड मांस के उत्पादन में 2500 गेलन पानी खर्च होता है। मांस पकाने में शाकाहारी की अपेक्षा 10 गुना ईंधन चाहिये। 2.5 एकड भूमि में खेती कर गोभी, आलू, चावल, मक्का पैदा कर क्रमश: 23, 22, 19 व 17 व्यक्तियों को फूड एनर्जी दे सकते हैं और बीफ से केवल एक व्यक्ति को एनर्जी मिलती है।

संविधान ने अनुच्छेद 51क में मूल कर्त्तव्य दिये हैं उसमें निर्देश है कि नागरिक वन, झील, नदी और वन्य जीवों की रक्षा करेंगे और उनका संवर्धन तथा प्राणी मात्र के प्रति करूणा भाव रखेंगे तथा हिंसा से दूर रहेंगे। अनुच्छेद 48 व 48क में स्पष्ट किया कि राज्य वन्य जीवों की रक्षा करेगा। गौ वध को निषेध किया है। देश में वाइल्ड लाईफ (प्रोटेक्शन) एक्ट 1972 के माध्यम से जंगली जानवर को अभयदान दिया। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम व पशु कत्ल कारखानों रूल्स में पशु के प्रति क्रूरता न करने के निर्देश दिये गये हैं। संविधान में जो करूणा भाव मूल कर्त्तव्यों में निर्देशित किये हैं वह पशुवध के औचित्य को स्वीकार नहीं करता। प्राणी में मानव के अतिरिक्त पशु-पक्षी भी आते हैं।

संविधान के अतिरिक्त, यदि हम अन्य धर्मों की पवित्र पुस्तकों में भी पढ़े तो आपको जानकारी मिलेगी कि धार्मिक पुस्तक हादिस में मोहम्मद साहब ने कहा है सभी प्राणियों के प्रति दया भाव रखो। कुरान शरीफ में कहा है, जानवरों को अकारण मत मारो।

प्राणी मात्र के प्रति करूणा भाव सचमुच मानवीय चेतना की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। बान्धवा: प्राणिन: सर्वे का ब्रह्मनाद ही भारत की श्रेष्ठता का प्रधान रहस्य है। देश के कानूनों में पशुओं के प्रति क्रूरता का व्यवहार कानूनी अपराध है। पशुओं को भी जीने का अधिकार प्राप्त है।

यह सही है संसार की बडी आबादी मांस सेवन करती है, किन्तु मांस खाने वाले व्यक्ति कई बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं और शाकाहारी होना इसकी अपेक्षा उचित माना जा रहा है और समय की पुकार है। अत: यूरोप के कई देश धीरे-2 शाकाहारी हो रहे हैं। अमेरिका व अन्य देशों में भी कई मांसाहारी लोग स्वेच्छा से शाकाहारी हो रहे हैं। मांस खाना निजता का अधिकार हो सकता है; किन्तु मानव हित में स्वेच्छा से शाकाहारी बनना, वर्तमान समय की आवश्यकता है।

इस लेख का अभिप्राय केवल इतना ही है कि आज मानव व धरती माँ को कार्बन उत्सर्जन के खतरे से बचाने का यही एक मात्र सही मार्ग है कि संसार के लोग शाकाहारी हों।

पर्यावरण को लेकर जो भयावह परिस्थिति विश्व में है वह मानव सभ्यता के लिये एक चुनौती बन चुकी है, इसका समाधान तो ढूँढना ही होगा। धरती माँ को बचाना होगा।

शाकाहारी बनो - धरती माँ को बचाओ!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

पक्षी प्रेमियों व प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श पर्यटन स्थल है "बंध बारैठा"

संतोष कुमार मीणा

भजनलाल सरकार भरतपुर जिले को ईको टूरिज्म एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में सुदृढ़ करने के लिए संकल्पबद्ध है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान इस उद्देश्य को प्राप्त करने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। बंध बारैठा भरतपुर का सबसे बड़ा और प्रमुख बांध है, जो न केवल एक महत्वपूर्ण जलस्त्रोत के रूप में जाना जाता है, बल्कि एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी इसकी विशेष पहचान रखता है। यह बयाना तहसील में भरतपुर शहर से लगभग 50 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। वर्ष 1866 में भरतपुर के शासक जसवंत सिंह ने काकुंड नदी पर इस बांध का निर्माण शुरू किया, जो 1897 में राम सिंह के शासन में पूरा हुआ। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह स्थल पर्यटकों को भी आकर्षित करता है। हरे-भरे जंगलों, शांत जलराशि और विविध प्रजातियों के पक्षियों की उपस्थिति इसे जैव विविधता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाती है, खासकर पक्षी प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह स्थान एक आदर्श पर्यटन स्थल है। यह क्षेत्र भरतपुर के प्रसिद्ध केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के नजदीक होने के कारण भी पर्यटकों का ध्यान खींचता है।

यह बांध भरतपुर जिले के साथ-साथ आसपास के कई क्षेत्रों की जल आवश्यकताओं को पूरा करता है। पीने के पानी की आपूर्ति हो या खेतों की सिंचाई, बंध बारैठा इस क्षेत्र की जीवनरेखा के रूप में कार्य करता है, किसानों के लिए यह एक वरदान साबित हुआ है। इसकी मदद से सिंचाई की सुविधा बेहतर हुई है और कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। इस बांध का निर्माण ऐतिहासिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसका निर्माण तत्कालीन भरतपुर रियासत के शासकों द्वारा कराया गया था जिससे उस समय के प्रशासन की दूरदर्शिता और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का पता चलता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल स्त्रोतों की सुदृढीकरण की दिशा में निरंतर सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा 2025-26 में भरतपुर के सबसे बडे बांध बंध बारैठा की जल भराव क्षमता बढ़ाने के लिए 2 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। यह राशि ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट एसीपी के तहत स्वीकृत की गई। इस प्रक्रिया के तहत पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना से अतिरिक्त पानी को ईआरसीपी तक लाया जाएगा जिससे शेष जल बंध बारैठा में संग्रहित किया जा सकेगा। इस परियोजना से न केवल जल संरक्षण को बढावा मिलेगा, साथ ही बंध बारैठा बांध की क्षमता बढ़ने से केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के वेटलैंड क्षेत्र में विस्तार होगा और हजारों देशी-विदेशी पक्षियों के साथ-साथ किसानों को सीधे लाभ मिल सकेगा। इससे जिले की पेयजल समस्या में भी राहत मिलेगी। इस बांध के लिए बजट घोषणा 2024-25 में डूंगरी बांध से बंध बारैठा होते हुए सुजान गंगा भरतपुर लिंक करने का प्रावधान किया गया। इस हेतु 2371 करोड़ रूपए की डीपीआर तैयार की गई है।

डीग-कुम्हेर-भरतपुर में सांवई-खेड़ा डिप्रेशन से गोवर्धन ड्रेन तक 6 करोड़ 25 लाख रूपए की लागत से पानी लिफ्ट करने का कार्य करवाया जायेगा।

बंध बारेठा बांध पर वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां शुरू करने तथा इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। यहां प्राकृतिक रूप से सुरम्य वातावरण के साथ वर्षभर पानी की उपलब्धता आने वाले समय में पर्यटन गतिविधियों के लिए अनुकूल मानी जा रही है। रियासतकालीन यह बांध तीन तरफ से पहाड़ियों से घिरा हुआ है। जैव विविधता यहां वर्षभर देखी जा सकती है। यहां पर देशी-विदेशी पर्यटकों का आगमन बना रहता है। यहां पर राज्य सरकार द्वारा पर्यटकों को आधारभूत सुविधाओं का विकास करने के साथ इको टूरिज्म के लिए बजट-2024-25 में प्रावधान किया गया है जो बंध बारैठा के सुनहरे भविष्य की ओर इंगित करता है। इससे स्थानीय नागरिकों को भी प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बंध बारैठा की पहचान बनेगी।

आज के समय में जब जल संकट एक गंभीर समस्या बन चुका है, ऐसे में बंध बारैठा जैसे जलस्त्रोतों का संरक्षण और सुनियोजित प्रबंधन अत्यंत आवश्यक हो गया है। यह केवल एक जलाशय नहीं है, बल्कि भरतपुर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर का प्रतीक भी है, इसकी देखरेख और संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इससे लाभान्वित हो सकें और इसकी सुंदरता व उपयोगिता बनी रहे। बांध में है 1860 एमसीएफटी पानी, सालभर भरा रहता है :-बारैठा बांध की भराव क्षमता 29 फीट और 1860 एमसीएफटी है। यहां पूरे साल पानी भरा रहता है। पर्यटक सीजन अक्टूबर से फरवरी तक भी इसमें करीब 1200 एमसीएफटी पानी की उपलब्धता रहती है। इसलिए यहां एडवेंचर वाटर स्पोर्ट्स में एक्टिविटी पर्यटन स्थल के रूप में की पूरी संभावना है। इसके साथ ही रियासतकालीन महल और मानसून सीजन में यहां के झरने भी सैलानियों को आकर्षित करते हैं।

संतोष कुमार मीणा
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी, सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, भरतपुर।

बीकानेर संभाग में 20 से 23 जून तक बारिश का अलर्ट जारी

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में मानसून प्रवेश कर चुका है, ऐसे में बीकानेर सहित पश्चिमी राजस्थान के जिलों में भी इसका बेसब्री के साथ इंतजार हो रहा है। तेज तापमान में गिरावट के बाद बारिश की उम्मीद की जा रही है, क्योंकि बादलों की आवाजाही हर रोज की तरह बनी हुई है।

मौसम विभाग की मानें तो सप्ताहभर तक बारिश की संभावना है। इसमें बीकानेर व जोधपुर संभाग में बारिश हो सकती है। वहीं शुक्रवार से इसकी प्रबल संभावना है। 20 जून से 23 जून तक बीकानेर में लगातार बारिश की प्रबल संभावना जताई गई है। हालांकि 24 व 25 जून को भी उम्मीद की जा रही है।

■ जून के अंतिम सप्ताह में मानसून बीकानेर तक पहुंच जाएगा

ऐसे में 19 जून से 25 जून तक लगातार बारिश बीकानेर संभाग में हो सकती है। मौसम विभाग ने 19 से 25 जून तक बीकानेर संभाग में बारिश का पूर्वानुमान दिया है। इसमें श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू में बारिश की उम्मीद जताई गई है। वहीं 22 जून को बीकानेर जिले में भी बारिश की उम्मीद है। इसके बाद कुछ दिन तक बारिश का सिलसिला बीकानेर में भी जारी रह सकता है। मौसम विभाग की मानें तो जून के अंतिम सप्ताह में मानसून बीकानेर तक पहुंच जाएगा, इससे पहले 22 जून को मानसून की बारिश हो सकती है। रुक-रुक कर और कुछ क्षेत्रों में बारिश का दौर आगे भी जारी रह सकता है।

यूपीआई का बढ़ता दायरा: क्या भारत वास्तव में एक कैशलेस इकोनॉमी बन पाएगा ?

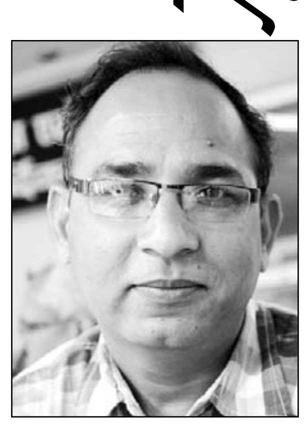

राम शर्मा

भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व क्रांति ला दी है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस डिजिटल भुगतान क्रांति का प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है। छोटे स्ट्रीट वेंडर्स से लेकर बड़े कॉरपोरेट्स तक, यूपीआई ने लेनदेन को अत्यंत सरल, तीव्र और सुरक्षित बना दिया है। निस्संदेह, यूपीआई के माध्यम से होने वाले ट्रांजेक्शन्स की बढ़ती संख्या ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की है, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि क्या भारत वास्तव में निकट भविष्य में पूर्णत: कैशलेस इकोनॉमी बन पाएगा? इस दिशा में कई चुनौतियाँ हैं, जिनका सामना करना आवश्यक है।

यूपीआई : भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति का आधार

यूपीआई की शुरुआत 2016 में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य बिना बैंक डिटेल्स साझा किए, त्वरित और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना था। आज यूपीआई न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। 2023 तक यूपीआई के माध्यम से कुल लेनदेन की संख्या 10,000 करोड़ को पार कर गई, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण है। पेटीएम, फोनपे, गूगल पे और अमेज़न पे जैसे डिजिटल पेमेंट ऐप्स ने यूपीआई को आम जनता तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यूपीआई को सिंगापुर, यूएई, फ्रांस और जापान जैसे देशों में स्वीकृति मिली है, जो भारत की डिजिटल पेमेंट इनोवेशन की सफलता को दर्शाता है।

यूपीआई ने पारंपरिक बैंकिंग प्रक्रियाओं को पूरी तरह से बदल दिया है। अब केवल एक मोबाइल नंबर या वर्चुअल पेमेंट एड्रेस के माध्यम से पलभर में पैसा ट्रांसफर किया जा सकता है। मोदी सरकार की डिजिटल इंडिया पहल और 2016 की नोटबंदी ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज चायवाले, सब्जीवाले, रिक्शाचालक और स्ट्रीट वेंडर्स तक यूपीआई स्वीकार करते हैं, जिससे कैशलेस ट्रांजेक्शन्स में भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कैशबैक, डिस्काउंट्स और रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे ऑफर्स ने यूजर्स को डिजिटल पेमेंट की ओर आकर्षित किया है।

यूपीआई के बढ़ते प्रचलन के बावजूद, भारत के पूर्णत: कैशलेस इकोनॉमी बनने में कई बाधाएँ हैं:-

भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी गाँवों में निवास करती है, जहाँ इंटरनेट कनेक्टिविटी और स्मार्टफोन की पहुँच सीमित है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण बुजुर्ग और कम पढ़े-लिखे लोगों को डिजिटल भुगतान में कठिनाई होती है। डिजिटल भुगतान के साथ फिशिंग, स्कैम और यूपीआई फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़े हैं।

साइबर सिक्योरिटी एनजीओ प्रहार के अनुसार, 2024 में भारत में साइबर अटैक की घटनाओं में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार द्वारा साइबर सुरक्षा को लेकर पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं, जिसके कारण लोग डिजिटल लेनदेन करने से हिचकिचाते हैं। भारत की 80 प्रतिशत श्रमशक्ति अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, जहाँ नकदी लेनदेन प्रमुख है।

छोटे व्यापारी और दैनिक मजदूरी करने वाले लोग अभी भी नकदी को प्राथमिकता देते हैं। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या बनी हुई है, जिसके कारण डिजिटल भुगतान का प्रसार धीमा है।

निष्कर्षत: यह कहा जा सकता है कि यूपीआई ने भारत को कैशलेस इकोनॉमी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है, लेकिन अभी भी एक लंबा सफर तय करना बाकी है। शहरी क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन ग्रामीण भारत में नकदी का वर्चस्व बना हुआ है।

भारत को पूर्णत: कैशलेस इकोनॉमी बनाने के लिए सरकार को कतिपय कदम उठाने होंगे, जैसे- डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना, साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, ग्रामीण इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर को सुधारना और छोटे व्यापारियों को डिजिटल भुगतान के लिए प्रोत्साहित करना। यदि इन चुनौतियों का समाधान हो जाता है, तो भविष्य में भारत निश्चित रूप से एक पूर्णत: कैशलेस अर्थव्यवस्था बन सकता है। फिलहाल, भारत की अर्थव्यवस्था 'लेस-कैश' से 'कैशलेस' की ओर बढ़ रही है, और यूपीआई इस परिवर्तन का प्रमुख वाहक है।

- राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल शुक्रवार 20 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र रात्रि 9:45 तक, शोभन योग रात्रि 11:47 तक, गर करण प्रात: 9:50 तक, चन्द्रमा रात्रि 9:45 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 9:50 तक है। सर्वार्थ सिद्धि सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। कुमार योग रात्रि 9:45 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 8:35 से आरम्भ होगी। पंचक रात्रि 9:45 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:20 तक, लाभ अमृत 7:20 से 10:45 तक, शुभ 12:28 से 2:11 तक, चर 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

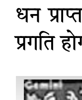

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

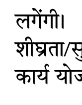

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

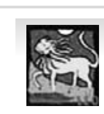

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

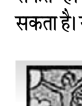

कन्या
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

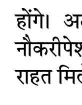

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

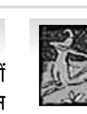

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

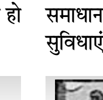

कुंभ
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

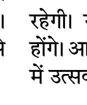

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जयपुर

Rashtradoot

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 318 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 20 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

राहुल गांधी अपने जन्म दिन की पूर्व संध्या को विदेश से लौटे

उनके जन्म दिन पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में सचिन पायलट उपस्थित रहे, पर सभी आयोजनों में गहलोत की गैर-मौजूदगी खली

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। राहुल गांधी बुधवार देर रात विदेश यात्रा से दिल्ली लौटे ताकि गुरुवार को अपना जन्म दिन मना सकें।

आयोजित सभी कार्यक्रमों में शिरकत की, जबकि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनुपस्थिति संदिग्ध रही।

जब राहुल गांधी पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने एआईसीसी

- **सचिन पायलट ने एआईसीसी कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मिलने आए राहुल गांधी का स्वागत करते हुए बड़ा गुलदस्ता भेंट किया और जन्म दिन की बधाई दी।**
- **इसके बाद यूथ कांग्रेस द्वारा आयोजित रोज़गार मेले व फिल्म फुले की स्क्रीनिंग पर, सचिन पायलट ने अपनी पूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। पर, संयोगवश या पूर्व निश्चित इरादे के अनुसार और कोई वरिष्ठ नेता नहीं दिखा।**
- **एक उल्लेखनीय बात यह भी थी कि इस बार प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के जन्म दिन पर ट्वीट करके बधाई नहीं दी। कहा जा रहा है कि वे अपने भाई से नाराज़ हैं तथा राहुल से ज्यादा उनके चारों तरफ मंडरा रहे लोगों, संभवतया के.सी. वेणुगोपाल से नाराज़ हैं।**

दिलचस्प बात यह रही कि कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने एआईसीसी और युवा कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी के जन्मदिन पर पहुंचे, तो सचिन पायलट वहाँ मौजूद थे, उन्होंने एक बड़ा गुलदस्ता लेकर राहुल को शुभकामनाएँ दीं। वे भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सचिन पायलट ने राहुल गांधी को एआईसीसी कार्यालय में जन्मदिन की बधाई दी और गुलदस्ता भेंट किया।

मुख्यमंत्री शर्मा आज जैसलमेर में, गड़सीसर तालाब की पूजा करेंगे

जैसलमेर, 19 जून (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को अहमदाबाद जाएंगे और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि देकर शाम 6:30 बजे जैसलमेर पहुँचेंगे। वे एयर पोर्ट से सीधे गड़सीसर तालाब पहुँचकर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले के प्राचीन पवित्र गड़सीसर सरोवर

- **मुख्यमंत्री शनिवार को सुबह जैसलमेर के खुड़डी सैंड ड्यून्स पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे।**

की पूजा एवं आरती करेंगे। मुख्यमंत्री सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन शनिवार को मुख्यमंत्री सुबह पौने छः बजे खुहड़ी सैंड ड्यून्स के लिए रवाना होंगे और वहाँ होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहाँ से मुख्यमंत्री पुनः जैसलमेर पहुँचेंगे और फिर जैसलमेर एयर पोर्ट से जयपुर प्रस्थान करेंगे।

ट्रंप बार-बार भारत-पाक युद्ध बंद करवाने का दावा अभी भी क्यों कर रहे हैं?

मसला है दक्षिण पूर्व एशिया में अपने घटते प्रभाव को किसी तरह जीवित रखना

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। स्व-प्रचार और टकराव की अपनी विशिष्ट शैली में, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा किया है कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से भारत और पाकिस्तान के बीच का युद्ध "रोक दिया" था, जबकि नई दिल्ली ने ऐसे किसी भी दावे को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। यह दावा, जिसे ट्रंप कई बार दोहरा चुके हैं, भारत की आधिकारिक स्थिति के विपरीत है और इससे नैरेटिव (कथानक) के नियंत्रण, कूटनीतिक सीमाओं और दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में वॉशिंगटन के प्रभाव की चाह को लेकर एक गहरा टकराव उजागर होता है।

ट्रंप क्यों इस बात पर अड़े हैं कि उन्होंने युद्ध रोका? ट्रंप के लिए भारत-पाकिस्तान का तनाव, कई अन्य भू-राजनीतिक संकटों की तरह एक ऐसा मंच है, जहाँ वे व्यक्तिगत कूटनीति का प्रदर्शन कर सकते हैं। "दो परमाणु देशों के बीच युद्ध रोकने की उनकी कहानी उनके छवि निर्माण अभियान का हिस्सा है, जिसमें वे स्वयं को "डीलमेकर" तथा संकट समाधानकर्ता के रूप में

- **भारत को ट्रंप का दंभपूर्ण दावा विशेष रूप से इसलिए विचलित करता है, क्योंकि इस दावे से यह ध्वनि आती है कि मोदी सरकार का भारत की सार्वभौमिकता व ''इन्डिपैन्डैंट विदेश नीति'' का ''क्लेम'' एक मिथ्या घटनाक्रम है।**
- **इसके अलावा ट्रंप के दावे से, भारत का यह पुराना सिद्धांत, कि भारत, पाकिस्तान के साथ मतभेदों पर किसी प्रकार की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा, भी थोथा व मिथ्या साबित होता है और यह सिद्धांत 1972 के शिमला समझौते में भी पुरजोर ढंग से पुनः स्वीकार किया था, दोनों देशों ने।**
- **इसके अलावा ट्रंप के दावे से, प्र.मंत्री मोदी की, भारत में सुरक्षा के मामले में दबाव में न आने की छवि को भी भारी धक्का लगता है।**
- **अमेरिका इस बात से चिंतित है कि ''ग्लोबल साउथ'' में उसका प्रभाव घट रहा है और अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी सार्थकता किसी भी प्रकार बरकरार रखना चाहता है।**

प्रस्तुत करते हैं।

भारत के दृष्टिकोण से, ट्रंप का यह दावा कई स्तरों पर समस्या का कारण है। पहला, यह भारत की उस छवि को कमजोर करता है, जिसे उसने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में सावधानीपूर्वक गढ़ा है कि वह क्षेत्रीय संकटों को अपनी शर्तों पर हैंडल करने में सक्षम है। मोदी सरकार ने रणनीतिक स्वायत्तता,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण का संकल्प लें

पतंजलि®

योगमय भारत : स्वामी रामदेव जी का आह्वान

आइए, इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वामी जी के नेतृत्व में योगव्रती और स्वदेशीव्रती बनकर एक स्वस्थ, समृद्ध, समर्थ, संगठित और परम वैभवशाली भारत का निर्माण करें।

पतंजलि के माध्यम से पिछले तीन दशकों में योग, आयुर्वेद और स्वदेशी ने विश्व के 200 देशों में 200 करोड़ से अधिक लोगों को रोगमुक्ति, नशामुक्ति और आध्यात्मिक जागृति का मार्ग दिखाया है। इससे न केवल लाखों करोड़ रुपये की बचत हुई, अपितु एक आध्यात्मिक, सनातन जीवन पद्धति की नींव भी रखी गई।

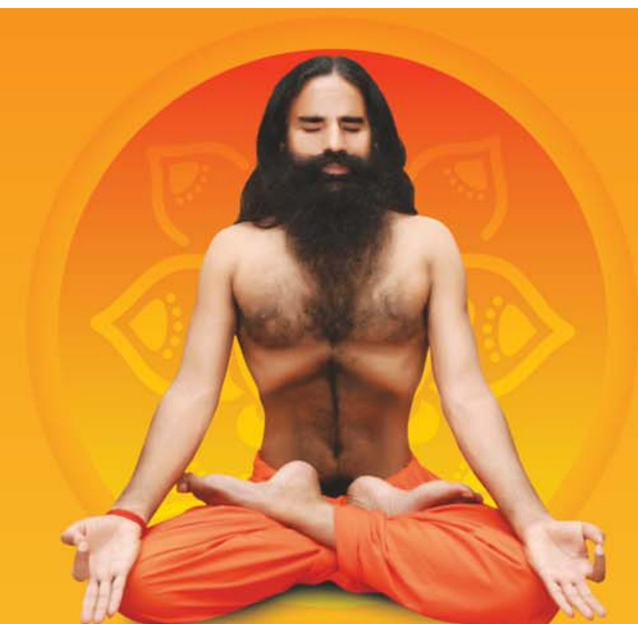

विश्व के सबसे बड़े योग गुरु

योगऋषि स्वामी रामदेव महाराज से सीधा जुड़कर योग सीखें

आस्था LIVE — प्रतिदिन प्रातः 5:30 से 7:30 व रात 8:00 बजे

INDIA TV — रोज सुबह 7:56 बजे

"जागरण के देवता"

देश के शीर्षस्थ संत सहित करोड़ों लोग स्वामी जी महाराज को ``जागरण के देवता'' के रूप में देखते हैं जिन्होंने देश भर में 25 लाख किलोमीटर की यात्रा करके दस करोड़ से अधिक लोगों को योग का प्रशिक्षण देकर, एक करोड़ निःस्वार्थ एवं निष्काम सेवा करने वाले निष्ठावान कार्यकर्ता तैयार किए। पतंजलि के वे प्रशिक्षित योगी भाई-बहन देश के हर गांव, शहर, गली और मोहल्ले में एक लाख से अधिक योग शिविरों एवं नियमित योग कक्षाओं के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश दे रहे हैं। सुबह जल्दी उठकर योग करने की यह क्रांति भारत को नई दिशा दे रही है।

निःस्वार्थ भाव से मानव कल्याण का अभियान आज पूरे देश भर में पतंजलि के 10,000 से अधिक केंद्रों और 2,500 योग्य एवं प्रशिक्षित वैद्यों के माध्यम से योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी के क्षेत्र में बहुत बड़ी सेवा चल रही है। यदि इस सेवा का मूल्यांकन करें तो राष्ट्रसेवा में यह एक लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का योगदान है। पतंजलि का प्रत्येक प्रकल्प भारत माता की सेवा के लिए समर्पित है।

स्वदेशी से समृद्धि: अर्थ से परमार्थ ऑक्सफैम ग्लोबल यू.के. एवं अन्य स्रोतों के सर्वे के अनुसार, 1765 से 1900 के बीच विदेशी कंपनियों और आक्रांताओं ने भारत से 100 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की लूट की और आज भी यह लूट निरंतर जारी है। स्वामी जी स्वदेशी के माध्यम से इस लूट को रोकने और भारत को आर्थिक महाशक्ति की ओर ले जाने के लिए संकल्पित हैं। "Prosperity for Charity": पतंजलि ने 100% लाभ भारत माता की सेवा में लगाया है, लगा रहे हैं और आगे भी लगाएंगे।

भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा मैकाले की शिक्षा पद्धति से मुक्ति 1835 से चली आ रही मैकाले की शिक्षा पद्धति से देश को मुक्त करने के लिए पतंजलि गुरुकुलम् और आचार्यकुलम् जैसे संस्थान भारतीय शिक्षा बोर्ड के साथ श्रेष्ठ व्यक्तित्व, चरित्र और नेतृत्व वाले बच्चों का निर्माण कर रहे हैं। आगे लाखों विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध कर हम एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। अपने बच्चों को पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्व विद्यालय में पढ़ाएं और BSB के साथ अपने विद्यालय को संबद्ध करके राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी भूमिका निभायें।

स्वास्थ्य क्रांतिः निरोगी भारत चरक, सुश्रुत, धन्वंतरी और पतंजलि जैसे महर्षियों के ज्ञान पर आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ पतंजलि वेलनेस, योगग्राम और निरामयम् जैसे विश्वस्तरीय इंटिग्रेटेड ट्रीटमेंट सेंटर स्थापित किए गए हैं, जहां करोड़ों लोग निरोगी और स्वस्थ हो रहे हैं। स्वामी जी का आह्वान है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं योग करे और दस लोगों को योग कराएं। यदि 1% जागरूक लोग भी सुबह योग करें एवं योगमय सनातन जीवन पद्धति को अपनाएं, तो भारत का हेल्थ बजट शून्य हो सकता है।

शोध और समाधानः विज्ञान और परंपरा का संगम पतंजलि के 500 से अधिक वैज्ञानिकों ने वर्षों के रिसर्च से एविडेंस-बेस्ड पतंजलि मेडिसिन्स विकसित की हैं, जो लिवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन और रेस्पिरेटरी सिस्टम के रोगों को ठीक कर रही हैं। 5,000 से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल और 500 से अधिक इंटरनेशनल जर्नल्स में रिसर्च पेपर्स के पब्लीकेशन ने आयुर्वेद को रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन का दर्जा दिलाने का बहुत बड़ा कार्य किया है।

योग धर्म अब युगधर्म बनेः सनातन ही समाधान है आज योग और सनातन धर्म विश्व की आवश्यकता हैं। तनाव, बीमारियां, सामाजिक और सांस्कृतिक पतन से जूझ रही दुनिया को पतंजलि योग और सनातन मूल्यों के माध्यम से नई दिशा दे रहा है। आइए, योगधर्म मूलक सनातन जीवन पद्धति को अपनाएं।

पंच महाक्रान्तियों का शंखनाद शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक एवं सांस्कृतिक गुलामी से मुक्ति दिलाने एवं आर्थिक व आध्यात्मिक भारत बनाने के लिए पतंजलि एक लाख से अधिक गौ माता की सेवा कर रहा है और गौवंश को बचाने के लिए एक बड़ी कार्य योजना पर कार्यरत है।

पतंजलि के शुद्ध एवं सात्विक प्रोडक्ट्स अपनाइए,
अपने बच्चों व परिवार को मिलावट के ज़हर से बचाइए।

सार-समाचार

हादसे में बुजुर्ग दम्पति घायल

टोंक। दतवास थाना क्षेत्र में बोलेरो और डंपर की भिड़ंत में बुजुर्ग दंपती घायल हो गए तथा बोलेरो कार टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान चालक बाल-बाल बचा, वहीं डंपर चालक मौके से फरार हो गया। हादसा दतवास-निवाई एमडीआर मार्ग पर बधुवार सुबह हुआ, ग्रामीणों की सूचना पर दतवास थाना प्रभारी कालूराम मीणा मय पुलिस टीम मौके पर पहुंचे तथा राहगीरों की मदद से बोलेरो में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया और 108 एंबुलेंस से दतवास सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचाया। वहीं चालक रामअवतार को हल्की चोटें आई हैं, जबकि पीछे बैठे बुजुर्गों को ज्यादा चोटें आई है। प्राथमिक उपचार के लिए उन्हें सीएचसी दतवास में भर्ती कराया गया है। डंपर चालक के खिलाफ लापरवाही व तेज गति से वाहन चलाने के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है और ड्राइवर की तलाश जारी है।

योग ध्यान शिविर आयोजित

पावटा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की जागरूकता के लिए एसजीएन हॉस्पिटल के नर्सिंग एवं परा मेडिकल कॉलेज भूमिका प्लाजा पावटा में एक दिवसीय योग ध्यान हास्य शिविर का आयोजन कॉलेज डायरेक्टर डॉ. जयराम यादव की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान योग गुरु पूरण मल यादव ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करवाया। इस दौरान, योग के महत्व और उसके शारीरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। योगगुरु पूरणमल ने बताया कि कैसे योग दैनिक जीवन में तनाव को कम करने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है। वहीं हॉस्पिटल एवं कॉलेज डायरेक्टर डॉ. जयराम यादव एवं मैनेजिंग डायरेक्टर हरिराम यादव ने योग का महत्व बताते हुए अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित योग करने के लिए छात्र एवं छात्राओं को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने उत्साह के साथ आसन सीखे और उनका प्रदर्शन किया। इस दौरान डॉ. जयराम यादव ने बताया कि यह पूर्वाभ्यास आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें इस प्राचीन भारतीय विद्या को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है।

सिंदूर पार्क की नींव रखी

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड स्थित श्रीमती पाना देवी मोरीजावाला राजकीय कन्या महाविद्यालय के अंदर मुख्य गेट के पास सिंदूर स्मारक व सिंदूर पार्क बनाने के लिए विधि विधान से आचार्य पं. केशव शर्मा द्वारा भूमि पूजन कर नींव रखी गई। समाजसेवी रतन लाल शर्मा के नेतृत्व में सर्वसमाज के प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में पहलगांव में हुये आंतकवादी हमले में शहीद 28 भारतीय नागरिकों की याद एवं वीरांगनाओं के सम्मान में भारतीय भावनाओं को देखते हुए, महिलाओं के सबसे बड़े सांस्कृतिक मूल्य सिंदूर रक्षा के प्रति हम सब देशवासियों की जिम्मेदारीपूर्ण भावना को बल प्रदान करने के लिए सिंदूर स्मारक व सिंदूर पार्क सबके सहयोग से बनाने की एक अभिनव पहल है। जिसमें स्थानीय कॉलेज में अध्ययनरत बालिकाओं द्वारा भी नींव मुहूर्त में सहयोग किया गया। जिसको उपस्थित सभी लोगों द्वारा अनुकरणीय उदाहरण बताया गया।

भरतपुर में गौतस्करी के आरोप में मुठभेड़ में मारे गए आशिक का हुआ पोस्टमार्टम

डीग भरतपुर (निस)। डीग जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र में बुधवार को गौतस्करों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में घायल हुए दो गौतस्करों में से एक की मौत हो गई। मृतक आशिक का गुरुवार को सुबह एसडीएम की निगरानी में मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं उसका पिता और कुख्यात गौतस्कर हाशम उर्फ काडा भरतपुर के आरबीएम अस्पताल के आईसीयू बार्ड में भर्ती है, जिसके पैर में गोली लगी थी।

गौतस्करों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में घायल हुए दो गौतस्करों में से एक की मौत के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच की।

■ पिता आईसीयू में भर्ती, पुलिस पर करीब 50 राउंड फायरिंग, दो आरोपी फरार

मुठभेड उस समय हुई जब पुलिस को सूचना मिली कि कुछ गौतस्कर रावलका मोड से गोवंश ले जा रहे है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो चार गौतस्करों ने अचानक पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। करीब 30 मिनट तक चली मुठभेड़ में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें आशिक के सीने में और उसके पिता काडा के पैर में गोली लगी। इस दौरान उनके दो साथी सद्दाम और कासिम पुलिस पर फायरिंग करते हुए फरार हो गए। आरोप है कि गौतस्करों ने पुलिस पर करीब 50 राउंड फायरिंग की। फायरिंग की आवाज सुनकर अन्य गौतस्कर गायों से भरी टाटा 407 लेकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को पहले पहाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया वहां से भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में रेफर कर दिया गया। लेकिन इलाज के दौरान आशिक ने दम तोड दिया। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

योग दिवस से पूर्व योगाभ्यास

टोंक। भाजपा कार्यकर्ताओ व पदाधिकारियों द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के तत्वाधान में नेहरू पार्क टोंक में योग अभ्यास किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को देश ही नहीं पूरे विश्व में स्थान दिलाया है, मोदी ने वसुधैव कुटुंबकम के तहत योग को पूरे विश्व में 21 जून को योग दिवस के रूप में स्थापित किया है, जिससे देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी करोड़ों लोगों को लाभ मिला है।

उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए यह गर्व की बात है, कि योग प्राचीन काल से लोगों के स्वस्थ रहने में सबसे अधिक प्रभावित दवा के रूप में कारगर साबित हुआ है, जिसे लोग भूलते जा रहे थे। इस अवसर पर पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, नरेश, विष्णु, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मण्डल अध्यक्ष भगवान दास, कार्यक्रम जिला संयोजक बीना छामुनिया, सहसंयोजक हरिराम यादव, राजेश, हंसराज धाकड, रत्तीराम पहाडिया, संजये, चरण, रामावतार धाभाई, महावीर, योग गुरु मदन, शम्भू सहित अन्य मौजूद रहे।

बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए स्काउट-गाइड शिविर जरुरी : शरद कुमार शर्मा

■ जयपुर मंडल के जिला संगठन आयुक्त शरद शर्मा, सचिव फूलचंद मीणा, मुकेश अग्रवाल व रजनीकांत शर्मा ने दिया प्रेरणादायी उद्बोधन, बालकों की अभिरुचियों को सराहा

कोटपूतली । राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ कोटपूतली के तत्वावधान में सरदार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपूतली में 17 मई 2025 से चल रहे ग्रीष्मकालीन कौशल विकास एवं अभिरुचि शिविर में आज विशेष उत्साह का वातावरण रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर मंडल के जिला संगठन आयुक्त शरद कुमार शर्मा रहे, जिन्होंने स्काउटिंग को जीवन निर्माण की उत्कृष्ट प्रक्रिया बताया और कहा कि ऐसे शिविर बालकों में नेतृत्व, सेवा और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करते है। उन्होंने स्थानीय संघ कोटपूतली की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि यह शिविर निश्चित रूप से बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करेगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में विराटनगर के सचिव फूलचंद मीणा, लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय के सहायक आचार्य मुकेश अग्रवाल व रजनीकांत शर्मा ने भी प्रेरणादायक संबोधन देते हुए शिविर की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बालकों की प्रतिभा को निखारने वाले ऐसे आयोजनों की आवश्यकता समाज में सदैव बनी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। अतिथियों को स्कार्फ पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, वहीं स्काउट गाइड के वालंटियर्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय संघ कोटपूतली के सचिव रामवीर यादव ने किया। शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बालकों ने विभिन्न अभिरुचियों-जैसे चित्रकला, संगीत, सिलाई, विज्ञान मॉडल निर्माण, हारमोनियम वादन आदि-का प्रदर्शन किया, जिसे देख अतिथिगण अत्यंत प्रभावित हुए और सभी प्रशिक्षकों व बालकों को बधाई प्रेषित की। शिविर में बालकों की प्रतिभा, अनुशासन और सीखने की ललक को देखकर यह स्पष्ट हुआ कि स्काउट गाइड का यह प्रकल्प बालक-बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

कार्यक्रम के बाद अतिथियों ने शिविर में चल रही विभिन्न अभिरुचियों का अवलोकन भी किया।कार्यक्रम के समापन अवसर पर आभार प्रदर्शन हारमोनियम प्रशिक्षक दिग्विजय सिंह ने किया। इस अवसर पर शिविर संचालक अतुल कुमार आर्य, संदीप जांगिड, सुरेंद्र सैनी, पुष्पेंद्र कुमावत, खुशांश शर्मा जयसिंह सहित अनेक स्काउट-गाइड पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राव रत्ना जयंती समारोह की तैयारी

पावटा। उपखंड पावटा में 27 जुलाई रविवार को राव रत्ना जयंती हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाई जाएगी। बैठक को लेकर राव रत्ना भवन पावटा मे सत्ताईसा राजपूत समाज के गणमान्यजनों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समारोह को लेकर विचार विमर्श किया गया और रूपरेखा तैयार की गई।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण जगत सिंह पुत्र श्री नेम सिंह एवं विजय कंवर पत्नी श्री जगत सिंह निवासी-म. न. 18, इन्द्रा विहार कॉलोनी, मूर्ति नगर सिंवार, झोटवाडा, जयपुर, राज. की पुत्री प्रिया गौड़ पत्नी श्री श्रवण सिंह शेखावत मेरे अभिभाष्यगण के कहे में नही है तथा मेरी पुत्री ने अपनी मनमर्जी से प्रेम विवाह कर लिया है मेरे अभिभाष्यगण का कहना बिल्कुल नही मानती है जिस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने अपनी पुत्री प्रिया गौड़ को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियो से बेदखल कर दिया है। अब मेरे अभिभाष्यगण का अपनी पुत्री से कोई सम्बन्ध व सरोकार नही रहा है यदि कोई व्यक्ति इससे किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्यगण किसी प्रकार से उत्तरदायी नही होगे। सूचित रहे। जयपुर।
दिनांक-19/6/2025 (जाकिर अली) एडवोकेट, मो.-9024270089

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य नमन बढ़ाया पुत्र श्री मनीष बढ़ाया निवासी-प्लॉट नम्बर 6, महावीर नगर, टोंक रोड, दुर्गापुरा, जयपुर एक सम्पत्ति ग्राम मोहनपुरा, पटवार क्षेत्र मोहनपुरा, भू अभिलेख निरीक्षक क्षेत्र बस्सी, तहसील बस्सी, जिला जयपुर, राजस्थान मे स्थित कृषि भूमि खसरा नम्बर 273, रकबा 5 बीघा 1 बिस्वा का हिस्सा 1/2 सम्पूर्ण मे से 13.88 बिस्वा (अर्थात हिस्सा 14/50 दर हिस्सा 1/2) जिसकी रजिस्टर्ड व खातेदार मालीक श्रीमती कीर्ति गुप्ता पत्नी श्री मनीष कुमार गुप्ता जाति महाजन निवासी-नियर गणेश चौक, महुवा जिला दौसा, राज. हाल निवासी-डी-402, महिमा इरिस-1, स्वेज फार्म, रामनगर, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर, राजस्थान 302019 से उनकी उपरोक्त सम्पत्ति क्रय कर रहा है जिसके संबंध मे किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म या कंपनी को कोई आपत्ति हो तो सात दिवस मे अधोहस्ताक्षर के समक्ष प्रस्तुत करे। इसके उपरान्त कोई आपत्ति मान्य नही होगी और मेरा अभिभाष्य उक्त सम्पत्ति को उरिये विक्रय पत्र क्रय कर अपने पक्ष मे विक्रय पत्र रजिस्टर्ड करवा कर राजस्व रिकॉर्ड मे नामान्तरण खुलवा लेगा। सूचित रहे।
जयपुर (गौरी शंकर सिंगवाडिया) एडवोकेट
दिनांक- मो.नं.-9828104324

कार्यालय-उपायुक्त, सांगानेर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास)
क्रमांक: एफ-53/डी.सी./ एसजेड/ननिग्रेज/2025-26/4333 दिनांक: 16.06.25
सार्वजनिक सूचना/ विज्ञप्ति:
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुश्री मंजू जैन पुत्री स्व. श्री कपूर चन्द जैन द्वारा 15-ए, सरस्वती कॉलोनी, सांगानेर जिला जयपुर का नाम हस्तान्तरण चाहने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड का स्थल	वार्ड नं.	अनुमानित क्षेत्रफल (वर्गगज)	योजना
1.	सुश्री मंजू जैन पुत्री स्व. श्री कपूर चन्द जैन	15-ए, सरस्वती कॉलोनी, सांगानेर जिला जयपुर	90	266.65 (वर्गगज)	नाम हस्तान्तरण

अतः आवेदिका द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर नाम हस्तान्तरण किये जाने के संबंध में यदि किसी संस्था/ व्यक्ति/ हितधारक को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में मय दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं, अन्यथा आवेदिका के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी करने की कार्यवाही संपादित कर दी जावेगी।
(डॉ. रवि कुमार गोयल) आर.ए.एस., उपायुक्त सांगानेर जोन, नगर निगम जयपुर ग्रेटर

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

न्यायालय उप तहसीलदार बिचून, जिला-जयपुर
क्रमांक-न्याय/2025/469 दिनांक-18/6/2025
आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मृतक श्री राधेश्याम पुत्र श्री मांगीलाल जाति महाजन निवासी ग्राम बिचून तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर के नाम दर्ज ग्राम पालूकलां तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर स्थित आराजी खसरा नंबर 522 की भूमि का विरासत का नामान्तरकरण मोहनलाल, किशनलाल पि. राधेश्याम जाति महाजन निवासी बिचून के नाम दर्ज करने हेतु प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस प्रकरण में हितबद्ध संस्था व्यक्ति इस सूचना प्रकाशन के सात (07) दिवस में अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि पश्चात किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा एवं प्रकरण बाद मियाद नियमानुसार निस्तारित कर दिया जाएगा। सूचित रहे।
उप तहसीलदार, बिचून (जयपुर)

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्य लीना गुप्ता धर्मपत्नी श्री संजय गुप्ता द्वारा प्लॉट नम्बर 11 (उत्तरी हिस्सा), स्कीम नम्बर 4, रतन नगर, बालाजी हॉस्पिटल, ढेहर के बालाजी, जयपुर, राजस्थान मे स्थित हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज है को क्रय किया जा रहा है, यह कि प्लॉट नम्बर 11, क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का पट्टा जे.डी.ए जयपुर द्वारा सेडू सिंह के हित मे जारी किया गया, सेडू सिंह (सादू सिंह) का स्वर्गवास 11.12.2023 को हो गया एवं उनकी पत्नी प्रमीला खंगारोत का स्वर्गवास 15.01.2023 को गया था, सेडू सिंह (सादू सिंह) के स्वर्गवास के पश्चात् उनके पुत्र सुशील सिंह, तेज सिंह, पुत्री बबीता कँवर, संतोष राठौड़ उक्त सम्पत्ति के संयुक्त मालिक हुए, तेज सिंह क स्वर्गवास पूर्व में दिनांक 07.03.2001 को हो गया उनकी मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारी उनकी पत्नी रेखा कँवर, पुत्र राहुल सिंह खंगारोत, गौरव सिंह एवं पुत्री पारूल सिंह उनके हिस्से के संयुक्त मालिक, स्वामी व अधिकारी हुए, तत्पश्चात् सुशील सिंह, बबीता कँवर, संतोष राठौड़, रेखा कँवर, राहुल सिंह खंगारोत एवं पारूल सिंह ने उक्त वर्णित सम्पत्ति मे अपने-अपने हिस्से का हक त्याग जरिये हकत्याग पत्र दिनांक 26.12.2023 को गौरव सिंह के हित मे कर दिया, तत्पश्चात गौरव सिंह ने सम्पूर्ण प्लॉट मे से उत्तरी हिस्सा, क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज को राहुल दोलानी एवं अमित कुमार अग्रवाल को विक्रय कर दिया। इस प्रकार राहुल दोलानी एवं अमित कुमार अग्रवाल उक्त सम्पत्ति के संयुक्त मालिक, स्वामी, काबिज व अधिकारी हैं, राहुल दोलानी एवं अमित कुमार अग्रवाल द्वारा उक्त सम्पत्ति को लीना गुप्ता धर्मपत्नी संजय गुप्ता को विक्रय किया जा रहा है, उक्त सम्पत्ति बाबत् यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, बैंक, वित्तीय संस्था, सगे सम्बन्धी या अन्य कोई वारिसान, जनसाधारण, इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति, एतराज हो तो इस सूचना के प्रकाशन से सात दिवस की अवधि मे मुझसे व्यक्तिगत रूप से मेरे निम्नलिखित ऑफिस पते पर अपनी आपत्ति/ एतराजात मय असल दस्तावेज सहित व्यक्त करें, उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात, किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी तथा उक्त अवधि के पश्चात् इस आम सूचना बाबत् कोई भी आपत्ति / एतराजात किसी भी न्यायालय मे शून्य व निरस्त समझी जायेंगी।
Advocate Mayank Ailani, Mobile No.-7073704373

खोया पाया

जेडीए की योजना अभिनव बिहार विस्तार में स्थित भूखण्ड संख्या के/350 के ओरिजनल जेडीए अलॉटमेन्ट लेटर, कब्जा पत्र, रसीद एवं साईट प्लान कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें। महादेव मीना मो.नं. 8107639050

जेडीए द्वारा जारी प्लॉट नंबर 73, आदर्श कॉलोनी, बगरू, जयपुर के पट्टे के संलग्न स्टाम्प पेपर कीमती 820/- रू., साईट प्लॉट एवं रजिस्ट्री का साईट प्लान कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। गोपाल कंवर- 9928806405

नाम परिवर्तन

मैं संजय आर्मी नं. (15616725 एन) रैंक हवलदार, 11 गार्ड 56 एपीओ। मेरे रिकॉर्ड में मेरी माँ का नाम रामली है और उनकी जन्म तिथि 01.07.1953 है। जबकि दस्तावेजों में रामली देवी है और जन्म तिथि 01.02.1947 है। जो सही और वास्तविक है। कृपया सही नाम और जन्म तिथि दर्ज करें। संजय पुत्र श्री कंवर सिंह निवासी हरसौली, जिला अलवर, राजस्थान

मैं आर्मी नं. 16029229K राइफलमैन शीलेन्द्र कुमार यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) हैं। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम आर्मी रिकॉर्ड में रामविर सिंह (Ramvir Singh) है और जन्म दिनांक 01.01.1955 है, जो कि गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम रामवीर सिंह (Ramveer Singh) व जन्म दिनांक 01.01.1954 है।

मैं आर्मी नं. 16029229K राइफलमैन शीलेन्द्र कुमार यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) हैं। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम आर्मी रिकॉर्ड में गंगा देवी (Ganga Devi) है, जो कि गलत है। मेरी माताजी का सही नाम गंगा देई (Ganga Dei) है।

मैं आर्मी नं. 16021095F हवलदार जितेन्द्र सिंह सेंगर यूनिट 17 राज रिफ (सवाईमान) हैं। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम आर्मी रिकॉर्ड में विनोद सिंह सेंगर (Vinod Singh Sengar) है, जो कि गलत है मेरे पिताजी का सही नाम विनोद सिंह (Vinod Singh) है।

मेरा नाम जगदीश प्रसाद पुत्र श्री बच्छू लाल से बदलकर जगदीश प्रसाद बैरवा कर लिया गया है। भविष्य में मुझे इस नाम से जाना और पहचाना जाये। P. 24, बैरवा मौहल्ला, सूजनपुरा, टोडाभीम, करौली राजस्थान

कांग्रेसजनों ने मरीजों को फल बांटे

पावटा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रायबरेली के सांसद राहुल गांधी का जन्मदिवस कांग्रेस जनों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कांग्रेस जनों द्वारा उप जिला अस्पताल पावटा में मरीजों को फल वितरण कर मरीजों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

इस दौरान जगदीश मीणा प्रदेश कांग्रेस सचिव ने कहा कि जब देश के राजनीतिक वातावरण में डर, भय और दुष्प्रचार व्याप्त था, तब राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक 3570 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा और उसके बाद 4200 किलोमीटर की न्याय यात्रा के माध्यम से पूरे देश में प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया और तानाशाही ताकतों से लड़ने की प्रेरणा लोगों को दी। वही कांग्रेसजनों ने बालाजी मेगा मार्ट जांगिड कंपलेक्स में एक संगोष्ठी का आयोजन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश सैनी की अध्यक्षता व प्रदेश कांठोस के सचिव जगदीश मीणा पूर्व जिला पार्षद के मुख्य आतिथ्य एवं राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष जगमाल यादव एवं खेलना मंडल कांग्रेस के अध्यक्ष पंचायत समिति सदस्य वेद प्रकाश बाकोलिया एवं पंचायत समिति सदस्य खडक सिंह वर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में प्रतिकूल माहौल के बावजूद कांठोस और सहयोगी दलों ने शानदार प्रदर्शन किया।

आज राहुल गांधी देश में राजनीतिक संघर्ष के प्रतीक पुरुष के रूप में स्थापित हो चुके हैं। समस्त कांठोस कार्यकर्ता और देशवासी उनके साथ हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना करते हैं। हम सभी कांग्रेस जन राहुल गांधी जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हैं और यह आश्वासन देते हैं कि उनके संघर्ष में सभी पूरी निष्ठा से उनके साथ खडे रहेंगे।

जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा

टोंक। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत बुधवार को संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने निवाई पंचायत समिति के सभागार में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी, जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, प्रधान रामअवतार लांगडी भी मौजूद रहे। संसदीय कार्य मंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में विभिन्न विभागों द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिन विभागों की प्रगति धीमी थी उन्हें इस अभियान में और बेहतर कार्य करने पर जोर दिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस अभियान को सभी विभाग पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी मानकर करें तो इसके सकारात्मक परिणाम आएंगे। जनभागीदारी और जन जागरूकता के प्रयासों में कोई कमी नहीं रखें। संसदीय कार्य मंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों से मानसून में आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों की जानकारी ली और अधिकारियों को आगामी मानसून सीजन की समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में लो लाइन एरिया वाले क्षेत्रों में समुचित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं। नालों की सफाई का कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएं। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। संसदीय मंत्री ने आगामी 24 जून से 9 जुलाई तक आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े में पात्र व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं का लाभ देने एवं जनसमस्याओं का समाधान तत्परता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार फ्लैगशिप स्कीमों का लाभ धरातल पर पहुंचे इसके लिए कार्य योजना बनाकर कार्य करें। कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति छूटे नहीं इसकी सुनिश्चितता करें। जनता से सीधे जुड़े विभाग उनकी समस्याओं को प्रमुखता से सुने और समयबद्ध सीमा में उनका निस्तारण करें।

गाय को बचाने के प्रयास में पलटी बस, 15 यात्री घायल

नारायणपुर । थाना क्षेत्र बासदयाल के गांव नयाबास के पास गुरुवार सुबह एक ग्रामीण परिवहन बस हादसे का शिकार हो गई।

बताया जा रहा है कि बस के सामने अचानक मवेशी आ जाने से चालक ने संतुलन खो दिया और बस पलट गई। हादसे में करीब 15 यात्री घायल हो गए है, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों में महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं। सूचना मिलते ही बासदयाल पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को कराणा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद अधिकांश घायलों को छुट्टी दे दी गई। गंभीर रूप से घायल रेखा देवी (27), मंजू देवी (30) और सुमन (18) को कोटपूतली बीडीएम अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

■ ग्रामीण परिवहन बस चालक का संतुलन बिगडने से बस पलटी खाई

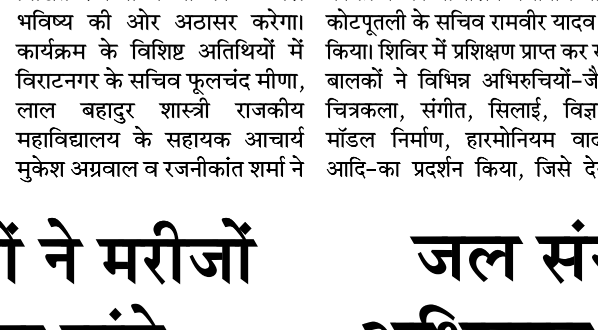

थाना क्षेत्र बासदयाल के गांव नयाबास के पास गुरुवार सुबह ग्रामीण परिवहन बस पलट गई।

पुलिस के अनुसार बस राजस्थान ग्रामीण परिवहन सेवा की थी, जो नारायणपुर से कोटपूतली के लिए रवाना हुई थी। बस में 25 से 30 यात्री सवार थे। हादसा सुबह करीब 11.30 बजे हुआ जब तेज रफ्तार में चल रही बस के सामने अचानक एक गाय आ गई। चालक ने मवेशी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन बस असंतुलित होकर सडक किनारे पलट गई। हादसे के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

काऊ कैचर निर्माण कार्य शुरू

कोटपूतली। राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय में आवारा पशुओं से निजात पाने के लिये चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर काऊ कैचर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्य के चलते मुख्य प्रवेश द्वार को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है और आवागमन के लिये अस्पताल के दूसरे द्वार का उपयोग किया जा रहा है।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
कार्यालय चक सकीतरा, कुम्हेर भरतपुर-321201
Emall-Info@msbrijuniversity.ac.in,
Website-www.msbrijuniversity.ac.in
क्रमांक-मसूबृवि/स्था/2025/710 दिनांक-19/06/25
ई-निविदा सूचना
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के लिए अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल एवं उच्च कुशल कार्मिकों की आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों / सर्विस प्रोवाईडरों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से दर संविदा हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी व ई-निविदा प्रपत्र विश्वविद्यालय वेवसाईट sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
NIB code BUB2526A0006
UBN is BUB2526SLOB00025
कुलसचिव

कार्यालय पंचायत समिति कोटखावदा (जयपुर)
क्रमांक-पंसको/2025-26/202 दिनांकः- 12/06/25
(ई-निविदा सूचना सं. 05/2025-26)
पंचायत समिति कोटखावदा की अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य योजनान्तर्गत विकास कार्यों के लिए वित्तिय वर्ष 2025-26 के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं मान्यता, प्राप्त यथा पंचायतीराज संस्थाए, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका, जयपुर विकास प्राधिकरण, सार्वजनिक निर्माण विभाग, केन्द्र व राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों व जीएसटी में पंजीकृत विनिर्माता/थोक प्रदायकर्ताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।
विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।
NIB No : ZUP252690552
UBN No:- ZJP2526WSOB00959 To ZJP2526WS0B00978
विकास अधिकारी
पंचायत समिति कोटखावदा

कार्यालय ग्राम पंचायत खेडारानीवास पं.स. कोटखावदा (जयपुर)
क्रमांक-ग्रा.पं./2025-26/ई-निविदा/135 दिनांक-16/06/2025
ई-निविदा सूचना 02/2025-26
पंचायत समिति कोटखावदा के ग्राम पंचायत खेडारानीवास में जनजाति (MADA) क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 59.70 लाख का 3 कार्य स्वीकृत है। कार्यों को सम्पादित कराने हेतु पंचायतराज अधिनियम 1996 के नियम 181 (2) के अन्तर्गत तथा राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदायें निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बंधित समस्त जानकारी कार्यालय समय में एवं राजस्थान उपापन पोर्टल https:/ sppp.rajasthan.gov.in एवं https:/ eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाएं ऑनलाईन प्राप्त करने एवं अपलोड करने की दिनांक 17/06/2025 से 27/06/2028 को प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी।
सरपंच, ग्राम पंचायत खेडारानीवास, पं.स. कोटखावदा (जयपुर)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत खेडारानीवास, पं.स. कोटखावदा (जयपुर)

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी पंचायत समिति, सवाई माधोपुर
क्रमांक :-812-13 दिनांक :-17/06/2025
ई-निविदा सूचना संख्या-01, 05, 06, 07/2025-26
पंचायत समिति सवाई माधोपुर से अधीन ग्राम पंचायत बाडोलास चकेरी व अजनोटी में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यों हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित शर्ते नियम, सम्बन्धी व दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB CODE ZSM2526A0436
NIB CODE ZSM2526A0437
NIB CODE ZSM2526A0439
UBN ZSM2526WSRCO439
UBN ZSM2526WSRCO440
UBN ZSM2526WSRCO497
(जगदीश प्रसाद मीना RDS)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति सवाई माधोपुर

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय (प्रा.शि.), करौली
क्रमांक:-जिशिअ/मु.प्रा.शि./करौली/लेखा/2025-26/119 दिनांक:-19.06.2025
खुली निविदा सूचना संख्या 04/2025-26
वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 01 (एक) वाहन DZIRE/CRETA/ BREEZA अन्य SUV श्रेणी किराये पर लेने हेतु (अनुमानित लागत 3.00 लाख) मुहरबंद खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 20.06.2025 से 27.06.2025 समय प्रात: 11:00 बजें तक प्राप्त कर उसी दिन समय 01:00 बजे तक कार्यालय में जमा करायी जा सकती है तथा निविदा उसी दिन अपराह्न 02:00 बजे खोली जायेगी। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण स्थानीय कार्यालय एवं बेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकती है।
UBN No: EED2526SSOB00156
जिला शिक्षा अधिकारी मु. प्रा.शि. करौली

कार्यालय जिला परिषद करौली
क्रमांक/निविदा/मतस्य/2025-26/127 दिनांक:-17.06.2025
मत्स्य ठेका निविदा विज्ञप्ति
जिला परिषद के अधीन 'ख' श्रेणी बंध अतेवा (आरक्षित राशि 3.60 लाख) एवं बन्ध महस्वा (आरक्षित राशि 1.00 लाख) में मत्स्य ठेके हेतु वर्ष 2025-26 से ठेका संबंधित 31.03.2026 तक के लिए मोहरबंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं शर्तें निविदा शुल्क 400 रू. (अक्षरे चार सौ मात्र) नकद भुगतान कर कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। निविदाऐं दिनांक 23.06.2025 को प्रात: 11.00 बजे तक बेची जावेगी उसी दिन 2.00 बजे तक कार्यालय में जमा की जावेगी तथा दोपहर 2.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। उचित मूल्य निविदत करने पर नियमानुसार जलाशय के स्टेजेज बढोतरी के आधार पर 05 वर्ष की अवधि के लिए लीज पर देने का प्रावधान है।
आरक्षित राशि की 10 प्रतिशत अमानत राशि निविदा के साथ डी.डी. द्वारा जमा कराना आवश्यक होगा। किसी भी निविदा के साथ अमानत राशि जमा नहीं कराने अथवा कम राशि जमा कराने पर उस निविदा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्राधिकृत समिति को किसी भी प्राप्त निविदा को बिना कोई कारण बताए अस्वीकृत करने का अधिकार होगा।
NIB: ZKR2526A0192
BID:ZKR2526GS0B00275
(शिव चरण मीना)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

परकोटे को छोड़कर पूरे जयपुर में ई-रिक्शा बैन, पुलिया-ओवर-ब्रिज पर भी नहीं जाएंगे

आमजन के लिए शहर में नए रूट्स पर संचालित किए जाएंगे 8-10 सीटर टैम्पो

जयपुर (कासं)। परकोटा क्षेत्र को छोड़कर पूरे जयपुर शहर में अब ई-रिक्शा संचालन पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही नए रूट्स पर 8-10 सीटर टैम्पो को संचालन भी किया जायेगा। यह निर्णय गुरूवार को जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में हुई ट्रेफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक में लिया गया।

इसके साथ ही, शहर की विभिन्न पुलियाओं और ओवरब्रिज पर भी ई-रिक्शा और ई-कार्ट के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह निर्णय शहर में बढ़ती ट्रैफिक समस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ट्रेफिक कंट्रोल बोर्ड की इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिनमें त्रिवेणी नगर आरओबी से गोपालपुरा बाईपास तक एलिवेटेड रोड के निर्माण को मंजूरी दी गई है। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 8-10 सीटर टेम्पो और चौपहिया वाहनों के लिए नए रूट निर्धारित किए जाएंगे।

जयपुर शहर के सभी मार्गों पर (जिन पर ई-रिक्शा-ई-कार्ट को प्रतिबंधित किया गया है) वहां मिनी बस, टैम्पो 8 से 10 सीटर और ऑटो रिक्शा (सीएनजी-एलपीजी) उपलब्ध करवायी जाएंगी, ताकि शहर में यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए कोई असुविधा नहीं हो। सुगम यातायात के लिए ई-रिक्शा और ई-कार्ट चालकों को 10 दिवस की प्रशिक्षण दिए जाने का फैसला किया गया।

इसके अलावा त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी के पास गोपालपुरा बाईपास पर एलिवेटेड रोड निर्माण की जीएडी का अनुमोदन टीसीबी द्वारा भी किया गया। बीलवा चौराहे से खोले के हनुमान जी मंदिर तक टैम्पो

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में गुरूवार को ट्रेफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक आयोजित हुई।

8-10 सीटर चौपहिया वाहनों के लिए नए मार्ग खोले जाने और स्कोप निर्धारण प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

महापुरा से जीवन रेखा अस्पताल और सरना डूंगरी औद्योगिक क्षेत्र से मानसरोवर मेट्रो स्टेशन तक 8-10 सीटर टैम्पो चौपहिया वाहनों के नए मार्ग खोले जाने के स्कोप निर्धारण का प्रस्ताव मंजूरी किया गया।

अजमेर रोड पर पुरानी चुंगी नाका से प्रस्तावित हीरापुरा बस टर्मिनल तक, आगरा रोड घाट की घूणी से 52 फीट हनुमान जी तक, दिल्ली रोड रामगढ़ मोड से आमेर घाटी दिल्ली रोड पर, मेट्रो स्टेशन मानसरोवर से 200 फीट बाईपास अजमेर रोड पर और जयपुर शहर के ओवरब्रिज भारत जोड़ो सेतु, अजमेर पुलिया, टोंक रोड पुलिया, गोपालपुरा पुलिया, दुर्गापुरा पुलिया, सांगानेर पुलिया पर जयपुर शहर के ई-रिक्शा - ई-कार्ट संचालन को प्रतिबंधित करने का अनुमोदन किया गया।

जयपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में वर्तमान में एलपीजी-सीएनजी - डीजल चलित वाहनों के लिए 40 हजार वाहनों (ऑटो रिक्शा) का स्कोप निर्धारण किया गया है। जिन्हें भविष्य में संचालित किया जाएगा।

शनि मंदिर एमआई रोड, किरण पैलेस अजमेर रोड, 200 फीट चौराहा अजमेर रोड, सीकर रोड और विद्याधर नगर से पानी पैच तक अमानीशाह नाला रोड, नारायण सिंह सर्किल तिराहा, दिल्ली रोड बजरी मंडी पर यातायात व्यवस्था में सुधार और बदलाव कार्य की मंजूरी दी गई। रामबाग चौराहे की तर्ज पर ट्रैफिक पोल इलूमिनेशन शहर के अन्य चौराहों और तिराहों

- **ट्रेफिक जाम से निजात दिलाने के लिए कई जगहों पर ओवरब्रिज और एलिवेटेड रोड बनाई जाएंगी**

पर किया जाएगा। (जिसमें ट्रैफिक सिग्नल के साथ ट्रैफिक पोल भी उसी रंग की लाइट में दिखाई देने से वाहन चालकों को दूर से ही सिग्नल नजर आते हैं।)

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गोनेर पुलिया कोटा से जयपुर आने वाले वाहनों के लिए कमला नेहरू पुलिया की तर्ज पर ओवरब्रिज बनाने के लिए एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

भास्कर पुलिया और ओटीएस चौराहे के बीच पुलिया की चौडाई बढ़ाई जाने, ओटीएस चौराहे से के.वी. - 3 तिराहा के बीच, अंबाबाड़ी तिराहा से अंबाबाड़ी सर्किल तक, खातीपुरा पुलिया से लता सर्किल तक, दूध मंडी से संजय सर्किल तक और मालवीय नगर पुलिया पर रोड मीडियन बनाने के साथ ही रोड मीडियन की ऊंचाई बढ़ाने के निर्देश दिए।

रेलवे स्टेशन से डीआरएम कार्यालय तक 6 मीटर सड़क चौड़ाई बढ़ाई जाने के लिए रेलवे से भूमि मांगने का फैसला किया गया। जयपुर शहर में ई-रिक्शा के सुलभ संचालन के लिए मोबाइल एप तैयार करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग को पत्र प्रेषित किया गया। ई-रिक्शा द्वारा कोड का उल्लंघन करने और एक जोन से दूसरे जोन में जाने की स्थिति में 5 हजार रुपए पेनाल्टी लगाने का फैसला किया गया। नारायण सिंह सर्किल को नो पार्किंग जोन घोषित किया गया।

हनीट्रैप के जाल में फंसाकर रुपए वसूलने वाली गैंग का पर्दाफाश

चित्रकूट पुलिस ने गिरोह की दो महिलाओं को कैफे में तीन लाख रुपए का चेक लेते हुए रंगे हाथों दबोचा

जयपुर (कासं)। चित्रकूट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए में सेक्स-टॉर्शन (हनी ट्रैप) में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर वसूली करने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि अमीर होने का पता चलने पर दोनों आरोपित महिलाएं उन्हें प्यार के जाल में फांसती और फिर दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर 50 लाख रुपए की डिमांड कर किस्तों में रुपए वसूली थी। पुलिस ने दोनों आरोपित महिलाओं के कब्जे से वसूली के 2.22 लाख रुपए भी बरामद किए है। फिलहाल आरोपित महिलाओं से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि चित्रकूट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए में

- **आरोपित महिलाओं के बैग से दो लाख से ज्यादा की नगदी भी बरामद**
- **बलात्कार के मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर कर रही थी ब्लैकमेल**

सेक्स-टॉर्शन (हनी ट्रैप) में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर वसूली करने वाली आरोपित मीतू पारीक (47) निवासी विद्युत नगर चित्रकूट और इंदु वर्मा (47) निवासी रामगंज जिला अजमेर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस टीम ने अवैध वसूली का चेक लेने कैफे में आई दोनों महिलाओं को पकड़ा है और उनके कब्जे से वसूली के 2 लाख 22 हजार रुपए भी वसूल किए है। दोनों आरोपित महिलाओं के मोबाइल को खंगाला गया है तो उनमें अन्य चार व्यक्तियों से ब्लैकमेलिंग डिटेल्स मिली है। जिनमें कुछ से रुपए लेना, कुछ को रुपयों के लिए धमकाना व अगला टारगेट किस बनाए। यह सभी बातचीत शामिल है। पूछताछ में आरोपी महिलाओं से कई खुलासे होने की संभावना है।

थानाधिकारी अंतिम शर्मा ने बताया कि 13 जून को परिवादी ने मामला दर्ज दर्ज करवाया था कि 22 मई को उसके दो दोस्तों ने उसे 5 लाख रुपए देकर चित्रकूट निवासी आरोपित मीतू पारीक को देने के लिए कहा। दोस्त के कहे अनुसार मीतू पारीक को उसके घर के बाहर 5 लाख रुपए देकर आ गए। शक होने पर दोस्तों को सही बात बताने की कहा। उन्होंने बताया कि 21 मई की रात वह दोनों जयपुर के कुकुस स्थित होटल हिल्टन में मीतू पारीक निवासी चित्रकूट और इंदु वर्मा निवासी अजमेर के साथ रुके थे। दोनों महिलाएं अपनी सहमति से हमारे साथ रही थी। लेकिन अब ये दुष्कर्म का केस दर्ज करवाने की धमकी दे ही है। 50 लाख रुपए की डिमांड पर 5 लाख रुपए की पहली किस्त के दिए है। लगातार धमकी देने की वजह से इंदु वर्मा को 1 लाख

गिरफ्तार आरोपी मीतू पारीक और इंदु वर्मा

रुपए ऑनलाइन दे चुके है, अब यह तीन लाख रुपए की मांग कर रही है। रुपए नहीं देने पर रेप केस दर्ज करवाने की धमकी दे रही है। 16 जून परिवादी से दोनों महिलाओं की सेक्स टॉर्शन के रकम के 3 लाख रुपए चेक से देना तय हुआ। चेक लेने के लिए वैशाली नगर के कैफे (कॉफी सूत्रा) में मिलना तय हुआ। कैफे में पुलिस टीम को सिविल ड्रेस में तैनात किए। महिलाओं के कैफे में आकर परिवादी से चेक लेते ही पुलिस ने उन्हें धर-दबोचा।

पुलिस ने थाने लाकर दोनों ब्लैकमेलर महिलाओं को को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के सर्च करने पर आरोपित मीतू पारीक के पर्स में 2.22 लाख रुपए मिले। पूछताछ में सामने आया कि परिवादी से धमकाकर वसूले रुपए में इंदू वर्मा का हिस्सा देने के लिए रुपए लेकर आई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपित महिलाएं पहले पैसे वाले व्यक्तियों से दोस्ती करती है। उन्हें प्रेमजाल में फंसाकर स्वयं उनके साथ होटल में ठहरती है।

उसके बाद दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी देकर रुपए की डिमांड करती है। रुपयों की डिमांड 50 लाख रुपए से शुरू होती है। इसके बदले में महिलाएं शपथ पत्र पर लिखकर ब्लैकमेल करने वाले युवक को दे देती है। पीड़ित युवक से भी रुपयों के पेमेंट के संबंध में समयवार स्टाम्प लिखवाती है। जिसमें 50 लाख रुपए का पेमेंट किस-किस तरीके और कब-कब किया जाएगा। जैसे ही पेमेंट देना शुरू होता है, वह नए व्यक्ति को फंसा कर धमकाना शुरू कर देती है। पुलिस पूछताछ में और भी कई चौकाने वाले खुलासे होने की आशंका जताई जा रही है।

विधानसभा के गेट को कार से टक्कर मारने वाला पकड़ा

जयपुर। ज्योति नगर थाना इलाके में राजस्थान विधानसभा के गेट को टक्कर मारने वाले कार चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस सम्बंध में विधानसभा सिक्योरिटी में तैनात एएसआई ने मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने इस मामले में कार चालक करण विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लग्जरी कार में सवार था और पुलिस ने उसे सीसीटीवी फुटेज की मदद से दबोचा है। पुलिस ने आरोपी की कार को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने कार की आरसी और चालक का लाइसेंस जब्त कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि जामडोली के माधव नगर के रहने वाले भागीरथ सिंह (49) ने मामला दर्ज करवाया कि वह राजस्थान विधानसभा की सिक्योरिटी में एएसआई हैं। शिकायत में बताया कि सोमवार तड़के अज्ञात चौपहिया वाहन ओवर स्पीड में विधानसभा की ओर आया। विधानसभा के गेट नंबर-3 पर स्थित गुमटी के पास बेकाबू होकर लोहे की रेलिंग में जा घुसा। टक्कर मारकर कार से लोहे की रेलिंग को तोड़ दिया। सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाने के बाद ड्राइवर मौके से कार लेकर फरार हो गया। विधानसभा के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाने की करतूत कैद मिली।

4 लाख रु. के नकली नोट की डिलीवरी करने आए युवक को पुलिस ने दबोचा

जयपुर ग्रामीण जिले की अमरसर पुलिस ने आरोपी को करीरी गांव से दबोचा

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की सूचना पर जयपुर ग्रामीण जिले की अमरसर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को चार लाख रुपए के नकली नोट के साथ पकड़ा है। अब पुलिस आरोपित से पूछताछ कर नोट छापने सहित अब तक कितने नोटों की सप्लाई कहा करने और सप्लाई चेन की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस टीम ने आरोपित के पास से 4.30 लाख रुपए के नकली नोट जब्त किया है और साथ ही मोबाइल फोन सीज कर दिया है। आरोपी कहां से नकली नोट लेकर जयपुर में किसे डिलीवरी करने वाला था, इसे लेकर पूछताछ की जा रही हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसओजी टीम को सूचना मिली थी की नकली नोटों की एक बड़ी खेप जयपुर में डिलीवरी होने के लिए आ रही हैं। इस पर टीम ने नकली नोट देने वाले की जानकारी जुटाई और जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के सहयोग से आरोपित को डिटेन कर उससे नकली नोट बरामद किए है। आरोपित युवक से पूछताछ की जा रही हैं। जिसके बाद नोटों के सम्बंध में जानकारी निकलेगी।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रघुविंद्र सिंह उर्फ भीमसिंह (28) निवासी बिलान्दरपुर अमरसर जिला जयपुर का रहने वाला है। एसओजी से सूचना मिली

गिरफ्तार आरोपी रघुविंद्र सिंह उर्फ भीमसिंह

थी कि अमरसर इलाके में एक व्यक्ति के पास नकली नोट का जखीरा है, जिसे वह बाजार में सप्लाई कर सकता है। इस पर पुलिस टीम ने करीरी स्थित सती माता मंदिर के पास नाकाबंदी की। इस दौरान संदिग्ध बाइक सवार को रोककर तलाशी ली।

आरोपित के पास 4 लाख 3 हजार की वैल्यू के 500 रुपए के 806 नोट मिले। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर नकली नोट बरामद किए। आरोपी लंबे समय से नकली नोट सप्लाई का काम कर रहा था। उसके नेटवर्क की जांच की जा रही है। पूछताछ से

- **पुलिस का कहना है कि आरोपी लंबे समय से नकली नोट सप्लाई का काम कर रहा था, उसके नेटवर्क की जांच की जा रही है।**
- **पूछताछ से गिरोह के अन्य सदस्यों और नकली नोटों की प्रिंटिंग लोकेशन के बारे में अहम जानकारियां मिलने की संभावना है।**

गिरोह के अन्य सदस्यों और नकली नोटों की प्रिंटिंग लोकेशन के बारे में अहम जानकारियां मिलने की संभावना है।

गौरतलब है कि 14 मार्च को भी अमरसर इलाके के धानोता गांव में पुलिस ने नकली नोट के साथ धानोता गांव में एक युवक सचिन यादव को गिरफ्तार कर उसके पास से 1.05 लाख रुपए के नकली नोट मिले थे। इन दो घटनाओं को देखते हुए नकली नोट छापने के किसी गिरोह की आशंका है। पुलिस इसका पता लगाने में जुटी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि नकली नोट कहां-कहां खपाए गए और इन्हें छापने की मुख्य फैक्ट्री कहां है।

हुक्का बार पर छापा, मैनेजर समेत 3 गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रापथ पुलिस ने मीरा मार्ग स्थित कोलवा कैफे में चल रहे अवैध हुक्का रेड मारी है। पुलिस जानकारी के अनुसार कैफे की आड में ग्राहकों को हुक्के की सप्लाई की जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हुक्का पिलाने वाले मैनेजर सहित उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया है और साथ ही ग्यारह हुक्के मय पाइप-चिलम फ्लेवर आदि के बरामद हुए। डीसीपी दिगंत आनंद ने बताया कि शिप्रा पथ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मीरा मार्ग स्थित कोलवा कैफे में अवैध रूप से ग्राहकों को हुक्का पिलाया जा रहा है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और छापेमारी करते हुए हुक्का पिलाने वाले मैनेजर मोहम्मद नासिर निवासी झालावाड़, दीपक चौहान निवासी उत्तर प्रदेश, सुरेश मीना निवासी दौसा और मोहन मीना निवासी अलवर को गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

वार्ड 100 में विकास कार्यों का शुभारंभ

जयपुर। ग्रेटर निगम क्षेत्र के वार्ड 100 स्थित सुंदर वाटिका कॉलोनी में इंटरलिंक टाइल और सीसी रोड निर्माण कार्य का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर वार्ड 100 के कांग्रेस पार्षद राजीव चौधरी (नेता प्रतिपक्ष ग्रेटर जयपुर), पार्षद प्रतिनिधि राकेश जोतड़, कांग्रेस श्योपुर मंडल अध्यक्ष हनुमान शर्मा, एस एन पंवार, प्रशांत मीना, मनीष जैन, राजपाल सिंह, घनश्याम चौधरी, नानकराम और समस्त कॉलोनीवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए और इस विकास कार्य के लिए बधाई दी। पार्षद राजीव चौधरी ने कहा कि यह विकास कार्य क्षेत्र के निवासियों के लिए एक बड़ी सौगात है और इससे क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी। कॉलोनीवासियों ने भी अपनी खुशी जाहिर की और पार्षद राजीव चौधरी और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

मनीषा जैन प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फैडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष एन.के.गुप्ता, प्रभारी ध्रुव दस अग्रवाल, महामंत्री गोपाल गुप्ता की सहमति से महिला प्रदेशाध्यक्ष चारू गुप्ता ने मनीषा जैन को अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की महिला विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर उनके अनुभव एवं कार्यकुशलता के आधार पर नियुक्त किया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर। पर्यटन शासन सचिव रवि जैन तथा पर्यटन निदेशक अनुपमा जोरवाल की उपस्थिति में पर्यटन विभाग, राजस्थान पर्यटन विकास निगम, राजस्थान राज्य होटल कारपोरेशन, राजस्थान राज्य मेला प्राधिकरण तथा राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हैल्दी स्माइल्स ग्रुप की ओर से गुरुवार को जयपुर स्थित आर.टी.डी.सी होटल गणगौर में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। पर्यटन शासन सचिव रवि जैन ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित स्वास्थ्य जांचे करवाना लाभकारी है। उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य राजकीय कर्तव्यों के निर्वहन में भी उपयोगी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर्स के द्वारा बताए गए रोग निवारक जीवन चर्या और ख़ान पान को अपना कर रोग के उत्पन्न होने की संभावना को न्यूनतम किया जा सकता है, जिससे बाद में जटिल उपचार और उससे जुड़ी आर्थिक मानसिक जटिलताओं की स्थिति से बचा जा सकता है। डॉ. समीर शर्मा ने निशुल्क चिकित्सा शिविर और कार्यशाला में मुख एवं दांतों की देखभाल विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. अभिषेक पारीक ने इस अवसर पर कैंसर से बचाव के लिए प्रारंभिक जाँच को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि शुरुआत में ही कैंसर का पता चलने पर इसका इलाज आसानी से हो जाता है। डॉ. अनिल शर्मा ने ह्रदय रोगों से बचाव करने के उपाय पर व्याख्यान दिया गया। दंत रोग डॉ. समीर शर्मा, डॉ. शांतनु जैन, होम्योपैथी डॉ. एस के जोशी, डॉ. आरुषि शर्मा, फिजिशियन, इटरनल अस्पताल की टीम ने दोपहर 12 से 2 बजे तक निःशुल्क परामर्श, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर आदि की जांच की।

पिता-पुत्र से मारपीट कर नकदी छीनी

जयपुर। बगरू थाना इलाके में बाइक सवार तीन बदमाशों ने पिता-पुत्र से मारपीट की और उनसे 30 हजार रुपए छीनकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार जाटों की ढाणी बगरू निवासी रामनिवास चौधरी ने मामला दर्ज करवाया कि वह अपने बेटे के साथ बाजार जा रहा था। बगरू पुलिया के पास हरियाणा नंबरों की एक बाइक आकर रुकी। उस पर तीन युवक सवार थे। युवकों ने उसके बेटे से मारपीट शुरू कर दी और उसका मोबाइल छीनकर फेंक दिया। बीच-बचाव करने पर बदमाशों ने उसके साथ भी मारपीट की और उसकी जेब में रखे 30 हजार रुपए लेकर भाग निकले।

होम-किचन और आउटडोर में अमेजन को 25 फीसदी वृद्धि

जयपुर। राजस्थान और जयपुर में "अमेजन डॉट इन" ने होम, किचन और आउटडोर कारोबार में साल 2025 में 25 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है। स्वस्थ और सुविधाजनक जीवनशैली की ओर बढ़ रहे ग्राहकों की बदौलत स्मार्ट होम, रसोई के साज़ो-सामान, फिटनेस, सुरक्षा, ऑटोमोटिव और बागवानी के उत्पादों की काफी मांग देखेने को मिली है। ऑनलाइन मार्केटप्लेस ने इस इलाके उभरते खरीदारी पैटर्न के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है।

अमेज़न इंडिया के होम, किचन और आउटडोर के डायरेक्टर के एन श्रीकांत ने बताया कि लोगों की दिलचस्पी आधुनिक रसोई बनाने पर है, वे घर का मेकओवर करना चाहते हैं, फिटनेस, इलेक्ट्रिक वाहनों और प्रोजेक्ट्स में दिलचस्पी बढ़ी है और इसकी बदौलत इस क्षेत्र में सभी श्रेणियों में खरीदारी का रुझान बढ़ा है। खास तौर पर जयपुर में रसोई, घर, ऑटोमोटिव

और फिटनेस श्रेणियों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि के साथ कारोबार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि "हम गुलाबी शहर में अमेज़न होम और किचन एक्सपीरियंस एरिना 2.0 की मेजबानी करके रोमांचित हैं। अब अधिक संख्या में ग्राहक अपनी घर, रसोई और आउटडोर ज़रूरतों के लिए ऑनलाइन खरीददारी कर रहे है। इस बदलती प्रवृत्ति के कारण ही राजस्थान और जयपुर में अमेज़न मार्केटप्लेस के लिए साल-दर-साल दोहरे अंकों की वृद्धि संभव हुई है।

सचिवालय के कमरे में आग लगने लगने से फर्नीचर और फाइलें जलीं

जयपुर (कासं)। अशोक नगर थाना इलाके में स्थित शासन सचिवालय के डीआईपीआर डिपार्टमेंट में गुरुवार को अलसुबह एक कमरे में आग लगने अफरा-तफरी का माहौल हो गया। जानकारी के अनुसार कमरे से धुआं निकलने पर फायर फाइटिंग अलार्म बजा। इसके बाद सचिवालय सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। कार्यालय में लगे फायर फाइटिंग सिस्टम के सुरक्षाकर्मियों ने आग को कंट्रोल किया। हालांकि आग सामान्य थी, इसलिए किसी भी फायर स्टेशन को आग लगने की सूचना नहीं दी गई। सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि आग सुबह साढ़े पांच बजे से बीच में लगी। एकाएक फायर अलार्म बजने पर ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षा गार्ड मौके पर पहुंचे और आग को कंट्रोल किया।

कलेक्टर ने एक ही दिन में सुनीं 182 परिवेदनाएं

22 फरियादियों को मौके पर ही मिली राहत

कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरूवार को कलक्ट्रेट सभागार में आमजन की परेशानियां सुनीं और निराकरण किया।

जयपुर। जिला कलक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई हुई। जहां कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने राजस्व प्रकरणों से जुड़े 86 परिवादों सहित 182 फरियादियों के परिवाद सुने, जिनमें से 22 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। अन्य प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए कलक्टर ने संबंधित विभाग के अफसरों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस मौके पर विधायक प्रशांत शर्मा भी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में कुल 182 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख रूप से अतिक्रमण हटवाने पेंशन शुरू करवाने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने, पेयजल की सप्लाई सुचारू कराने, पत्थरगढ़ी, कृषि भूमि में आवागमन हेतु रास्ता खुलवाने, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क, आवासीय पट्टा, बनवाने नामांतरण जमीन

- **लोग अतिक्रमण, पेंशन, पेयजल, पत्थरगढ़ी, आम रास्ते, सड़क, पट्टे व नामांतरण से जुड़ीं शिकायतें लेकर पहुंचे थे**

विवाद सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आमजन के प्रति जवाबदेही के साथ समस्याओं का निस्तारण करते हुए राहत देने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन को नियमित जनसुनवाई के निर्देश दिये हैं।

गोविंददेवजी मंदिर में संपन्न हुआ गीतामय योग शिविर

गोविंददेवजी मंदिर में आयोजित गीतामय योग शिविर में महापौर कुसुम यादव ने भी शिरकत की।

जयपुर। नगर निगम जयपुर हैरिटेज की ओर से मन्दिर श्री गोविंद देव जी मंदिर में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के परिपेक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय संत गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद महाराज की प्रेरणा से जीओ गीता परिवार राजस्थान के सहयोग से गीता प्रचारक योगाचार्य योगी मनीष के सानिध्य में "गीतामय योग शिविर" संपन्न हुआ।

इस अवसर पर महापौर कुसुम यादव ने बताया कि योग क्रिया का भगवान श्री कृष्ण से सीधा संबंध है। श्रीमद्भगवद्गीता को "समस्त योगों की जननी" कहा जाता है क्योंकि यह योग के विभिन्न मार्गों (ज्ञान, कर्म, और भक्ति) का विस्तृत वर्णन करती है और इन मार्गों के माध्यम से मोक्ष (मुक्ति) प्राप्त करने का मार्गदर्शन करती है।

ज्ञान योग, भक्ति योग एवं कर्म योग के त्रिवेणी संगम स्वरूप इस शिविर ने ज्ञान योग स्वरूप गीता पाठ के तहत शिविर में आसन, प्राणायाम एवं ध्यान से संबंधित गीता के संस्कृत श्लोको की शुद्ध उच्चारण सहित व्याख्या योगी मनीष द्वारा की गई एवं कर्म योग स्वरूप योगाभ्यास व प्राणायाम का प्रशिक्षण योग विभूति पूर्वी विजयवर्गीय द्वारा करवाया गया तत्पश्चात भक्ति योग के तहत गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज द्वारा गाय गीत "श्री कृष्ण कृपा कर दो ऐसी गीतामय जीवन हो जाए...." पर सैकड़ों योग प्रेमी भक्तजन नित्य करते हुए भाव विभोर झूम योगी मनीष द्वारा ध्यान योग के तहत हृदय चक्र पर विशेष राधा कृष्ण ध्यान मेडिटेशन करवाया। इस दौरान आयुक्त अरुण हसीजा, अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव, उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड, चेयरमैन हेमेंद्र शर्मा, रजत विश्नोई, पवन शर्मा नटराज, ज्योति चौहान, अंशु शर्मा मौजूद थे।

Working Productively

Every year, we mark a special day focused on improving how we work and live. World Productivity Day highlights ways to do tasks better and achieve more in less time! This day is not just about working harder but smarter. It encourages everyone to look at how they manage their tasks and find ways to enhance their efficiency. It also reminds us that by adopting smarter work strategies, we can improve our performance and overall well-being. It promotes innovation and sharing success stories that motivate others to aim higher in their daily activities. Ultimately, it asks us to reflect on our work habits and strive for continuous improvement.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
20 June 2025
A-B

#MEDICINE

Antabuse Can Cure Blindness Along With Alcoholism

Disulfiram can target that sensory noise and ultimately restore some vision.

Researchers may have found a way to revive some vision loss caused by age-related macular degeneration and the inherited disease retinitis pigmentosa.

Age-related macular degeneration is the leading cause of blindness. Retinitis pigmentosa (RP) is a rare genetic disorder that causes the breakdown and loss of cells in the retina.

The drug disulfiram, marketed under the brand name Antabuse, used to treat alcoholism, may hold the key to restoring this vision loss.

"We knew that the pathway drug disulfiram blocks, to treat alcoholism, was very similar to the pathway that's hyper-activated in degenerative blindness," says Michael Telias, assistant professor of Ophthalmology, of Neuroscience, and in the Center for Visual Science at the University of Rochester Medical Center. Telias is first author of the paper in *Science Advances*. "We expected some improvement, but our findings surpassed our expectations. We saw vision that had been lost over a long period of time, preserved in those who received the treatment."

In research involving mice, researchers found that disulfiram helped restore some vision by suppressing the sensory noise in the inner retina, caused by dying photoreceptors in the outer retina, that is brought on by the progression of outer retinal degeneration (such as age-related macular degeneration or retinitis pigmentosa), in which the light-sensing cells, called 'photoreceptors,' slowly die over years.

In past research as a post-doctoral fellow at the University of California, Berkeley, Telias found that as photoreceptors die off, it disrupts the function of the inner retina. This causes the sensory noise that ultimately becomes a barrier between the surviving photoreceptors and the brain.

This latest research, led by Richard Kramer, professor at the University of California, Berkeley, and Michael Goard, assistant professor at University of California, Santa Barbara, found that disulfiram can target that sensory noise, allowing the surviving photoreceptors in the outer retina to complete the signal to the brain and ultimately restore some vision. They found that nearly blind mice, treated with disulfiram, were much better at detecting images on a computer screen. "Treated mice really see better than mice without the drugs. These particular mice could barely detect images at all, at this late stage of degeneration. I think that's quite dramatic," says Kramer.

"If a vision impaired human were given disulfiram and their vision got better, even a little bit, that would be a great outcome in itself. But it would also strongly implicate the retinoic acid pathway in vision loss. And that would be an important proof of concept that could drive new drug development and a whole new strategy for helping to improve vision."

The researchers are planning to partner with ophthalmologists to conduct a clinical trial of disulfiram on patients with RP. The trial would be carried out on a small set of people with advanced, but not yet complete, retinal degeneration. Disulfiram does have some severe side effects if alcohol is consumed while taking it, including headache, nausea, muscle cramps, and flushing. But if disulfiram can improve vision, more targeted therapies could be sought that don't interfere with alcohol breakdown or other metabolic functions.

The researchers have already tested an experimental drug named BMS 493 that inhibits the receptor for retinoic acid, and they have also used gene therapy to knock down the receptor. Both of these procedures also dramatically improved vision in mice with RP.

Additional coauthors are from the University of California, Santa Barbara and the University of California, Berkeley. The National Institutes of Health and the National Science Foundation funded the work.

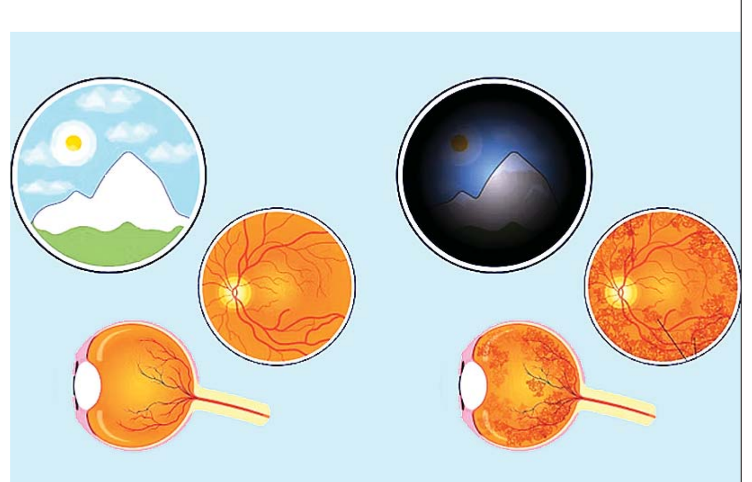

Khus 'Thermantidote'

The colonial vision of containing or controlling the heat was fulfilled in 1833 when the first ship bearing 180 tons of New England ice arrived in Calcutta from Boston. The Boston businessman Frederic Tudor (1783-1864) began shipping ice from Boston to the southern United States, the Caribbean, Brazil, and then further abroad to South Asia in the early nineteenth century. Tudor and his partner Nathaniel Wyeth determined that regularly cut rectangles of ice suffered less melting loss, they covered the ice with sawdust, and they designed double-walled insulation aboard the ships to prevent melting. They also fashioned ice houses that preserved the ice upon arrival. The ice was carried as ballast for low freight rates on ships and, when it reached India, was exempt from import duties. The imports from New England were lauded in the British press for the solidity and clearness of the ice that was now available in the major cities of the British Empire. Given the price, the ice was limited to an elite of both British imperial officials and wealthy South Asian merchants in the cities, although the British tried to keep the best quality ice for themselves.

● **Sylvia Houghteling**

The paintings that depict the *khas weavings* are primarily those associated with the *ragamala*, or 'garland of raga' tradition. The paintings depict embodied enactments of the seasonal musical modes (ragas and raginis), corresponding to poetic verses that narrate the feelings of love, longing, discomfort, serenity, and pleasure, that the various seasons and moods will bring. Another ragamala painting that includes an image of 'khas' from later eighteenth century (ca. 1780) in Kota depicts the rainy season's *Savant Saranga Ragini*. This is one of the musical modes classified under the broader category of *Rag Megh* (also written as Megha), a raga that is sung during the season of the clouds (megh). Savant Saranga is a monsoon ragini, as indicated by the mineral blue sky above the scene, the densely hanging vegetation, and the peacocks peeking their crests out above. But in the main part of the scene, the reclining female figure cannot get cool. Her attendants serve her drinks in elegantly fluted rosewater bottles that have perhaps been chilled in saltpeter. The whole interior scene of the pavilion is one of burning orange hues and glowing turmeric colors. These colors end instantly when they collide with the flat, neutral brown of the khas pavilion, perhaps suggesting a change in heat and feeling. The *khas khana* is carefully described in this painting: the artist has rendered the structure made from bamboo stems with their characteristic protruding nodes and has shown how the deeper woven brown khas grass has been arranged in rows. Again, the bulging rounded lines, used to render the hut, suggest a thicker and more substantial screen of khas grass. We even see an attendant at the khas khana's window, pulling a cord to open or close the shade.

The depiction of these cooling khas screens within ragamala paintings suggests how another sense, that of sound, could bring relief in the midst of unbearable heat. The raga melodies themselves were understood to activate changes in the temperature. The best-known story related to this phenomenon is about Tansen, the famed musician at Emperor Akbar's court, who is attributed with having composed many lasting raga melodies. In the story, Emperor Akbar requests and then demands that Tansen perform one of the most intense, heat-inducing ragas, known as *Raga Dipak*. In one recounting of the story, Tansen requests two weeks to practice, during which time he teaches his daughter, Sarasvati, to sing *Raga Megh Mallar*, a cooling melody that he knows will work as an antidote and will bring the rains. Indeed upon his recital of Raga Dipak, Tansen's body is overtaken by a burning sensation, at which point his daughter sings the monsoon Raga Megh Mahlar and Tansen's fire is quenched and he is saved. The ragamala paintings depicting variants of Rag Megha bring together these sensory properties of cooling: the muted colors in the sky, the evocations of a calming rag, and the scent of khas, all working together to lower the temperature and bring on the rains.

Pankha Wala, India, in 1870s.

#BEYOND ICE

New England Ice and 'some relief we may enjoy'

A woman reading under a Pankah.

By the nineteenth century, when the British had established their main cities of the empire at Calcutta, Madras, and Bombay, the varied means of cooling gave way to imported ice. Since discomfort in the heat had long been a chief concern, Europeans in South Asia had previously appropriated many South Asian methods for relief from the heat in the summer. As early as the seventeenth century, there were ill-fated proposals at the English court to introduce methods of cooling using saltpeter to Emperor Jahangir (r. 1605-27), although Mughal documents suggest that this method was already well in use in Hindustan. By the eighteenth century, Europeans in South Asia employed an 'ab-dar' to cool their drinks, and had adopted the use of khas screens, even attaching the khas screens to a mechanical fanning system that had to be consistently turned and came to be known as the 'thermantidote.' Various pulley systems and large cloth fans, known as *pankahs*, were used to move the air throughout interior spaces.

Having determined that requisitioning ice from the mountains was too costly, the British at first looked to local, South Asian methods of cooling and ice creation. This involved leaving a few inches of water in numerous porous earthenware vessels overnight. In the cool of the evening, even when temperatures did not drop below freezing, very thin layers of ice would form on the surface and bottom of these vessels could then be pounded together to form a larger block of ice. At times, saltpeter was also used to further the cooling. Rajani Sudan argues that the quest for ice among European officials in South Asia related to an 'entire cultural imaginary of a contained or controlled landscape, untrammeled by climatic realities.' The colonial vision of containing or controlling the heat was fulfilled in 1833 when the first ship bearing 180 tons of New England ice arrived in Calcutta from Boston. The Boston businessman Frederic Tudor (1783-1864) began shipping ice from Boston to the southern United States, the Caribbean, Brazil, and then further abroad to South Asia in the early nineteenth century. Tudor and his partner Nathaniel Wyeth determined that regularly cut rectangles of ice suffered less melting loss, they covered the ice with sawdust, and they designed double-walled insulation aboard the ships to prevent melting. They also fashioned ice houses that preserved the ice upon arrival. The ice was carried as ballast for low freight rates on ships and, when it reached India, was exempt from import duties. The imports from New England were lauded in the British press for the solidity and clearness of the ice that was now available in the major cities of the British Empire. Given the price, the ice was limited to an elite of both British imperial officials and wealthy South Asian merchants in the cities, although the British tried to keep the best quality ice for themselves. On a hot day in June 1837, an anonymous writer (using the name 'Corn Cob') proclaimed appreciation for the ice while casting aside previous methods of cooling:

Now kus kus tatties fail to cool
And punkah breeze defying
The mercury marks 95
And we are almost frying.
....Still, some relief we may enjoy,
For with our 'dall' and rice, Sir,
Liquids become a luxury
From Yankee Tudor's Ice, Sir.

In this poem, the khas screens and the 'punkah' fans are supposedly failing to cool when the 'Yankee Tudor's' ice from the United States arrives. Though seemingly a frivolous change, the ice was used to cool cocktails and claret wine, the displacement and devaluing of indigenous methods of cooling upon the arrival of the imported ice connected to broader British colonialist discourses that sidelined local scientific knowledge in South Asia as 'primitive, obscure, ineffectual, and rudimentary.' Moreover, the decision to substitute locally sourced ice with an energy-intensive import paralleled much larger shifts in trade and manufacturing in the mid-nineteenth century, whereby the British displaced and disrupted the renowned cotton textile industry of South Asia, by flooding markets in India with British machine-made cloth. New England ice remained dominant in South Asia and throughout many colonial cities of the British Empire until the late 1870s and early 1880s, when the system started to flounder due to climate warming in Massachusetts (brought on by both cyclical atmospheric warming and fossil fuel pollution), which drove up prices for naturally occurring ice. By the late nineteenth century, natural ice from New England was being substituted with manufactured ice made through mechanical refrigeration.

PART:4

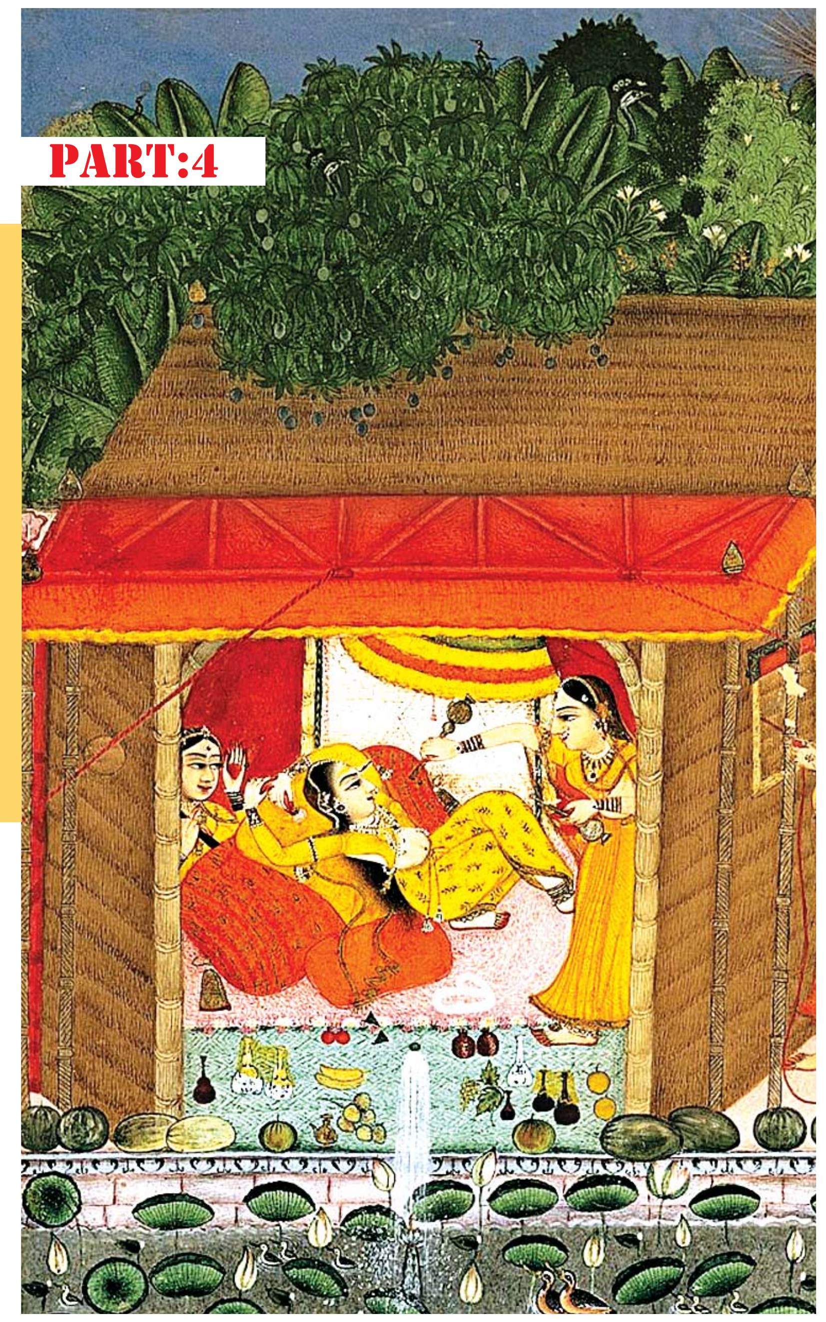

Raga Megha on Sarangi.

Conclusion

Just on the eve of the arrival of New England ice, Thomas Wise, a British official in India, wrote about the distinction between 'solid ice (pakka baraf); thinner ice that began to congeal later into the night (paperí); and the thinnest ice that froze only shortly before dawn (phúl baraf).' As Thomas Simpson notes, Wise was recording the different local Hindustani names for the substances that could come under the category of ice, each with its unique materiality. There was the solid, whole, and properly 'cooked' ice (pakka); the ice that was as thin as paper (paperi), and the blooming flower of the ice that came before dawn (phul baraf). These variants of ice had distinctive tactile properties, behaved differently as cooling substances, and brought to mind various associations of solidity and floral fragility. Writing a century after Anand Ram Mukhlis, Wise's observations conjure the image of Emperor Bahadur Shah peering out at the cracks in the thin morning ice, when 'his eyes sometimes would catch the cracks in sheets of ice. On this, he used to wait and learn a moral.' If there is a moral, it might be in the conclusion to the story of the colonizer's ice replacing pliable sheets of woven khas, or of energy-intensive travel that was valued over passive means of freezing. As mechanical cooling (and chemical coolants) has contributed catastrophically to the warming of the climate, the path forward may be found in these gentler materials and techniques that draw on all the senses to achieve a feeling of cold.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

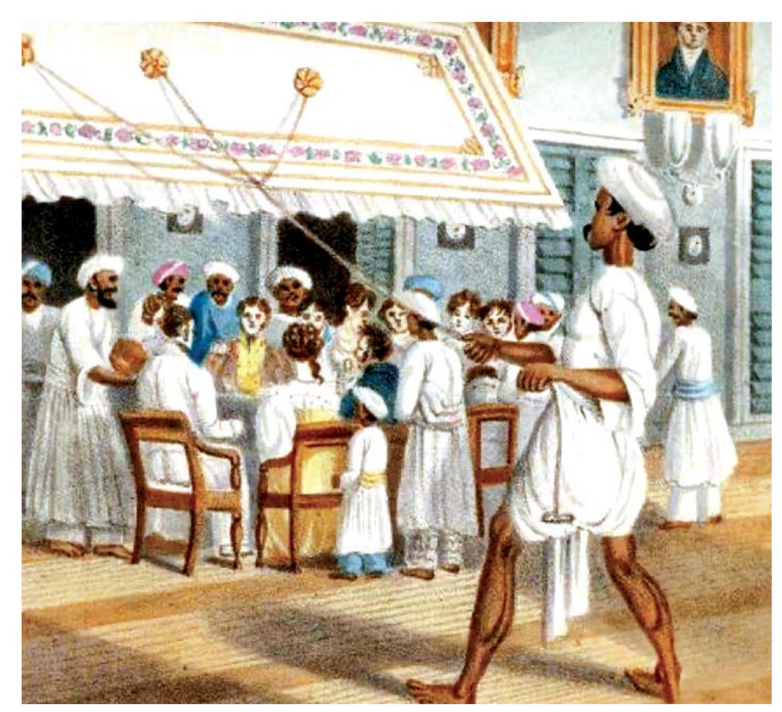

Cloth Pankha.

#BREAKING GROUNDS

Lab-Grown Brain Cells Will Treat Parkinson's

Japanese researchers have been successfully implanting lab-grown neurons into Parkinson's patients!

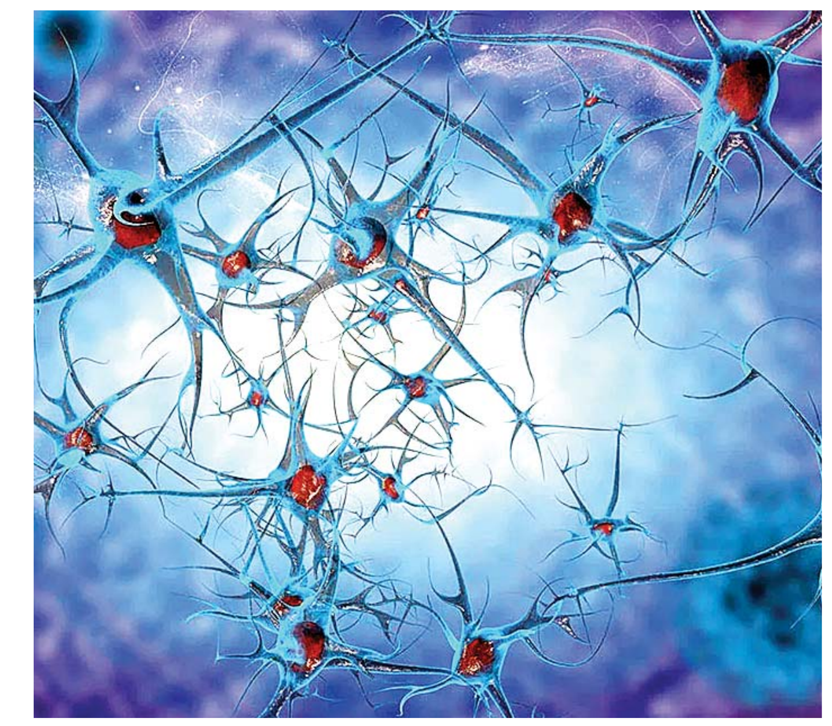

Parkinson's disease (PD) is a progressive neurodegenerative disorder that affects millions of individuals worldwide, leading to tremors, stiffness, and difficulties with movement. The condition occurs when brain cells that produce dopamine, a neurotransmitter essential for coordinating muscle movements, gradually die off. Although treatments have been developed to manage the symptoms, there is currently no cure for the disease. Recent breakthroughs, however, have brought new hope, particularly in the form of an innovative treatment using lab-grown brain cells. A groundbreaking clinical trial conducted by Japanese researchers has shown promising results by successfully implanting lab-grown neurons into Parkinson's patients. This study marks a significant step forward in the fight against Parkinson's and could have far-reaching implications for the treatment of other neurodegenerative diseases such as Huntington's, ALS, and Alzheimer's.

The Science Behind Parkinson's Disease

Parkinson's disease is characterized by the progressive loss of dopamine-producing neurons in the brain, specifically in an area called the substantia nigra. Dopamine is critical for controlling voluntary movements, and its depletion leads to the hallmark symptoms of Parkinson's: tremors, rigidity, and impaired coordination. As the disease progresses, patients may experience difficulty walking, speaking, and performing daily activities. Currently, there is no cure for Parkinson's, and available treatments, such as dopamine replacement therapy (levodopa) or deep brain stimulation, focus only on alleviating symptoms rather than halting or reversing the disease's progression.

The Promise of Lab-Grown Neurons

The recent clinical trial represents a leap forward in the search for a cure. The Japanese research team employed an innovative method to generate dopamine-producing neurons by reprogramming adult cells into induced pluripotent stem cells (iPSCs). iPSCs are a form of stem cells that can be engineered to become virtually any cell type in the body. This reprogramming process involves reactivating certain genes that allow adult cells to return to an embryonic-like state, making them capable of differentiating into specific cell types such as neurons. Once these iPSCs were created, the researchers directed them to become dopamine-producing neurons, which were then transplanted into the brains of Parkinson's patients. By using iPSCs derived from the patient's own cells, the new method greatly reduces the risk of immune rejection, potentially allowing for more successful and safer transplants.

Clinical Trial Results

The clinical trial involved seven patients with advanced Parkinson's disease. These patients received transplants of lab-grown dopamine-producing neurons. The early results have been encouraging. Four of the seven patients showed a significant improvement in motor skills, with an approximate 20% increase in movement capabilities when off their usual medication. Brain scans revealed that the transplanted cells were successfully producing dopamine, which was a key indicator of the treatment's potential effectiveness.

Importantly, no major side effects were reported in the trial, which is particularly notable, given the risks involved in brain surgery and cell transplantation. While the study is still in its early stages and further trials

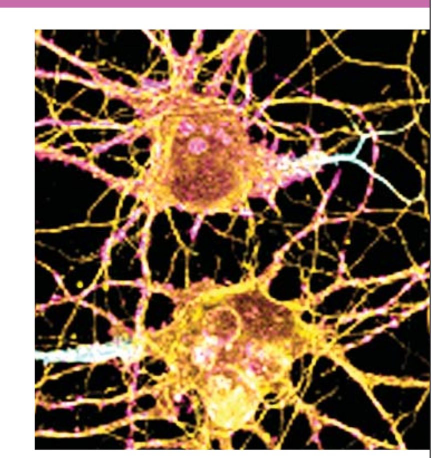

are necessary, these initial findings suggest that the approach could represent a viable and transformative treatment for Parkinson's disease.

Broader Implications for Neurodegenerative Diseases

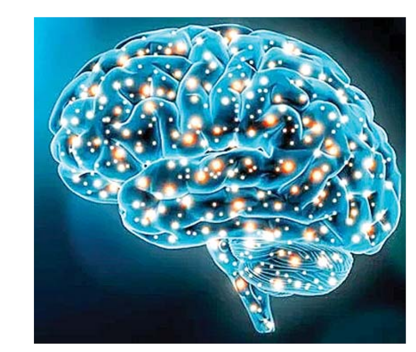

This research has far-reaching implications not only for Parkinson's but for other neurodegenerative diseases as well. Huntington's disease, ALS, and Alzheimer's also involve the progressive loss of specific types of neurons, and the ability to grow and implant healthy neurons into the brain could provide a pathway for treating these conditions as well. While the mechanism of cell loss varies among these diseases, the principle of replacing lost neurons with lab-grown cells remains applicable, offering the potential for groundbreaking therapies in the future.

The success of this clinical trial using lab-grown brain cells represents a major milestone in the treatment of Parkinson's disease. By overcoming some of the challenges associated with previous approaches, this new method of reprogramming adult cells into dopamine-producing neurons holds the promise of not only improving the lives of Parkinson's patients but also offering hope for those suffering from other neurodegenerative conditions. Although more research is needed to confirm long-term safety and efficacy, the early results suggest that regenerative medicine could play a crucial role in transforming the treatment of brain diseases in the future.

THE WALL

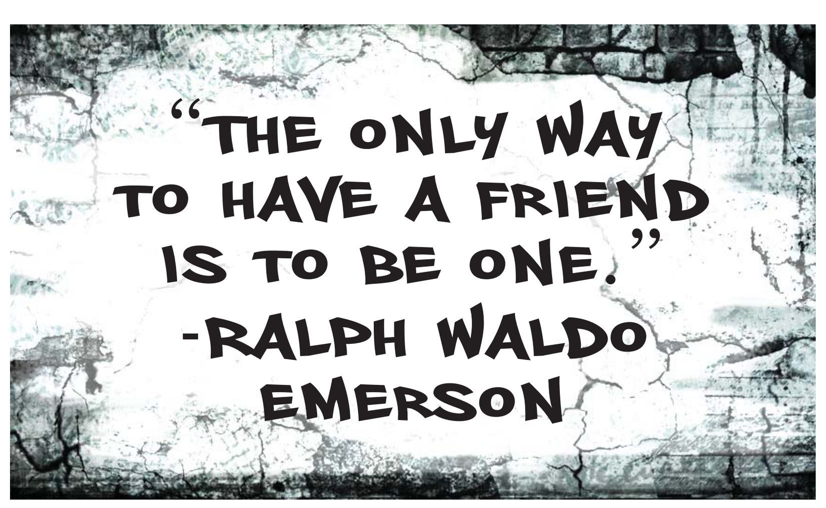

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

डकैती की योजना बनाते दो युवतियों सहित छह जने गिरफ्तार

पुलिस ने दो पिस्टल, बैस बॉल का डंडा, स्टिक व तीन बाइक भी जब्त की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की गंगापुर थाना पुलिस ने भीलवाड़ा-उदयपुर हाइवे पर वाहन चालकों के साथ डकैती की बड़ी वारदात की योजना बनाते दो युवतियों सहित छह लोगों को वारदात से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से दो पिस्टल, बैस बॉल का डंडा, स्टिक व तीन बाइक भी जब्त की है।

गंगापुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गंगापुर पुलिस को गुरुवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे डीएसटी से सूचना मिली कि भीलवाड़ा-उदयपुर हाइवे पर वाहन चालकों के साथ डकैती की एक गैंग योजना बना रही है। यह गैंग, हाइवे पर चौधरी होटल के नजदीक से रावण मंगरी जाने वाले लिंक रोड पर झाड़ियों की ओट में छिपी है। सूचना पर गंगापुर थाने से एएसआई रज्जाक मोहम्मद मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। जहां दो युवतियों सहित छह लोग वाहन चालकों से डकैती की योजना बनाते मिले। पुलिस

गंगापुर थाना पुलिस ने डकैती की योजना बनाते दो युवतियों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया।

ने इन सभी छह लोगों को पकड़ा। पूछताछ करने पर आरोपितों ने खुद को केमूनिया निवासी केसरलाल पुत्र जयसिंह जाट, कोशिथल निवासी मनमोहन पुत्र शंकरसिंह चुंडावत, गंगापुर निवासी नारायण पुत्र हरीशंकर शर्मा व चमनपुरा निवासी कैलाश पुत्र नारायण गुर्जर, जबकि युवतियों ने खुद को पुर थाना इलाके की रहने वाली पायल और चित्तौड़गढ़ के निकुंभ थाना इलाके में रहने वाली संगीता होना बताया। पुलिस ने इन आरोपितों में से केसरलाल व मनमोहन से एक-एक पिस्टल, नारायण से स्टिक व कैलाश से बैस बॉल का डंडा जब्त किया।

■ यह गिरोह सोशल साइट इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहकर लोगों को प्रेम जाल में फांसने का प्रयास कर चुका है

इसके अलावा इनकी तीन बाइक भी पुलिस ने जब्त कर ली। पुलिस ने इन सभी को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया। इसकी जांच एएसआई नारायण लाल कर रहे हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह गिरोह सोशल साइट इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहकर लोगों को प्रेम जाल में फांसने का प्रयास कर चुकी है, लेकिन सतर्कता के चलते लोग इनके जाल में नहीं फंसे, इसलिए इस गैंग ने युवतियों के जरिये वाहन चालकों को रुकवाकर उनके साथ लूटपाट की यह योजना बनाई थी।

अवैध कोयला भट्टियों को प्रशासन ने नष्ट कराया

निम्बाहेड़ा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित कोयले की भट्टियों पर कार्रवाई की।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की रायला उप तहसील के निम्बाहेड़ा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित कोयले की भट्टियों पर कार्रवाई की गई है। गुरुवार को शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित कोयले की भट्टियों पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पीला पंजा चलाया गया। क्षेत्र में इन अवैध कोयला भट्टियों के चलते लगातार शिकायते मिल रही थी। अवैध भट्टियों को लेकर क्षेत्र के लोगों से अवैध कोयला भट्टियों से प्रदूषण फैलने का अंदेशा जताया था।

■ क्षेत्र के लोगों ने अवैध कोयला भट्टियों से प्रदूषण फैलने का अंदेशा जताया था

बनेड़ा तहसीलदार नारायण लाल ने बताया कि क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित कोयले की भट्टियों के खिलाफ लगातार शिकायत मिल रही थी। जिस पर उपखंड अधिकारी व तहसीलदार को इन पर कार्रवाई करने के निर्देश दे रखे हैं। जिले में पिछले दिवस की क्षेत्र में करीब 500 अवैध कोयला भट्टियों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें से गुरुवार को निंबाहेड़ा कलां में अवैध रूप से संचालित कोयले की भट्टियों को हटाया गया है। कलेक्टर ने कहा कि जिले में किसी प्रकार की अवैध गतिविधियां नहीं होगी। सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति है। अवैध कोयले की भट्टियों के संचालन की जानकारी मिलते ही, तुरंत उन पर एक्शन लिया जाता है। इस कार्रवाई में तहसीलदार नारायण लाल, रायला-बनेड़ा नायब तहसीलदार, गिरदावर, पटवारी देवेंद्र जांगिड़, कुंडिया कलां पटवारी ओमप्रकाश सवालका मौजूद रहे।

पाली में तेज बारिश हुई

पाली शहर में बारिश होने से शहर की सड़कों पर पानी भर गया।

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में मानसून का प्रवेश हो चुका है, दिनभर जिले में बारिश हुई। पाली शहर में हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन रात 7:45 बजे जोरदार बारिश का दौर शुरू हुआ, जिसमें जो जहां था वहीं फंस गया, जिससे शहर की सड़कों पर पानी भर गया, ऐसे मे लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ा।

तेज बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया। बारिश का दौर करीब 2 घंटे तक चला। जल संसाधन विभाग के नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों में प्रातः 8:30 बजे तक सुमेरपुर उपखंड क्षेत्र में सर्वाधिक 28 एमएम बारिश दर्ज की गई। इसी प्रकार रानी में 24 एमएम, देसूरी में 20, मारवाड़ जंक्शन में 15, सोजत में 8, पाली में 6, बाली में 5, रोहट उपखंड क्षेत्र में 3 एमएम बारिश दर्ज की गई।

रोडवेज बस में 34 में से 20 यात्री बिना टिकट मिले

अनूपगढ़, (निसं)। यहां राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के अनूपगढ़ आगार द्वारा बिना टिकट यात्रा पर सख्ती बरतते हुए श्रीगंगानगर से घड़साना जा रही रोडवेज में कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई 20 पीएस चेक पॉइंट पर की गई। चेकिंग के दौरान बस में कुल 34 यात्री सवार थे, जिनमें से 20 यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए। उड़न दस्ते ने मौके पर ही किराया और अधिभार मिलाकर 7,610 रुपए वसूल किए। जिसके बाद बस परिचालक नवीन कुमार बोहित को ऑफ रूट कर दिया।

आगार प्रबंधक राजीव कुमार ने बताया कि विभागीय स्तर पर निलंबन की कार्रवाई की जा रही है। आगार की तरफ से लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस प्रकार की कार्रवाई का उद्देश्य न केवल राजस्व की रक्षा करना है बल्कि परिचालन में ईमानदारी और पारदर्शिता भी सुनिश्चित करना है। विभाग द्वारा उड़न दस्ते की नियमित चेकिंग जारी रहेगी।

मुख्य प्रबंधक राजीव कुमार ने बताया कि अनूपगढ़ आगार द्वारा मई 2025 में 47 हजार रुपए तथा जून माह में अब तक 23 हजार रुपए की वसूली की जा चुकी है।

वन विभाग की टीम पर अवैध खनन रोकने पर खननकर्ताओं ने किया हमला

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के तहत आने वाले बुचारा वन क्षेत्र के बढियाली की ढाणी में वन विभाग की टीम पर अवैध खनन रोकने पर हमला करने पर वन विभाग ने प्रागपुरा पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

जानकारी के अनुसार वन विभाग की टीम ने अवैध खनन की सूचना पर

■ हमलावरों ने वन विभाग की टीम के साथ धक्का-मुक्की की और गाली-गलौज की

■ वनरक्षक दिनेश गुर्जर का मोबाइल छीनने और वर्दी फाड़ने की कोशिश की

कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन और दो ट्रैक्टरों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन खननकर्ताओं ने टीम पर हमला कर दिया। रेंजर सतपाल ढिलाण, वनपाल शेरसिंह बाकोलिया, वनरक्षक

घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

दिनेश गुर्जर, कैलाश यादव, यादराम, अशोक गुर्जर समेत मीर सिंह सहायक वनपाल आदि ने बताया कि प्रागपुरा थाना इलाके के ग्राम पंचायत बुचारा में बढियाली की ढाणी स्थित वन विभाग की भूमि पर मंगलवार सुबह अवैध खनन कर पत्थर निकाले जा रहे थे। जब उनकी टीम ने अवैध खनन को रोकने की कोशिश की, तो खननकर्ताओं ने टीम पर हमला कर दिया। हमलावरों ने वन विभाग की टीम के साथ धक्का-मुक्की की और गाली-गलौज की।

हमलावरों ने वनरक्षक दिनेश गुर्जर का मोबाइल छीनने की कोशिश की और वर्दी फाड़ने की कोशिश की। वहीं कुछ महिलाओं ने भी वनकर्मियों पर दवाब बनाते हुए अपने कपड़े फाड़कर उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। इस सम्बन्ध में प्रागपुरा पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। वन विभाग की टीम ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने का फैसला किया है और आगे भी अवैध खनन को रोकने के लिए छापेमारी की जाएगी।

लॉरेंस विश्नोई का गुर्गा गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। गुजरात पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई गैंग के गुर्गे को उदयपुर से गिरफ्तार किया। अहमदाबाद की क्राईम ब्रांच की टीम बुधवार को लॉरेन्स विश्नोई गैंग के गुर्गे मनोज सालवी को उदयपुर से गिरफ्तार अपने साथ ले गई। सोशल मीडिया जरिये लॉरेन्स की गैग के संपर्क में आने के बाद मिले निर्देशों का पालन कर मनोज सालवी ने तस्करी कर राजस्थान सहित कई राज्यों में हथियार सप्लाई करना शुरू कर दिया। इसको लेकर मनोज के खिलाफ कई राज्यों में प्रकरण दर्ज है। मनोज सालवी ने किशोर अवस्था में अपराध करना शुरू किया था। अपनी इच्छानुसार सोशल मीडिया जरिये लॉरेंस गैंग के संपर्क में आया था इस दौरान लॉरेंस के भाई अनमोल से मोबाइल पर बातचीत करने की जानकारी सामने आई है।

जानलेवा हमले के आरोपी को 10 साल का कारावास

बीकानेर, (निसं)। अपर सत्र न्यायाधीश संख्या 5 के पीठासीन अधिकारी अनुभव सिडाना ने जानलेवा हमले के एक मामले में आरोपी को 10 साल के कारावास और 1.11 लाख रुपए की सजा सुनाई है। यह राशि पीड़ित पवन को दी जाएगी।

परिवादी रामकिसन ने एक अक्टूबर, 2015 को नापासर पुलिस थाने में रिपोर्ट दी थी कि वह हरिरामपुरा में रहता है। उसका चाचा आरोपी बजरंगलाल अपने ससुराल नोखा में रह रहा है। आरोपी चाचा नोखा से अपने भाइयों तेजाराम, प्रभुराम, ओमप्रकाश के पास आया। परिवादी और उसका परिवार चाचा तेजाराम के मकान के पास रहते हैं। रात को 11 बजे आरोपी बजरंगलाल

■ 1.11 लाख रुपए की सजा सुनाई है, यह राशि पीड़ित को दी जाएगी

ने परिवादी की मां को गालियां निकाली। उसका भाई पवन व मां आरोपी को समझाने तेजाराम के घर गए। आरोपी ने कुल्हाड़ी से पवन पर वार कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में सुनवाई के बाद बजरंगलाल को सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट में 11 गवाहों के बयान हुए। कोर्ट ने पीड़ित प्रतिकर स्कीम में क्षतिपूर्ति राशि देने की अनुशंसा जिला विधिक प्राधिकरण से की है।

लाखों की नकदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। पुत्र को नौकरी के लिए विदेश भेजने का झांसा देकर पीड़ित से लाखों की नकदी हड़पने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पीड़ित वेलासुरा पत्नी राजेन्द्र सुरा निवासी 6 ए मार्वल वार्टर पार्क गोवर्धन विलास ने आरोपी गुरमीत निवासी ओल्ड गोविन्दपुरा एक्स कृष्णा नगर पूर्वी दिल्ली सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीर्डित ने बताया कि मरे पुत्र दिव्यांशु को युके में नौकरी करने के लिए गुगल पर सर्च किया तो आरोपी की कंपनी के दिये नंबर पर संपर्क किया।

बिना लाइसेंस के यूरिया भंडारण का मामला सामने आया

बीकानेर, (निसं)। कृषि विभाग की संयुक्त कार्रवाई में छत्तरगढ़ क्षेत्र में मंडी आरडी-465 स्थित बुडिया एंड कंपनी पर बड़ी मात्रा में बिना लाइसेंस के यूरिया भंडारण का मामला सामने आया है। संयुक्त निदेशक कृषि (गुण नियंत्रण), कृषि आयुक्तालय राजस्थान के. के. मंगल तथा छत्तरगढ़ एसडीएम पवन कुमार के निर्देश पर की गई कार्रवाई में कुल 368 कट्टे यूरिया के जब्त किए गए। यह यूरिया श्रीराम फर्टिलाइज़र की

■ यूरिया की कालाबाजारी पर कृषि विभाग की कार्रवाई, 368 कट्टे यूरिया के जब्त

ओर से उत्पादित था, जिसे ट्रक से मंडी लाया गया था। मौके पर पहुंची टीम ने पाया कि बुडिया एंड कंपनी के पास उर्वरक विक्रय का वैध लाइसेंस नहीं है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि ट्रक में लदे यूरिया पर अनिल ट्रेडिंग कम्पनी, घड़साना के नाम की बिल्टी मौजूद थी, ट्रक सूरतगढ़ रैक पॉइंट से रवाना हुआ तथा घड़साना जाना था लेकिन यह घड़साना के स्थान पर मंडी आरडी-465 स्थित बुडिया एंड कंपनी पर पहुंच गया, जिससे कालाबाजारी का शक गहराया। अवैध भण्डारण, अवैध परिवहन व कालाबाजारी की आशंका के कारण जब्ती की कार्यवाही की गई।

सहायक निदेशक कृषि (मुख्यालय) सुरेन्द्र कुमार मारू व कृषि अधिकारी छत्तरगढ़ सोमेश कुमार तंवर की ओर से ये कार्रवाई की गई कार्रवाई के दौरान प्रेम कुमार भांभू सहायक कृषि अधिकारी, हड़मान राम, मूलाराम और राकेश आदि कृषि पर्यवेक्षक मौके पर मौजूद थे। वहीं प्रशासन की ओर से भैरूलाल (नायब तहसीलदार) और धर्मेन्द्र मीणा के साथ कई पुलिसकर्मी भी कार्रवाई में शामिल हुए।

कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 343 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की

कोटा, (निसं)। कृषि विश्वविद्यालय का 8वां दीक्षांत समारोह गुरुवार को राज्य कृषि प्रबंध संस्थान (सिआम) ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने की। समारोह में अकादमिक वर्ष 2023-24 की स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति परीक्षाओं में उत्तीर्ण 343 अभ्यर्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। इनमें से 287 कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी स्नातक, 44 कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी स्नातकोत्तर तथा 12 कृषि एवं उद्यानिकी विद्यावाचस्पति के अभ्यर्थी शामिल हैं। दीक्षांत समारोह में कुल 14 अभ्यर्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें से 09 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 05 छात्रों ने प्राप्त किए। आरती चन्द्रन स्नातकोत्तर (वानिकी), वनोत्पाद एवं उपयोग को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से तथा ट्विंकल वर्मा स्नातक (ऑनर्स) कृषि को कुलपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राज्यपाल बागड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि यह जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि बेटियां

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने समारोह में विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की।

आगे बढ़ेंगी तभी समाज समुचित रूप में उन्नति के पथ पर अग्रसर हो सकता है। मुझे खुशी है कि राजस्थान में बेटियां उच्च शिक्षा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि विश्व में जनसंख्या के अनुपात में अन्न उत्पादन की अत्यंत आवश्यकता है, जिसके लिए गुणवत्तापूर्ण खेती अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ज्यादा पैदावार के लिए रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है, जिससे जैविक तंत्र, पारिस्थितिकी एवं मानव स्वास्थ्य को खतरा है। अतः रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम कर प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित खेती को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से अधिक उत्पादन कैसे लिया जाए, इसके लिए हमारे कृषि विश्वविद्यालयों को ध्यान देने की जरूरत है। कृषि वैज्ञानिकों को इस हेतु चिंतन एवं मनन करने की आवश्यता है। उन्होंने कृषि और किसान से जुड़े सहायक व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता जताई, जिनमें विशेष रूप से डेयरी उद्योग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय आधुनिक ज्ञान-विज्ञान, नवीनतम तकनीकों एवं व्यावहारिक समाधान के प्रसार का सशक्त केन्द्र बनें। विश्वविद्यालय किसानों के हित में संचालित योजनाओं

■ रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम कर प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित खेती को अपनाना होगा : राज्यपाल बागड़े

को प्रभावी रूप से जमीन तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि हाड़ौती की धरती पर उच्च गुणवत्ता वाला बासमती चावल उगाया जाता है, जिसकी आपूर्ति विश्व के कई देशों में की जाती है। इस उपलब्धि के लिए यहां के किसान धन्यवाद के पात्र हैं।

अष्टम दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ.अभय कुमार व्यास, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा के कुलगुरु प्रो.एस.के. सिंह, कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत, कुलसचिव मनीषा तिवारी, प्रबंध मण्डल सदस्य, विद्या परिषद, महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विश्वविद्यालय के निदेशक, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, सम्पदा अधिकारी एवं विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों के अधिकारी व कर्मचारीगण एवं सेवानिवृत अधिकारी उपस्थित रहे।

फरार तांत्रिक को तेलंगाना से पकड़ा, यूपी से दो साथी गिरफ्तार

तंत्र-मंत्र से रुपए दोगुना करने का झांसा देने और प्रसाद के रूप में जहरीला हलवा खिलाकर तीन लोगों की मौत का मामला

बीकानेर, (निसं)। जिले के खाजूवाला में तंत्र-मंत्र से रुपए दोगुना करने का झांसा देने और प्रसाद के रूप में जहरीला हलवा खिलाकर तीन लोगों की मौत के मामले में फरार तांत्रिक को तेलंगाना में पकड़ा गया है। उसके दो साथियों को भी यूपी से गिरफ्त में लिया गया है।

खाजूवाला में रुपए दोगुना करने पहुंचे तांत्रिक बी. शिवा ने प्रसाद के रूप में जहरीला हलवा खिलाया था जिससे गफ्फार खां, तांत्रिक के गिरोह में शामिल शैतानसिंह और विक्रमसिंह की मौत हो गई थी। गफ्फार खां के घर में 12 जून को तांत्रिक क्रिया की गई थी। अगले दिन रुपए दोगुना करने के नाम पर झांसा देने का राज खुलने पर गफ्फार के परिजनों ने तांत्रिक की धुनाई की और उसे घर से निकालकर 50 लाख रुपए अपने कब्जे में कर लिए थे। पुलिस ने रुपए बरामद कर लिए और फरार तांत्रिक को तेलंगाना के निजामाबाद से हिरासत में लिया है। पुलिस लगातार तांत्रिक के पीछे थी। उसके निजामाबाद पहुंचने पर वहां की पुलिस की मदद से उसे हिरासत में लिया है। तांत्रिक के अलावा उसके साथी यूपी के आजमगढ़ निवासी धर्मेन्द्र और गोरखपुर निवासी जितेन्द्र तिवारी को भी गिरफ्त में लिया गया है। तीनों को बीकानेर लाया जा रहा है। पुलिस गुरुवार को इस मामले में खुलासा करेगी। अभियुक्तों में शामिल लोग एक-दूसरे के संपर्क में थे जिन्होंने रुपए दोगुना करने के झांसा देकर बड़ी रकम हड़पने की प्लानिंग बनाई। तांत्रिक बी. शिवा और झारखंड निवासी मनोज वर्मा एक-दूसरे के परिचित थे। यूपी में गोरखपुर निवासी जितेन्द्र तिवारी और आजमगढ़ निवासी धर्मेन्द्र भी मनोज वर्मा के संपर्क में थे।

जोधपुर निवासी रामस्वरूप भी उसके संपर्क में था जो अजमेर निवासी शैतानसिंह का भी जानकार था। शैतानसिंह और खाजूवाला निवासी गफ्फार एक-दूसरे का जानते थे। रुपए दो गुना करने के नाम पर झांसा देकर एक करोड़ रुपए हड़पने की प्लानिंग बनाई गई जिसमें शैतानसिंह ने अजमेर निवासी विक्रमसिंह को भी शामिल कर लिया। तांत्रिक बी. शिवा अपने ड्राइवर के साथ और यूपी निवासी धर्मेन्द्र और जितेन्द्र अलग गाड़ी में 6 जून को अजमेर पहुंचे। तांत्रिक जयपुर गया और वहां से वापस अजमेर पहुंचा। अजमेर से 10 जून को खाजूवाला आए थे।

पुलिस ने तंत्र-मंत्र से रुपए दोगुना करने और तीन लोगों की मौत से जुड़े इस मामले में अब तक तीन अभियुक्त तांत्रिक के साथी जोधपुर निवासी रामस्वरूप, मृतक गफ्फार खां के दामाद मुश्ताक, सादू के पुत्र यूसुफ को गिरफ्तार किया है। मुश्ताक को 19 जून तक रिमांड पर है। रामस्वरूप और यूसुफ को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है। इस मामले में तांत्रिक के साथी मनोज वर्मा, गफ्फार के पुत्र सलमान सहित अन्य की गिरफ्तारी बाकी है। इसके अलावा तांत्रिक और उसके दो साथियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

रेजिडेंट डॉ. राकेश विश्नोई सुसाइड मामला: जोधपुर में रेजिडेंट्स का कार्य बहिष्कार जारी

जयपुर के एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर गुरुवार को छठे दिन भी धरना जारी रहा

- रेजिडेंट्स डॉक्टर की हड़ताल के चलते मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा
- मामले को लेकर पूर्व विधायक मलखानसिंह विश्नोई सहित विश्नोई समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन दिया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की एसएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर राकेश विश्नोई के सुसाइड मामले को लेकर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने दूसरे दिन भी कार्य बहिष्कार किया। एसएन मेडिकल कॉलेज के सभी रेजिडेंट डॉक्टर ने दो घंटे की सुबह आठ से दस बजे तक पेनडाउन हड़ताल रखी।

रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन का कहना है कि डॉ. राकेश के सुसाइड मामले को लेकर अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की चुप्पी के विरोध में प्रतीकात्मक हड़ताल रखी गई। एसोसिएशन के महासचिव रणजीत चौधरी ने बताया कि संबंधित व्यक्ति को तत्काल पद से हटाने, पीड़ित परिवार की बात सुनकर स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करने और इसके साथ ही सभी रेजिडेंट्स को मानसिक सुरक्षा और कार्य का वातावरण मिलने की मांग रखी है। मांगों पर कार्रवाई नहीं होने तक कार्य का बहिष्कार जारी रहेगा। एसोसिएशन की बैठक करके आगे की रणनीति तय पर चर्चा की गई। वहीं, रेजिडेंट्स की हड़ताल के चलते मरीजों को परेशानी का भी सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार डॉक्टर राकेश ने शुक्रवार (13 जून) को जहर खा लिया था। गंभीर हालत में उन्हें जयपुर रेफर किया था, जहां 14 जून रात में उनकी मौत हो गई। डॉक्टर ने मौत से पहले एक वीडियो में कहा था फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी थीसिस को लेकर परेशान कर रहे हैं। जिसके चलते मैंने ये कदम उठाया।

एसएन मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी राजकुमार राठौड़ ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर पहले से मानसिक रूप से परेशान थे और उनका इलाज चल रहा था। रेजिडेंट्स डॉ. राकेश विश्नोई के परिजन फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. राजकुमार राठौड़ पर कार्रवाई सहित मांगों को लेकर जयपुर के एसएमएस अस्पताल के बाहर धरना दे रहे हैं। दूसरी तरफ इस मामले को लेकर पूर्व विधायक मलखानसिंह विश्नोई सहित विश्नोई समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। डॉक्टर राकेश बिश्नोई के आत्महत्या किए जाने के मामले में मांगों को लेकर गुरुवार को बिश्नोई समाज ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि राकेश विश्नोई एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में फार्माकोलॉजी विभाग में पीजी तृतीय वर्ष के रेजिडेंट थे। उनको उन्हीं के विभाग के प्रमुख राजकुमार राठौड़ बार-बार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे व उनकी बार-बार हद से ज्यादा मानसिक प्रताड़ना को सहन नहीं कर पा रहे थे। इसके चलते डॉ. राकेश विश्नोई ने परेशान होकर सेल्फोस की गोलियां खा ली। जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई।

मामले को लेकर विश्नोई समाज के नेता रामनिवास बुद्धनगर ने बताया इस मामले को लेकर बिश्नोई समाज के लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया है। जिसमें मांग की है कि राजकुमार राठौड़ को हत्या की संगीन धाराओं में त्वरित गिरफ्तार किया जाये। उच्च स्तर पर मामले की जांच की जाये। स्व. डॉ. राकेश विश्नोई की पत्नी को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी जाए।

रामनिवास बुद्धनगर ने बताया कि स्व. डॉ. राकेश विश्नोई के परिवार को दो करोड़ का आर्थिक मुआवजा दिया जाये। आगे से इस प्रकार की निन्दनीय घटना ना हो, उसके लिये सरकार ठोस कदम उठाये। यदि समय रहते सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी तो मुख्यमंत्री के फलोदी दौरे का विरोध किया जाएगा। वहीं समाज की ओर से उठा आंदोलन भी किया जाएगा।

उधर रेजिडेंट डॉ. राकेश बिश्नोई की आत्महत्या के मामले में जयपुर के एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर गुरुवार को छठे दिन भी धरना जारी रहा। परिजन से वार्ता करने के लिए चार चिकित्सकों का एक प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचा, लेकिन विभिन्न मांगों को लेकर फिलहाल गतिरोध टूट नहीं पाया।

मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के वाटर कूलर में करंट से चिकित्सक की मौत

घटना के बाद रेजीडेंट ने कार्य का बहिष्कार किया, कार्रवाई की मांग की

- साथी चिकित्सकों ने सीपीआर देते हुए उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौत हो गई

उदयपुर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े राजकीय चिकित्सालय महाराणा भूपाल चिकित्सालय के आरएनटी मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में बुधवार देर रात वाटर कूलर से पानी भरते करंट आने से एक चिकित्सक की मौत हो गई। मौत के बाद रेजीडेंट चिकित्सकों ने हंगामा करते हुए कार्य का बहिष्कार कर दिया।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज के रेजीडेंट चिकित्सक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दीपेन्द्र ने बताया कि रवि का चचेरा भाई प्रशांत रेजीडेंट डॉक्टर है। प्रशांत रात को नाइट ड्यूटी पर था। रात करीब दो बजे रवि हॉस्टल की चौथी मंजिल पर स्थित वाटर कूलर से पानी भर रहे थे। इसी दौरान उन्हें करंट का झटका लगा और जोर से चिल्लाते हुए अचेत होकर गिर पड़े। इसके बाद साथी चिकित्सकों ने सीपीआर देते हुए उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन उनकी मौत हो गई।

सुबह घटना के विरोध में रेजीडेंट चिकित्सकों ने कार्य का बहिष्कार करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और कार्रवाई की मांग की। रेजीडेंट ने बताया कि वाटर कूलर में करंट की शिकायत करने के बावजूद उसका समाधान नहीं किया गया और यह हादसा हो गया। मृतक चिकित्सक डॉ. रवि शर्मा (35) जो खेरवाड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नियुक्त थे, वे अपने चचेरे भाई के पास एक-दो दिन हॉस्टल में रूके हुए थे। डॉ. रवि शर्मा ने जोधपुर मेडिकल कॉलेज से 2010 में एमबीबीएस की थी और अजमेर जेएलएन मेडिकल कॉलेज से पीजी की थी। इसके बाद खेरवाड़ा में बतौर मेडिकल ऑफिसर पोस्टेड थे और आरएनटी मेडिकल कॉलेज की सीनियर रेजीडेंट की लिस्ट में उनका नाम आया था इसके बाद वे जल्द ही यहां जॉइन करने वाले थे।

वहीं आरएनटी प्रिंसिपल विपिन माथुर ने समझाइश करते हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करने की बात कही लेकिन रेजीडेंट नहीं माने और विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इधर, संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करने तक रेजीडेंट चिकित्सकों ने हडताल जारी रखने की बात कही है।

गंगनहर में 2500 क्यूसेक सिंचाई पानी की मांग, धरना जारी

- श्रीकरणपुर विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर सहित 23 किसान क्रमिक अनशन पर बैठे

श्रीगंगानगर, (निसं)। गंगनहर में पूरे 2500 क्यूसेक सिंचाई पानी की मांग को लेकर महाराजा गंगासिंह चौक पर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना गुरूवार को चौथे दिन भी जारी है। धरने का नेतृत्व श्रीकरणपुर विधायक रूपिंदर सिंह कुन्नर कर रहे हैं। गुरूवार को विधायक कुन्नर सहित 23 किसान सुबह से शाम छह बजे तक क्रमिक अनशन पर बैठे।

संघर्ष समिति किसान नेता रविंद्र तरखान ने बताया कि आंदोलन के तहत शुक्रवार 20 जून को विधायक सोहन नायक के नेतृत्व में किसान क्रमिक अनशन करेंगे। 21 जून को सांसद कुलदीप इंदौरा किसानों के साथ अनशन पर बैठेंगे। 22 जून को महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए पूर्व विधायक सोना देवी, कमला बिश्नोई, भूपेंद्र कौर दूरना, नमिता सेठी और दुर्गा स्वामी के नेतृत्व में महिलाएं धरनास्थल पर क्रमिक अनशन करेंगी। 23 जून को जिलेभर की सभी अनाज मंडियां बंद रखी जाएंगी। 24 जून को किसान प्रशासन का घेराव करेंगे। आंदोलन के लिए गठित संघर्ष समिति की बैठक में आगे की रणनीति तैयार की गई। किसानों की 15 सदस्यीय संघर्ष समिति ने कलेक्टर डॉ. मंजू को मुख्यमंत्री के नाम 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में 2500 क्यूसेक पानी की आपूर्ति, बीकानेर कैनाल की सफाई, सिंचाई पुलिस की संयुक्त गश्त, फिरोजपुर फीडर के टेंडर और फसल बीमा क्लेम के भुगतान की मांग की गई। धरना स्थल पर बुधवार को किसानों ने महापड़ाव किया। प्रशासन ने वार्ता के लिए दो बार न्योता भेजा, लेकिन किसानों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब तक गंगनहर में तय हिस्से का 2500 क्यूसेक पानी नहीं पहुंचता, तब तक किसी अन्य मुद्दे पर बातचीत नहीं होगी।

किसान नेता रविंद्र तरखान ने बताया कि आंदोलन का असर दिखने लगा है। बीकानेर कैनाल में पानी का प्रवाह बढ़ा है। पहले जहां 1600 क्यूसेक पानी चल रहा था, वह अब बढ़कर 1833 क्यूसेक हो गया है। पंजाब के सिंचाई अधिकारियों ने आरडी 45 से पानी छोड़ना शुरू किया है। राजस्थान बॉर्डर पर स्थित खखां हैड पर भी पानी की आवक बढ़ रही है। धरना स्थल पर किसान प्रतिनिधिमंडल की कलेक्टर डॉ. मंजू के साथ बैठक हुई। कलेक्टर ने बताया कि वे और पुलिस अधीक्षक गौरव यादव शुक्रवार को पंजाब के फाजिल्का और फिरोजपुर जाकर वहां के जिला कलेक्टर और एसपी के साथ बैठक करेंगे। बीकानेर कैनाल में हो रही पानी चोरी को रोकने के लिए पंजाब प्रशासन पर दबाव बनाया जाएगा।

बैठक में सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता धीरज चावला ने बताया कि सिंचाई मंत्री सुरेश सिंह रावत ने 17 जून को पंजाब के जल संसाधन मंत्री से बातचीत की थी। इसके बाद ही 17 जून को पानी की मात्रा 1597 क्यूसेक से बढ़कर 18 जून को 1833 क्यूसेक हो गई।

ग्राम देवमाली में पैंथर व दो शावक दिखे, ग्रामीणों व श्रद्धालुओं में दहशत

- वन विभाग अलर्ट मोड पर, पिंजरा लगाया

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड की ग्राम पंचायत देवमाली क्षेत्र व भगवान देवनारायण मंदिर परिसर व आसपास पैंथर और दो शावकों की तीन-चार दिनों से चहलकदमी से वन विभाग सतर्क हो गया है।

मंदिर में लगे सीसीटीवी में मूवमेंट के ग्रामीणों का दावा है कि दो शावक भी साथ हैं। ग्रामीणों व श्रद्धालुओं में दहशत का माहौल देखने को मिल रहा है। दो दिन पूर्व भगवान देवनारायण मंदिर परिसर में भी उनकी चहल कदमी दिखाई दी। सीसीटीवी कैमरे में पैंथर विचरण करता दिखा।

वह पहले मंदिर तक बनी सीढ़ीयों पर चढ़ा, रेलिंग में से दूसरी ओर गया किसी वस्तु से अचानक चमक कर तेजी से सीढ़ी से नीचे की ओर भाग गया। सीसीटीवी कैमरे में पैंथर वहां से परिक्रमा स्थल होते हुए मंदिर में घूमता नजर आया। वहीं पैंथर अपने दो शावकों के साथ नजदीकी पहाड़ियों पर घूमता दिखा हालांकि ग्रामीणों का दावा है कि पैंथर के साथ उनके शावक भी घूम रहे हैं लेकिन सीसीटीवी कैमरे में केवल पैंथर ही घूमता नजर आया। जबकि मंदिर में सुबह की आरती में आने वाले श्रद्धालुओं में डर बना हुआ है। पैंथर और उसके शावक को मंदिर की पहाड़ी पर घूमता देखा गया। ग्रामीण में मवेशियों की सुरक्षा को लेकर काफी दहशत दिखाई दे रही है। लोगों ने बताया कि पैंथर की मौजूदगी से अब इंसानों की सुरक्षा को लेकर भी डर सताने लगा है। ग्रामीणों ने वन विभाग की को सूचना दी। सूचना पर वन विभाग अलर्ट हो गया। वनरक्षक हजारीलाल ने बताया कि पैंथर की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग की टीम रात में गश्त कर रही है वहीं पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरा भी लगा दिया गया है। देवमाली में पिछले कुछ दिनों से पैंथर और उसके दो शावकों की मौजूदगी बनी हुई है। वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

भगवान देवनारायण मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे में पैंथर विचरण करता दिखाई दिया।

तस्कर विष्णु सेन का अवैध मकान व संपत्ति कुर्क

उदयपुर, (निसं)। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी से अवैध आय से तस्कर विष्णु सेन द्वारा निर्मित मकान व संपत्ति को पुलिस ने कुर्क किया है। एसपी योगेश गोयल ने बताया कि अम्बामाता थाने के हिस्ट्रीशीटर विष्णु सेन उर्फ मुकेश सेन पुत्र सुरेश चन्द्र सेन निवासी हवेली नाका सराफा थाना अटलबंद भरतपुर हाल आमेट भवन ब्रह्मपोल दरवाजा अम्बामाता एवं कालारोही नाई के खिलाफ विभिन्न थानों में अवैध मादक पदार्थ तस्करी, अवैध हथियार सप्लाई एवं गभीर धाराओं के 30 अपराधिक प्रकरण दर्ज है। हिस्ट्रीशिटर विष्णु सेन की अर्जित आय व प्रोपर्टी के अवलोकन के आधार पर तत्कालीन अम्बामाता थानाधिकारी डॉ. हनुवंतसिंह राजपुरोहित द्वारा आरोपी की संपत्तियों की जांच शुरू की गई। इस दौरान आरोपी की संपत्ति मादक पदार्थो की अवैध तस्करी से अर्जित आय से बनाई गई है। आरोपी विष्णु सेन उर्फ मुकेश सेन व उसके परिजनों द्वारा आय के ज्ञात स्त्रोत की तुलना में कई गुना अधिक संपत्ति अर्जित की गई है, जो मादक पदार्थ तस्करी से प्राप्त आय से अर्जित करने की गई थी। इस पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 एफ में इस्तगासा तैयार कर पेश किया गया। इस पर दिल्ली स्थित प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष इस्तगासा प्रस्तुत किया गया। मामले में जानकारी मांगने पर अम्बामाता पुलिस थाने द्वारा उपलब्ध कराई गई। मामले में प्राधिकृत अधिकारी ने विष्णु सेन को अपना पक्ष रखने का समय दिया लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। जबकि मामले में अम्बामाता थाना धिकारी मुकेश सोनी व एसपी कार्यालय में कार्यरत निरीक्षण संजीव स्वामी द्वारा तथ्यपरक पैरवी की गई। जिसे स्वीकार कर न्यायालय ने उचित मानते हुए दो मंजिला मकान, कार व बाइका कुर्क करने के आदेश जारी किए।

ईसरदा बांध का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण

- सवाईमाधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड पर किया जा रहा है

टोंक, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के हर छोर तक सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशन में सवाईमाधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य मिशन मोड पर किया जा रहा है। बांध के निर्माण का 95 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। बांध के पियर्स एवं गेटों का कार्य पूरा हो चुका है। मिट्टी के बांध का आंशिक कार्य ही शेष है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत गुरुवार को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय की ओर से मीडिया फील्ड भ्रमण का कार्यक्रम रखा गया। इसमें जिला मुख्यालय के पत्रकारों को निर्माणाधीन ईसरदा बांध का अवलोकन कराया गया। जनसंपर्क अधिकारी अपूर्व शर्मा ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य जिले में जल संरचनाओं के कार्यों एवं उससे भविष्य में होने वाले लाभ का प्रत्यक्ष अवलोकन कराना था।

ईसरदा बांध परियोजना के अधिशाषी अभियंता विकास गर्ग ने पत्रकारों को बांध के निर्माण कार्य, फिल्टर प्लांट साइट के कार्यों का निरीक्षण कराया। साथ ही, प्रगतिरत कार्यों, प्रभावित परिवारों को भूमि आवंटन, पुर्नवास अवार्ड कार्य की पूर्णता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भम्रण के दौरान ईसरदा बांध के सहायक अभियंता अभिषेक लसाड़िया, सौरभ सिंह, योगेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता खेमराज सैनी, सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के वरिष्ठ सहायक अक्षय नागरा, जनसंपर्क कर्मी रिजवान अनीस समेत सहित अन्य मौजूद रहे।

11 केवी विद्युत लाइन के करंट की चपेट से युवक की मौत

सायला, (निसं)। सायला नगर के शांतिपुरा स्थित हार्डवेयर की दुकान के आगे से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पिजोपुरा निवासी कालुराम पुत्र मादाराम देवासी (40 वर्ष) सायला के शांतिपुरा स्थित गजानंद हार्डवेयर में नौकरी करता था, जो गुरुवार शाम करीबन सवा पांच बजे के लगभग दुकान की प्रथम मंजिल पर कार्य कर रहा था। इस दौरान दुकान के आगे से गुजर रही 11केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से घायल हो गया, जिसे दुकान मालिक द्वारा निजी वाहन की सहायता से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सायला लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित किया। इधर घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में देवासी समाज के लोगों सहित व्यापारी अस्पताल में एकत्रित हो गए। सूचना पर एएसआई लादूराम मय पुलिस अस्पताल पहुंची। मृतक के परिजनों के नहीं पहुंचने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।

देवासी समाज के लोगों सहित व्यापारी अस्पताल में एकत्रित हो गए।

हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। यहां जसरासर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गश्त के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की। थावरिया के रहने वाले गुलाराम (32) पुत्र हेतराम मेघवाल को एक तलवार के साथ पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक रवीन्द्र सिंह कर रहे हैं। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान और बीकानेर रेंज के एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत की गई। अभियान का नेतृत्व आईजी ओमप्रकाश, एसपी कावेन्द्र सिंह सागर और एएसपी (ग्रामीण) कैलाश सिंह सांदू कर रहे हैं। वृताधिकारी हिमांशु शर्मा के सुपरविजन और थानाधिकारी संदीप कुमार के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

भरतपुर : निजी अस्पताल में मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

- अस्पताल प्रबंधक का कहना है कि मजदूर की करंट लगने से मौत हुई है
- पिछले तीन-चार माह से अस्पताल में मजदूरी करने आ रहा था
- मृतक आठ बहनों के बीच इकलौता भाई था, तीन छोटे बच्चे भी हैं

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अपस्ताल में मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मामले की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने अस्पताल प्रबंधक से बातचीत की तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक आठ बहनों के बीच इकलौता भाई था। मृतक के भी तीन छोटे छोटे बच्चे है। मां बाप बुजुर्ग है। मृतक ही पूरे परिवार का पालन- पोषण करता था। कोतवाली थाना पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। हालांकि अस्पताल प्रबंधक का कहना मजदूर की करंट लगने से मौत हुई है।

जानकारी के मुताबिक जघीना गेट निवासी 44 वर्षीय रोशन सिंह पुत्र रामस्वरूप मजदूरी का काम करता था। पिछले तीन-चार माह से अस्पताल में मजदूरी करने आ रहा था। सुबह साढ़े आठ बजे अस्पताल की ओर से फोन गया कि रोशन की तबीयत खराब है, आईसीयू में भर्ती है और उपचार जारी है। उसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे जहां रोशन से नहीं मिलने दिया गया। थोड़ी देर में बताया गया कि उसकी मौत हो गई है, लेकिन अस्पताल प्रबंधक की ओर से परिजनों को मौत का कारण नहीं बताया गया तो इससे परिजन नाराज हो गए। सूचना मिलते ही और लोग भी अस्पताल पहुंचे। भीड़ को देख कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां परिजनों द्वारा कोतवाली थाना पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। अभी अस्पताल की ओर से शव को नहीं दिया गया है। परिजन और अस्पताल प्रबंधक के बीज देर शाम तक वार्ता चल रही थी। बेटे की मौत की खबर सुनकर बुजुर्ग मां बाप, पत्नी, बच्चे और बहनों का रो-रो कर बुरा हाल है। निजी अस्पताल के प्रबंधक डॉक्टर लोकेश जिंदल से जब बातचीत हुई तो उन्होंने कहा कि करंट लगने से मजदूर की मौत हुई है। मजदूर के परिजनों से वार्ता चल रही है।

भरतपुर के एक निजी अपस्ताल में मजदूर की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

महिला कोरोना पॉजीटिव, अब तक 13 केस मिले

बीकानेर, (निसं)। शहर में कोरोना का एक और पॉजीटिव केस रिपोर्ट हुआ है। मरीज शास्त्रीनगर में रहने वाली 41 वर्ष की महिला है। इसे मिलाकर इस साल अब तक कोरोना के 13 केस आ चुके हैं। पीबीएम हॉस्पिटल की कोविड लैब में 30 मरीजों के सैम्पल लिए गए थे, जिनमें 25 मरीज मेडिसिन विभाग के आउटडोर में दिखाने आए थे। सभी जुकाम, खांसी, बुखार से पीड़ित थे। शेष पांच मरीज विभिन्न वार्डों में भर्ती चल रहे हैं। इनकी रिपोर्ट बुधवार को आई है।

जानकारी के अनुसार इनमें दो मरीज ऐसे भी हैं, जो 13 जून की जांच में पॉजीटिव रिपोर्ट हुए थे। खतूरिया कॉलोनी में रहने वाले दो भाइयों ने दोबारा जांच कराई थी। उनकी रिपोर्ट फिर से पॉजीटिव आई है। हालांकि दोनों ही पहले से ही पॉजीटिव चल रहे थे। इसलिए इन्हें रिकॉर्ड में नहीं लिया गया है। गौरतलब है कि सोमवार को नर्सिंग हास्टल में रहने वाली बीएससी नर्सिंग की एक छात्रा पॉजीटिव रिपोर्ट हुई थी। उसके संपर्क में आने वाली दो अन्य छात्राएं ठीक बताई जा रही हैं। पीबीएम अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कई बार मरीज देरी से निगेटिव आते हैं। गंभीर और असाध्य रोगी लंबे समय तक पॉजीटिव रहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना को चिंताजनक नहीं माना है। भारत में कोविड का जेएन.1 वेरिएंट सबसे आम है।

पांच हजार की रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक एएसआई को पांच हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एएसआई द्वारा परिवादी की एक्सीडेंटल गाड़ी को न्यायालय से छुड़वाने के आदेश करवाने एवं मुकदमे में मदद करने की एवज में रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा था। जिसके चलते परिवादी ने एसीबी भरतपुर टीम को अवगत कराया और एसीबी टीम ने सत्यापन करने के बाद रंगे हाथों धर दबोचा। एसीबी द्वारा प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

भरतपुर एसीबी एडिशनल एसपी अमित चौधरी ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक परिवादी ने शिकायत दी कि उकसी एक्सीडेंटल गाड़ी को न्यायालय से छुड़वाने के आदेश करवाने एवं मुकदमे में मदद करने की एवज में आरोपी पृथ्वीराज सहायक उप निरीक्षक पांच हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है, जिसका सत्यापन करने के बाद एसीबी की टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए गहनोली मोड पर तैनात आरोपी पृथ्वीराज सहायक उप निरीक्षक को पांच हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

आरोपी एएसआई।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2024 (STSE-2024) कक्षा - 10
राज्य स्तरीय गणित एवं विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE-2024) कक्षा - 12
राज्य स्तरीय कला एवं वाणिज्य प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE-2024) कक्षा - 12
ऑनलाईन प्रवेश पत्र एवं केन्द्र सामग्री जारी करने की सूचना

कक्षा 10 एवं कक्षा 12 हेतु राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE) 2024 का आयोजन रविवार 29.06.2025 को 09.00 AM से 01.00 PM तक राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। इस परीक्षा हेतु केन्द्र सामग्री एवं परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर दिये गये है। सभी शाला/संस्था प्रधान उन्हें पूर्व प्रदत्त login ID / password की सहायता से प्रवेश पत्र डाउनलोड करें व हॉर्ड कापी निकालकर प्रमाणीकरण पश्चात् परीक्षार्थियों को वितरित करें। केन्द्राधीक्षक भी निर्धारित प्रकियानुसार केन्द्र सामग्री डाउनलोड करें। ऑनलाईन प्रवेश पत्र एवं केन्द्र सामग्री डाउनलोड संबंधी समस्या हेतु ए.सी.पी.(IT&C) से 0145-2632865, 2627454 पर तथा अन्य सहायता हेतु नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नं. 0145-2632866, 867, 868 एवं उप निदेशक (परीक्षा-I) से दूरभाष नं. 0145-2425770 पर सम्पर्क करें।

सचिव

सवाई मानसिंह अस्पताल में बत्ती गुल... छा गया अंधेरा

न पर्ची कटी, न ओपीडी में मरीजों को देख सके डॉक्टर

■ काफी देर तक परेशान होते रहे मरीज और उनके परिजन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश के सबसे बड़े सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में गुरुवार सुबह धनवंतरी ओपीडी में करीब आधा घंटा बिजली गुल रही, जिससे अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बिजली गुल होने के कारण न तो ओपीडी पर्चियां कट पाई, न ही मरीजों की जांच हो सकी। हजारों की संख्या में दूर-दराज से आए मरीज और उनके परिजन, लंबे इंतजार के बाद भी न डॉक्टर से मिल पाए और न ही जरूरी परीक्षण हो सके। अस्पताल के कंप्यूटर सिस्टम, पर्ची मशीनें और अन्य मेडिकल उपकरण भी बिजली के बिना ठप हो गए।

सवाई मानसिंह अस्पताल की धनवंतरी ओ.पी.डी. में बिजली गुल होने के कारण मरीजों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ी।

यह पहली बार नहीं है, जब एसएमएस अस्पताल में बिजली गुल हुई हो। बीते महीनों में कई बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, मगर प्रशासन की ओर से अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। अस्पताल प्रशासन के दावों के बावजूद न तो बैकअप जनरेटर पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं, और न ही कोई वैकल्पिक आपूर्ति तंत्र मज़बूत किया गया है।

राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में इस तरह की लापरवाही, न केवल जनता की सेहत, बल्कि सरकारी सेवाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करती है। हर दिन सैकड़ों गंभीर मरीज इस अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकता का बार-बार बाधित होना, अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाता है।

एसएमएस अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों की हालत देखते ही बनती है। दूर-दराज से इलाज की आस में आने वाले मरीज और उनके परिजन ओपीडी शुरु होने से पहले ही पर्ची बनवाने के लिए घंटों पहले ही लाइनों में खड़े रहते है।

आज भी ऐसा ही हुआ था जब इलाज के लिए आए 62 वर्षीय हरिराम मीणा ने बताया कि वह काफी देर से लाइन ओपीडी की पर्ची के लिए लगा था, नंबर आया तो बिजली चली गई। वहीं दूसरी ओर कम्प्यूटर ऑपरेटर का कहना था कि सिस्टम नहीं चल रहा है तो हम क्या करें।

'गोपालगढ़ हिंसा मामले में आरोपी को घटना की सीडी और कैसेट मुहैया कराए सीबीआई'

जयपुर । अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह भरतपुर के गोपालगढ में सितंबर, 2011 में हुए सांप्रदायिक दंगे के दौरान बनाई सीडी, डीवीडी और कैसेट आरोपी को मुहैया कराए। अदालत ने यह आदेश गोपी गुर्जर के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

मामले से जुडे अधिवक्ता अश्विनी बोहरा ने अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर बताया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 207 के तहत प्रार्थी को चालान के साथ कैसेट, सीडी व डीवीडी नहीं दिलाई गई है। जबकि सीबीआई इन साक्ष्यों को डवलप करवाकर कोर्ट में प्रदर्शित करवाना चाहती है। इसलिए उन्हें भी इन इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को मुहैया कराया जाए। कोर्ट ने आरोपी के प्रार्थना पत्र पर सीबीआई को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य कैसेट, सीडी व डीवीडी उसे मुहैया कराने के लिए कहा।

गौरतलब है कि अदालत में फिलहाल अभियोजन पक्ष के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मामले में करीब 250 गवाहों में से अभी 65 गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं। भरतपुर के गोपालगढ़ कस्बे में 14 सितंबर 2011 को मेव समाज और गुर्जर समाज के आमने-सामने होने के कारण सांप्रदायिक दंगे हुए थे। घटना में दस लोगों की मौत और 45 लोग घायल हुए थे।

दिनभर की उमस के बीच गुरूवार दोपहर बाद शहर में तेज बारिश का दौर चला। इस दौरान टी.एन.मिश्रा मार्ग और न्यू सांगानेर रोड तिराहे पर मिट्टी कटाव के कारण सड़क भी धंस गई।

स्पोर्ट्स इंजरी का आधुनिक इलाज आरयूएचएस में संभव

■ 23 वर्षीय महिला खिलाड़ी की निःशुल्क लिगामेंट सर्जरी सफल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के आर.यू.एच.एस अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों और अस्थि रोगियों के लिए अब एक और राहत भरी सुविधा की शुरुआत की गई है। स्पोर्ट्स इंजरी और लिगामेंट सर्जरी अब आरयूएचएस अस्पताल में उपलब्ध है। इस नई सुविधा के तहत गुरुवार को 23 वर्षीय महिला खिलाड़ी की पहली सफल आर्थोस्कोपिक लिगामेंट सर्जरी (टिल सर्जरी) की गई।

चाकसू निवासी इस खिलाड़ी को खेल के दौरान घुटने में गंभीर चोट लग गई थी, जिससे वह न चल पा रही थी, न सामान्य जीवन जी पा रही थी। बार-बार सूजन और जोड़ों के अटकने की समस्या बनी हुई थी।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने जानकारी दी कि बीते 2 जून को आरयूएचएस अस्पताल में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की सुविधा शुरू की गई थी। इसके तुरंत बाद प्लास्टिक सर्जरी विभाग की शुरुआत हुई, और अब स्पोर्ट्स इंजरी से जुड़ी लिगामेंट सर्जरी सुविधा भी रोगियों के लिए उपलब्ध है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने कहा कि यह कदम खासकर ग्रामीण और खेल क्षेत्र से जुड़े युवाओं के लिए एक बड़ी राहत है, जो अब महंगे इलाज के कारण इलाज से वंचित नहीं रहेंगे। सरकारी अस्पतालों में इस प्रकार की उन्नत तकनीकी सर्जरी का प्रारंभ होना चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उन्होंने बताया कि डॉ. सिद्धार्थ शर्मा और उनकी टीम ने इस जटिल सर्जरी को पूरी तरह मुफ्त में, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत सफलतापूर्वक अंजाम दिया। आमतौर पर इस तरह की सर्जरी पर निजी अस्पतालों में लाखों रुपये खर्च होते हैं।

नाटक 'द कोन्फ्लिक्ट' का सफल मंचन

जयपुर। मंडप नाट्ययगृह जगतपुरा में रंगलोक थिएटर एकेडमी जयपुर की तरफ से डॉ योगेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित एवं निर्देशित हिंदी नाटक द कोन्फ्लिक्ट की सशक्त प्रस्तुति की गयी इस नाटक का मुख्य पात्र एक हिंदी लेखक है, जिसकी कहानियाँ के भिन्न भिन्न पात्रो के द्वन्द से वो खुद कैसे जूझता है लेखक की हर कहानी के पात्रो की मनोस्थिति अलग अलग है फिर भी लेखक की मनोस्थिति से किस तरह से जुड़ता है और कैसे वो अपने मन की गहराई तक पड़ताल करता है अपने सशक्त अभिनय से डॉ शिव सिंह पालावत ने लेखक की भूमिका को मंच पर साकार कर दिया, उसके साथ विजेंद्र सिंह निर्वान और कृष्ण कुमार शर्मा ने भी सहायक भूमिकाओं में अपने अपने किरदारों के साथ पूरा पूरा न्याय किया, नाटक में प्रकाश संयोजन धर्मेन्द्र भारती संगीत प्रताप सिंह राजावत, कॉस्ट्यूम ज्योति अग्रवाल मंच शिल्प राजीव महर्षि का रहा।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले चचेरे भाइयों सहित तीन अभियुक्तों को सजा

■ अदालत ने प्रत्येक अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया

■ अभियुक्तों को बीस साल की सजा सुनाई

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले दो चचेरे भाइयों सहित एक अन्य अभियुक्त संजय को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने प्रत्येक अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि पीडिता के पिता ने अपने भतीजे को फ्लैट में रहने की अनुमति दी और उसे पड़ा लिखाकर टैक्सी चलाने का काम सिखाया, लेकिन अभियुक्त भतीजों ने बहन के रिश्ते को कलंकित करते हुए उसके साथ कई बार न सिर्फ खुद दुष्कर्म किया, बल्कि अपने दोस्त के साथ मिलकर उसका गैंग रेप भी किया। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीडिता के पिता ने 4 मई, 2021 को भांकरोटा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके दोनों अभियुक्त भतीजों को उनके पिता की मौत के बाद वह अपने पास रखकर पालन पोषण कर रहा है। उसके एक भतीजे ने पीडिता की उम्र 11 साल होने के दौरान उससे छेडछाड करनी शुरू कर दी थी।

वहीं एक बार रात के समय अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया और घटना की जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद कई बार भतीजे ने अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसकी जानकारी दूसरे भतीजे और उसके दोस्त को मिलने पर उन दोनों ने भी कई बार पीडिता के साथ जबरन संबंध बनाए।

इस दौरान वह गर्भवती हो गई तो उसे गोलियां देकर गर्भपात भी कराया। रिपोर्ट में कहा गया कि गत तीस अप्रैल को उसका भतीजा दो दिन के लिए घर से गया तो वह अपनी पीडिता पुत्री को अपने भांजे के घर छोड़ आया। जहां भांजे की पत्नी ने पीडिता से गुमसुम रहने का कारण पूछा तो पीडिता ने उसे सारी घटना बताई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। बचाव में अभियुक्तों ने कहा कि पीडिता के पिता ने अभियुक्त से पैसे और फ्लैट बेचने के विवाद को लेकर झूठा मामला दर्ज कराया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्तों को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

आर.जी.एच.एस. में मरीजों के लिए बनेगा पेशेंट फ्रेंडली सिस्टम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (आरजीएचएस) अब और अधिक मजबूत और पारदर्शी बनने की दिशा में अग्रसर है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरुवार को स्वास्थ्य भवन में योजना की गहन समीक्षा की और कई अहम निर्देश दिए। मंत्री ने साफ कहा कि योजना को पेशेंट फ्रेण्डली बनाया जाए और तकनीकी रूप से इतना सशक्त किया जाए कि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की कोई गुंजाइश न बचे। उन्होंने चेताया कि यदि इसके बावजूद भी किसी स्तर पर अनियमितता पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों की जीवन रक्षा से जुड़ी योजना में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और सुगमता लाने के निर्देश दिए। अस्पतालों और फार्मेसी स्टोर्स के एम्पेनलमेंट, क्लेम प्रक्रिया, और मरीजों के रजिस्ट्रेशन से लेकर टीआईडी जनरेशन और उपचार एप्रूवल तक सभी प्रक्रियाओं को और प्रभावी बनाने की बात कही गई। उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की बेस्ट प्रैक्टिसेज को आरजीएचएस में लागू करने पर भी जोर दिया। बैठक में योजना के अंतर्गत एक ग्रिवांस रिडरेसल सिस्टम विकसित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही योजना पोर्टल पर फीडबैक ऑप्शन भी जोड़ा जाएगा, जिससे लाभार्थी अपनी समस्याएं सीधे दर्ज कर सकेंगे और उनका त्वरित समाधान संभव हो सकेगा।

■ चिकित्सा मंत्री ने आर.जी.एच.एस. को और मजबूत करने के सख्त निर्देश दिए

■ 'सरकार जल्द ही तकनीकी सुधार और निगरानी तंत्र भी विकसित करेगी'

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरुवार को स्वास्थ्य भवन में योजना की समीक्षा की।

प्रियंका गोस्वामी ने बताया कि योजना को फुल प्रूफ सिस्टम के तौर पर विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। तकनीकी स्तर पर भी आवश्यक सुधार किए जाएंगे ताकि अनियमितता की आशंका शून्य हो। परियोजना निदेशक शिप्रा विक्रम ने योजना की कार्यप्रणाली और आने वाले सुधारों की विस्तृत जानकारी दी।

पेपर लीक प्रकरण में आरपीएससी से पूर्व सदस्य कटारा के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति पेश

■ अदालत में आरोपी के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने वाले कार्मिक विभाग के अधिकारी को भी अभियोजन पक्ष का गवाह बनाने की अनुमति मांगा

जयपुर। द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में गुरुवार को एसओजी की ओर से ईडी मामलों की विशेष अदालत में आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति की प्रति पेश की गई है।

एसओजी की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर आरोपी के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने वाले कार्मिक विभाग के अधिकारी को भी अभियोजन पक्ष का गवाह बनाने की अनुमति मांगी। अदालत मामले में तीस जून को सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि 24 दिसंबर, 2022 को उदयपुर के बेकरिया थाना पुलिस ने परीक्षा पूर्व चलती बस से 49 अभ्यर्थियों को पेपर हल करते पकडा था। मामले में जांच एजेंसी ने माना की आरपीएससी के तत्कालीन चेयरमैन ने कटारा को पेपर और उत्तर कुंजी तैयार करने का दायित्व दिया था। वहीं कटारा ने प्रश्न पत्र घर लाकर उसकी रजिस्टर में नकल उतारी थी। वहीं प्रकरण में अन्य आरोपियों ने भी मिलीभगत कर पेपर को अगली कडी तक पहुंचाया था। जांच एजेंसी को जांच के दौरान बाबूलाल कटारा के घर से करीब 51 लाख रुपए की नकदी सहित करीब आधा किलोग्राम सोने के आभूषण भी बरामद मिले थे। मामले में एसओजी ने पूर्व में अदालत में कटारा सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। वहीं बाद में प्रकरण में ईडी की ओर से प्रकरण दर्ज होने के बाद प्रकरण से जुडे सभी मामलों को सुनवाई के लिए ईडी कोर्ट भेजा गया।

1200 मोजम्बिक विकलांगों को जयपुर फुट लगाया जायेगा

जयपुर। दक्षिण पूर्वी अफ्रीकी देश मोजाम्बिक की राजधानी मोपूता में विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की 50 दिवसीय विशेष शिविर लगाकर 1200 मोजम्बिक विकलांगों को लाभान्वित किया जाएगा ।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस शिविर का विधिवत उद्घाटन 24 जून को विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवद्धन सिंह करेंगे।

इस अवसर पर मोजाम्बिक में भारत के उच्चायुक्त राबर्ट शेटकिनटांग और बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता भी उपस्थित रहेंगे। बी.एम.वी.एस.एस. का 13 सदस्यीय तकनिकी दल मोपूता रवाना हो गया। इस शिविर के विष्णुकांत शर्मा प्रशासनिक अधिकारी है ।

उल्लेखनीय हैं कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के इण्डिया फॉर हयूमैनिटीज" कार्यक्रम के अन्तर्गत इस शिविर में मोजाम्बिक के ऐसे विकलांगों का पुर्नवास किया जाएगा।

जेडीए ट्रिब्यूनल ने रेफरेंस याचिका खारिज की

■ जेडीए की तीन आवासीय योजनाओं में वकीलों को आरक्षण से इनकार

जयपुर । जेडीए अपीलीय अधिकरण ने जेडीए की तीन आवासीय योजनाओं गंगा विहार, यमुना विहार व सरस्वती विहार में वकीलों को 5 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने का आग्रह करने वाली रेफरेंस याचिका को खारिज कर दिया। अधिकरण ने कहा कि यह रेफरेंस याचिका पूरे अधिवक्ता समुदाय के लाभ व हित के लिए दायर हुई है और इसमें वकीलों के लिए आवास नीति को लागू करने का आग्रह किया है। ऐसे में यह याचिका जनहित याचिका की श्रेणी में है। इसलिए रेफरेंस याचिका को जनहित याचिका के तौर पर नहीं सुना जा सकता और ना ही अधिकरण को इसकी सुनवाई का ही क्षेत्राधिकार है। पीठासीन अधिकारी राजेश जैन ने यह आदेश गुरुवार को चन्द्रहास सिंह की रेफरेंस याचिका खारिज करते हुए दिया।

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता साकेत पारीक ने कहा कि राज्य सरकार की आवास नीति-2013 के तहत वकीलों को भी आरक्षण का लाभ देने के लिए कहा था। लेकिन जेडीए ने 2013 के बाद की किसी भी आवासीय योजना में वकीलों के लिए 5 फीसदी भूखंड आरक्षित नहीं रखे हैं। इसलिए राज्य सरकार से 2013 की नीति की क्रियांविति करवाई जाए और इन तीनों आवासीय योजनाओं में भी वकीलों के लिए भूखंड आरक्षित किए जाएं।

इसके जवाब में जेडीए के अधिवक्ता अमित कुड़ी ने कहा कि आवासीय नीति के तहत ग्रुप हाउसिंग के प्रोजेक्ट में वकीलों के लिए 5 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया था ना कि सभी आवासीय योजनाओं में। इसके अलावा रेफरेंस पीड़ित व्यक्ति ही दायर कर सकता है, जबकि यह रेफरेंस याचिका पूरे वकील समुदाय को लाभांविति करने के लिए पीआईएल की तौर पर दायर हुई है। अधिकरण को ऐसी रेफरेंस याचिका को पीआईएल के तौर पर सुनवाई का ही क्षेत्राधिकार नहीं है। इसलिए रेफरेंस याचिका खारिज की जाए। अधिकरण ने जेडीए की दलीलों से सहमत होकर रेफरेंस याचिका खारिज कर दी।

'बजट घोषणा में स्वीकृत हैंडपंप व नलकूप निर्माण के कार्य जल्द पूरा करें'

जयपुर । जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत ने कहा कि बजट घोषणा 2024-25 और 2025-26 के तहत स्वीकृत हैंडपंप और नलकूप निर्माण से संबंधित कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने अभियंताओं को निर्देश दिए कि बजट में घोषित सभी परियोजनाओं को भी निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित अधीक्षण अभियंताओं के साथ बजट घोषणा, अमृत 2.0, अवैध जल कनेक्शन सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बजट घोषणा 2025-26 के तहत स्वीकृत हैण्डपम्प निर्माण में दौसा जिले की शून्य प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिन कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी हुई है। उनका निर्माण कार्य शीघ्र किया जाए साथ ही मुख्यालय स्तर से इन कार्यों की नियमित रूप मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

रणथंभौर की प्रसिद्ध बाघिन एरोहेड की मौत

■ उधर शावक हुए शिफ्ट, इधर माँ ने कहा अलविदा

सवाईमाधोपुर। रणथंभौर में गुरुवार का दिन पर्यटकों के लिए दु:खद रहा। गुरुवार दोपहर जोगी महल के पास रणथंभौर की प्रसिद्ध बाघिन टी-84 एरोहेड की मौत हो गई। कुछ दिन पहले ही बाघिन ने जोगी महल के पास पानी में मगरमछ का शिकार किया था। एरोहेड को ट्यूमर की बीमारी थीं जिसका इलाज भी चल रहा था। कुछ माह पहले मेडिकल टीम ने इसका इलाज किया और देख रेख की जा रही थी। इसकी मादा शावक कनकटी को आज ही मुकुंदरा टाइगर रिजर्व में शिफ्ट किया गया था। उसके कुछ घंटे बाद ही बाघिन की मौत की सूचना आई।

राजबाग पर हुआ पोस्टमार्टम : वन विभाग की ओर से नाका राजबाग पर बाघिन ऐरोहेड का गुरूवार शाम को पोस्टमार्टम किया गया। यहां पर कुछ पांच सितारा होटल के पर्यटकों को बाघिन के अंतिम संस्कार में अनुमति दी गई थी। इस दौरान मेडिकल बोर्ड ने बाघिन का पोस्टमार्टम किया । पोस्टमार्टम के दौरान यहां वन विभाग की संवेदनहीनता सामने आई। पर्यटक पोस्टमार्टम के खुलेआम वीडियो बनाते हुए दिखाई दिए।

इस वाकया को मीडिया ने अपने कैमरे में कैद कर लिया तो रणथम्भौर के सीसीएफ अनूप के. आर. ने पर्यटकों से वीडियो नहीं बनाने की हिदायद की । जिसके बाद पर्यटकों ने अपने प्रोफेशनल कैमरे बंद किए । बाघिन के अंतिम संस्कार से पहले वन्यजीव प्रेमियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की । इस दौरान रणथम्भौर नेचर गाइड एसोसिएशन अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह सहित कई वन्यजीव प्रेमियों ने बाघिन को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उल्लेखनीय है बाघिन टी-84 ऐरोहेड की उम्र करीब 11 साल थी। बाघिन ने आखरी बार साल 2023 में तीन शावकों को जन्म दिया था। जिन्हें वन विभाग की ओर से हाल ही में रणथम्भौर से बाहर भेजा गया है।

अंता-बारां विधानसभा सीट पर उप चुनाव होंगे

जयपुर। बारां जिले की अंता - बारां विधानसभा सीट पर उप चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन विभाग ने भारत निर्वाचन आयोग को अनुशंसा भेज दी है। अब आयोग तय करेगा उपचुनाव कब कराए जाएं। इसी के साथ राज्य निर्वाचन विभाग ने चुनाव की तैयारियां शुरू करते हुए जिले में के पहले फेज की चेकिंग भी पूरी कर ली है।

भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा को अयोग्य करार देने के बाद यह सीट खाली हुई थी। कंवरलाल मीणा को 2005 में उपसरपंच चुनाव के दौरान एक अधिकारी पर पिस्तौल तानने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट में अपील खारिज होने के बाद मीणा ने स्थानीय मनोहर थाना कोर्ट में सरेंडर किया था।

हालांकि इस मामले में राज्यपाल के यहां बचाव की कोशिश की गई थी,लेकिन वहां से राहत नहीं मिली थी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उनकी सदस्यता समाप्त कर दी थी। यह कार्रवाई जनप्रतिनिधित्व जनता अधिनियम (, 1951) की धारा 8 (3) के तहत थी, जो दो साल या उससे अधिक की सजा पर स्वत: अयोग्यता लागू करती है।

डॉ. अशोक गुप्ता यूरोपीय अकादमी के पीओसी बोर्ड में नामित

■ बाल चिकित्सा के क्षेत्र में प्रसिद्ध डॉक्टर गुप्ता इस 7 सदस्यीय बोर्ड में एकमात्र गैर-यूरोपीय व्यक्ति हैं

जयपुर। बाल चिकित्सा के क्षेत्र में प्रसिद्ध चिकित्सा पेशेवर और विचार नेता डॉ. अशोक गुप्ता को यूरोपीय अकादमी के पीओसी बोर्ड में नामित किया गया है। वे सात सदस्यीय बोर्ड में एकमात्र गैर-यूरोपीय हैं और वे वहां पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं। यह नामांकन दो साल के लिए है। यह समिति नैदानिक परीक्षणों में रोगी सुरक्षा और रोगियों को उचित और इष्टतम उपचार की सुविधा प्रदान करने पर केंद्रित है।

यह विश्व स्वास्थ्य संगठन और कोडेन जैसे वैश्विक संगठनों के सलाहकार के रूप में भी कार्य करता है। यूरोपीय एलर्जी और इम्यूनोलॉजी अकादमी जिसका मुख्यालय ज्यूरिख में स्थित है,स्विट्ज़रलैंडइसमें 124 देश और 50 राष्ट्रीय समाज शामिल हैं। यूरोपीय अकादमी ने भी नामांकन किया है।

गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर के डीन एवं प्रिंसिपल डॉ. अशोक गुप्ता को 13-16 जून, 2025 तक ग्लासगो, स्कॉटलैंड में आयोजित वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करने के लिए संस्थान द्वारा आमंत्रित किया गया था।

8 हजार से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति वाली इस बैठक में पर्यावरण परिवर्तन के प्रभाव और एलर्जी की बढ़ती घटनाओं पर इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. अशोक गुप्ता ने भारतीय परिदृश्य प्रस्तुत किया और भारत में एटोपिक डर्माटाइटिस, अस्थमा सहित श्वसन एलर्जी और खाद्य एलर्जी के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अन्य कारणों के अलावा जीवनशैली में बदलाव, विशेषकर पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का उपयोग, तथा अपर्याप्त बाहरी गतिविधियां भी इस मामले में वृद्धि का कारण बन रही है।

भारतीय क्रिकेट में बदलाव के कठिन दौर में टीम की कमान संभालने जा रहे शुभमन गिल को उचित समय और सहयोग दिया जाना चाहिए। नए कप्तान को सलाह दी कि ड्रेसिंग रूम से बाहर की टिप्पणियों पर सोचे बिना वह अपनी रणनीति पर फोकस रखें। **- सचिन तेंदुलकर**

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, गिल को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एंजेलो मैथ्यूज

टेस्ट क्रिकेट के लिए साल 2025 काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। इस साल कई इंटरनेशनल क्रिकेट के दिग्गजों ने टेस्ट को अलविदा कह दिया। एंजेलो मैथ्यूज आज अपने ही देश की धरती पर आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे हैं। श्रीलंका की टीम का बांग्लादेश के साथ कोलंबो में टेस्ट मैच चल रहा है। श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज जब बांग्लादेश बनाम श्रीलंका मैच के तीसरे दिन बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे तो उस दौरान बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने मैथ्यूज को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ मैदान पर उनका स्वागत किया। बांग्लादेश के प्लेयर्स दो लाइन बनाकर खड़े हुए।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अगस्त 2021 में हुआ था, अब इंग्लैंड ने एक पारी और 76 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

प्रीमियर लीग का फूल शेड्यूल जारी

नई दिल्ली, 19 जून। आगामी 2025-26 सीजन के लिए प्रीमियर लीग कार्यक्रमों की घोषणा कर दी गई। आगामी 15 अगस्त से इन कार्यक्रमों का आगाज होगा। जहां डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल अपने पहले मैच में एनफील्ड में बोर्नमाउथ से भिड़ेगा।वहीं इस बीच, मैनचेस्टर यूनाइटेड को ओल्ड ट्रैफर्ड में आर्सेनल के खिलाफ खेलना होगा। यूनाइटेड के मैनचेस्टर चचेरे भाई, सिटी, मोलिनक्स स्टेडियम में वॉल्व्स के साथ भिड़ेंगे। सुंदरलैंड आठ साल बाद प्रीमियर लीग में वापस आ गया है। शेफील्ड यूनाइटेड के खिलाफ प्ले-ऑफ जीतने के बाद, अब वह स्टेडियम ऑफ लाइट में शीर्ष स्तर की कार्रवाई का आनंद लेना चाहेगा। वहीं बोर्नमाउथ के खिलाफ़ शुरूआत के बाद, लिवरपूल के खिताब की रक्षा का परीक्षण शुरू में ही हो जाएगा, दूसरे सप्ताह में न्यूकैसल की एक चुनौतीपूर्ण यात्रा के बाद आर्सेनल के खिलाफ़ एक ब्लॉकबस्टर घरेलू मुकाबला होगा। आर्सेनल के लिए, शुरुआत और भी ज़्यादा कठिन है - उन्हें अपने पहले छह मैचों में मैनचेस्टर यूनाइटेड, लिवरपूल, मैनचेस्टर सिटी और न्यूकैसल का सामना करना पड़ेगा। गनर्स, जो लगातार तीसरे सीज़न में उपविजेता रहे, को पहले दिन से ही अपने सबसे तेज़ प्रदर्शन की ज़रूरत होगी। पेप गार्डियोला के नेतृत्व में अपने सातवें लीग खिताब की तलाश में मैनचेस्टर सिटी 16 अगस्त को वॉल्व्स के खिलाफ़ अपने पहले मैच की शुरुआत करेगी।

टेनिस खिलाड़ियों को अब देश के लिए खेलने से इंकार करना पड़ेगा भारी, साई वसूल करेगा रकम

नई दिल्ली, 19 जून। भारतीय खेल प्राधिकरण के नए आदेश के अनुसार कई योजनाओं के जरिए वित्तीय मदद हासिल करने वाले देश के टेनिस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में खेलने की प्राथमिकत देनी चाहिए। अगर वे बिना किसी वैध स्पष्टीकरण के खेलने से इनकार करते हैं तो उनसे धनराशि वसूल की जाएगी। खिलाड़ियों को प्राप्त धनराशि के लिए जवाबदेह बनाते हुए साई ने अपने आदेश में टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप के अतंर्गत मदद के लिए चुने गए खिलाड़ियों को लिखित में देने को कहा है जिसमें वे स्वीकार करें कि वित्तीय मदद हासिल करना देश के खेल उत्कृष्टता में योगदान देने की जिम्मेदारी है।साई ने अपने आदेश में टॉप्स, एनएसएफ और टीएजीजी योजनाओं के अंतर्गत मदद हासिल करने वाले खिलाड़ियों से बिली जीन किंग कप, डेविस कप, एशियाई खेल और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उनकी उपलब्धता और इच्छा की पुष्टि करने को कहा है। साई के आदेश के अनुसार, ये टेनिस प्रतियोगिताएं राष्ट्रीय गौरव के लिए अहमियत रखती हैं इसलिए ये अहम है कि वित्तीय मदद हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को अगर अखिल भारतीय टेनिस महासंघ द्वारा चुना जाता है तो वे भारत का प्रतिनिधित्व करने को प्राथमिकता दें। इसमें कहा गया है कि, हम आपको ये भी सूचित करना चाहेंगे कि एनएसएस द्वारा चयन की स्थिति में अगर आप बिना किसी वैध स्पष्टीकरण के इन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला करते हैं तो आज तक दी गई वित्तीय मदद लागू दिशानिर्देशों के अनुसार वसूली के अधीन होगी।

कृष्णा ओझा के पंजे से जीती लक्ष्य क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 19 जून। अंडर-16 अरावली कप में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 243 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाएं! योषित गुर्जर ने 58, पुनीत गुर्जर ने 42 नाबाद, राघव प्रजापत ने 36 और योगित सैनी ने 33 रनों का योगदान दिया! बालाजी क्रिकेट अकादमी की ओर से विशाल चौधरी ने तीन और कार्तिकय राठौर ने दो विकेट लिए! लक्ष्य का पीछा करने उतरी बालाजी क्रिकेट अकादमी 33 ओवर में 150 रन पर ऑल आउट हो गई ! श्रेयांश ने सर्वाधिक 53 रनों का योगदान दिया ! लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से कृष्णा ओझा ने 5 और तेजस जोशी ने तीन विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच कृष्णा ओझा को चुना गया।

चोटिल हेले की होगी सर्जरी

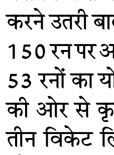

एंटीगुआ, 19 जून। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हेले मैथ्यूज कंधे की चोट की सर्जरी करवाने के लिए कुछ समय के लिए मैदान से बाहर रहेंगी। मैथ्यूज को इंग्लैंड दौरे के पहले एकदिवसीय मैच के दौरान कंधे में चोट लगी थी, जिसके कारण वह सीरीज के बाकी मैच नहीं खेल पाई थीं। कैरिबियाई 27 वर्षीय मैथ्यूज दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए वापस लौटीं। हालांकि वह आगामी महिला एकदिवसीय विश्वकप में वेस्टइंडीज की टीम हिस्सा नहीं होगी। मैथ्यूज सर्जरी कराकर 2026 तक पूरी तरह से फिट होना चाहती हैं।

ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगी जेमिमाह रॉड्रिग्स

नई दिल्ली, 19 जून। भारतीय टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमाह रॉड्रिग्स महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में हिट ब्रिस्बेन के लिए खेलेंगी। डब्ल्यूबीबीएल के गुरुवार को हुए ड्राफ्ट के दौरान रॉड्रिग्स को मेलबर्न स्टार्स ने अपनी पहली पसंद के रूप में चुना था, लेकिन ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें रिटेन कर अपनी टीम में बनाये रखा। पिछले वर्ष हीट के लिए खेलते हुए रॉड्रिग्स ने 10 पारियों में 33 की औसत और 139 के स्ट्राइक रेट से एक अर्धशतक सहित कुल 267 रन बनाए थे।

भारत और इंग्लैंड ट्रॉफी के साथ दिखे सचिन और एंडरसन

सीरीज का नाम पटौदी ट्रॉफी नहीं बल्कि तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी रखा गया

नई दिल्ली, 19 जून। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का अनावरण हो गया है। भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और इंग्लैंड के दिग्गज जेम्स एंडरसन ने इस ट्रॉफी का अनावरण किया। साथ ही बता दें कि, अब इस सीरीज का नाम पटौदी ट्रॉफी नहीं बल्कि तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी रखा गया है। वहीं पटौदी ट्रॉफी का नाम बीसीसीआई ने नहीं ईसीबी ने बदला है।भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जाने वाली ये टेस्ट सीरीज को अब से हम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कहा

जाएगा। इसके अलावा इस बात की भी आधिकारिक पुष्टि हो गई है कि पटौदी परिवार की शान में इस ट्रॉफी को जीतने वाले कप्तान को पटौदी पदक दिया जाएगा। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड औरबीसीसीआई के बीच एक संयुक्त पहल है जो अब इंग्लैंड और भारत के बीच होने वाले सभी भविष्य की टेस्ट सीरीज का प्रतिनिधित्व करेगी। इससे पहले इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज पटौदी ट्रॉफी और भारत में टेस्ट सीरीज एंथनी डी मेलो ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। हालांकि, अब दोनों ही देशों में सीरीज एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी होगी।

भारतीय टीम में वापसी कर रहे करुण नायर अभ्यास के दौरान चोटिल

लंदन, 19 जून। भारत और इंग्लैंड पहला टेस्ट लीड्स में 20 जून से खेला जाना है। लेकिन इस मैच के शुरू होने से पहले भारतीय कैंप से बुरी खबर सामने आ रही है। लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे करुण नायर प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए हैं। प्रैक्टिस के दौरान प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके पेट पर जाकर लगी। नायर ने कुछ देर तो बल्लेबाजी जारी रखी लेकिन वह सहज नहीं दिखे। कुछ देर बाद उन्होंने प्रैक्टिस बंद कर दी और उन्हें फिजियो के साथ देखा गया। करुण नायर की ये चोट कितनी गंभीर है अभी इसकी कोई जानकारी नहीं है।करुण नायर ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैर्च 2017 में खेला था। 8 साल बाद उन्होंने अब भारतीय टीम में वापसी की है और उनके पहले टेस्ट की प्लेइंग 11 में शामिल होने की संभावनाएं काफी ज्यादा है। हालांकि, मैच से पहले उनकी ये चोट उनका इंतजार बढ़ा भी सकती है। ऋषभ पंत ने कंफर्म किया कि नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल विराट कोहली की विरासत को संभालेंगे और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में नंबर-4 पर बैटिंग करेंगे। वहीं पंत ने ये भी बताया कि वह खुद नंबर-5 पर बैटिंग करने वाले हैं। ऐसे में नंबर-3 और 6 का पायदान ही करुण नायर के लिए खाली है। नायर ने 2016 में डेब्यू करने के बाद से 6 टेस्ट मैच खेले हैं।

ऑल इंडिया लॉन टेनिस चैम्पियनशिप में तपस्वी ने जीता स्वर्ण पदक

सोनीपत, 19 जून। हरियाणा के सोनीपत के कुंडली में आयोजित ऑल इंडिया लॉन टेनिस चैंपियनशिप सीरीज अंडर-14 में लिटल एंजल्स लॉन टेनिस एकेडमी के खिलाड़ी तपस्वी ने प्रतियोगिता के फाइनल मैच में दिल्ली के खिलाड़ी वेदांत को 6-4, 7-5 के स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। तपस्वी ने इस जीत के साथ ना केवल अपनी एकेडमी बल्कि राज्य का नाम भी रौशन किया। प्रतियोगिता में लगभग 85 खिलाड़ियों ने भाग लिया। तपस्वी जूनियर स्तर पर अपने खेल का बेहतर प्रदर्शन करते हुए अब पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेगा। विद्यालय के चेयरमैन तरसेम गर्ग, सचिव डॉ. विशाल गर्ग व विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल ने तपस्वी को बधाई दी और उसको भविष्य में होने वाली पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में भी बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित भी किया।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट में बारिश बनेगी विलेन!

लंदन, 19 जून। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला कल यानी 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले मैदान में खेला जाने वाला है। विराटकोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद पहली बार भारतीय टीम युवा टैलेंट के साथ मैदान में उतर रही है।

क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर ये है कि मैच के दौरान बारिश की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, लीड्स में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। ऐसे में फैंस को बिना बारिश की चिंता किए पूरे पांच दिन क्रिकेट का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

हेडिंग्ले की पिच हमेशा से ही गेंदबाजों को मदद देने वाली रही है, खासकर तेज गेंदबाजों को ये पिच ज्यादा फेवर करती है। पहले दिन ही पहली पारी में नई गेंद से बल्लेबाजों को काफी सतर्क रहना होगा क्योंकि पहले सेशन में तेज गेंदबाजों को स्विंग और सीम मूवमेंट से काफी मदद मिल सकती है। ऐसे में शुरुआती कुछ ओवर बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्व हो सकते हैं तो बल्लेबाजों को थोड़ा रुककर खेलना होगा। मैच में जीत हार कि दिश तय करने के लिए पहली इनिंग में ही बढ़त बनाना फायदेमंद साबित होगा। हेडिंग्ले की इस पिच पर अब तक 84 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। जिनमें से 29 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली है। जबकि 36 बार दूसरी पारी में खेलने वाली टीम ने जीत दर्ज की है। यही कारण है कि टॉस जीतने के बाद ज्यादातर टीमें पहले गेंदबाजी करने को देखती हैं। इस मैदान पर सबसे बड़ी सफल रन चेज 404/3 की रही है, जो इस पिच के चेजिंग फ्रेंडली नेचर को दर्शाती है।

इस पिच पर मैच जैसे-जैसे आगे बढ़ता है, औसत स्कोर भी वैसे-वैसे गिरता जाता है, इसलिए दूसरी इनिंग में बल्लेबाजी करना थोड़ा आसान हो जाता है। ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि इंग्लैंड की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करती है या फिर गेंदबाजी का।

इस बार भारतीय टीम एक बिल्कुल युवा कप्तान शुभमन गिल के साथ मैदान में उतर रही है। पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज दोनों टीमों के बीच एक कड़ी टक्कर साबित होने वाली है।

राजस्थान ने लहराया परचम, 10 स्वर्ण, 8 रजत एवं 6 कांस्य पदक के साथ कुल 24 पदक हासिल कर बना ऑवरऑल चैम्पियन

34वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता

जयपुर, 19 जून। भारतीय वुशू संघ व राजस्थान वुशू संघ के तत्वावधान मे दिनांक 14 से 19 जून तक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी मे आयोजित हुई 34वीं सीनियर राष्ट्रीय (पुरुष/महिला) वुशु प्रतियोगिता में राजस्थान ने 10 स्वर्ण, 8 रजत, एवं 6 कांस्य पदक के साथ कुल 24 पदक जीतकर बना ऑवरऑल चैम्पियन। प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रैम सिंह बैरवा, उप मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार एवं विशिष्ठ अतिथि राहुल सिंघी को-फाउण्डर पूर्णिमा युनिवर्सिटी, विनोद सिंह शेखावत संरक्षक, राजस्थान वूशु संघ, कल्याण सहाय, पूर्व कोषाध्यक्ष, किसान मोर्चा भाजपा, सुहेल अहमद सी.ई.ओ. भारतीय वूशु संघ एवं सुरेश

चन्द पाद्य, पूर्णिमा युनिवर्सिटी रहें। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वूशु संघ ने सभी अतिथियों का साफा पहनाकर व बुके, स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत अभिनन्दन किया।

प्रतियोगिता में आये सभी खिलाडियों, अधिकारियों व अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। अध्यक्ष ने बताया कि ऑल ऑवर टीम चैम्पियनशिप में राजस्थान प्रथम, एसएससीबी द्वीतीय एवं एसएसबी तृतीय स्थान पर रही। राजेश कुमार टेलर के अनुसार राजस्थान टीम के पदक विजेता खिलाडियों का विवरण इस प्रकार हैं:-

स्वर्ण पदकः मेघा जोशी 48 किलोग्राम भारवर्ग, दिव्यांशी 70 किलोग्राम भारवर्ग, अमन पारीक 52 किलोग्राम भारवर्ग, अभिमन्यू पारीक 56 किलोग्राम भारवर्ग एवं वैभव शर्मा 65 किलो भारवर्ग में, नीलम चौधरी, ट्रेडिश्नल नंक्वान में, विकास चौधरी ने नंनदाउ में, देवराज सैनी ने फिलेक्सिबल वेपन, मंयक ने अदर स्टाईल एवं ग्रुप ईवेंट।

रजत पदकः विकास यादव 100 किलोग्राम, अभिजीत एसवाल ने विनचुंन, आनन्द सैनी ने ननदाउ एवं ननगुन में, गुरप्रीत सिंह ने ताईची जियान में, प्रैम सिंह फिलेक्सिबल में, गुलश्न ने अदर स्टाईल में कामाक्षी आचार्य ने अदर स्टाईल।

कांस्य पदकः रिंकु चौधरी 45 किलोग्राम भारवर्ग, मुकुंद आचार्य 48 किलोग्राम भारवर्ग ने सचिन चौधरी 90 किलोग्राम भारवर्ग, आनन्द ने ननक्वान में, मनोज कौली ने जिंगिक्वान में, चारू पारीक ने विनचुंन।

बम की धमकी के कारण ही वूशु सीनियर चैम्पियनशिप की जगह बदलने पर मजबूर हुए

खेल परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सरकार को गुमराह कर रहे है : हीरानन्द कटारिया

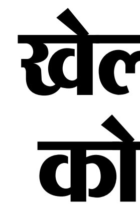

जयपुर, 19 जून। राजस्थान वुशु संघ के अध्यक्ष हीरानन्द कटारिया ने आज फिर पलटवार करते हुए कहा कि स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव राजेन्द्र सिंह राज्य सरकार को अपने जवाब से गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बम की धमकी के कारण जगह बदलने को लेकर एक लेटर लिखा गया था जिसमे साफ तौर पर कहा गया था कि भारतीय वूशु संघ एवं राजस्थान वूशु संघ के तत्वावधान में14 से 19 जून तक एसएमएस स्टेडियम में 12 वर्ष बाद होने वाली 34वीं वूशु सीनियर (बालक -बालिकाएं) चैंपियनशिप के लिए इंडोर स्टेडियम को बुक करवाया गया था लेकिन बार बार (चार बार) बम होनेकी धमकी वाली मेल मिलने के कारण आयोजन समिति ने ये टूर्नामेंट किसी ओर जगह कराने का निर्णय लिया है।

सचिव राजेन्द्र सिंह ने सुरक्षा की गारंटी या आश्वासन देने की बजाय इनडोर स्टेडियम का आवंटन ही निरस्त कर दिया था इसीलिए राजस्थान वूशु संघ ने सुरक्षा

के मद्देनजर टूर्नामेंट को एसएमएस स्टेडियम के बजाए पूर्णिमा कॉलेज में कराने का निर्णय लेना पड़ा। अगर सचिव राजेन्द्र सिंह ने राजस्थान वूशु संघ के पदाधिकारीयों को बुलाकर सुरक्षा की जिम्मेदारी देते तो इंडोर स्टेडियम में ही चैंपियनशिप आयोजित की जाती। हीरानंद कटारिया ने बताया कि अगर वापस ऐसी बम की धमकी मिलती तो पूरे देश से 1200 से भी अधिक खिलाड़ियों, जिनमें अर्जुन अवॉर्डी, द्रोणाचार्य अवॉर्डी, इंटर नेशनल ओर नेशनल खिलाडियों के अलावा 100 ऑफिशियल की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेता?

क्योंकि एसएमएस स्टेडियम को आईपीएल मैचों के दौरान भी लगातार पांच बार बम से उड़ाने की धमकी मिली थी जिसके चलते रोज़ाना पुलिस, डॉग स्क्वायड, बम स्क्वायड सहित अन्य टीमें पहुंची मौके पर पहुंची थीं और स्टेडियम को खाली करवाया गया था। अलग अलग इलाकों कीसुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही थीं। इसी के मद्देनजर वूशु सीनियर (बालक -बालिकाएं)चैंपियनशिप को पूर्णिमा कॉलेज शिफ्ट किया गया है।

हीरानंद कटारिया ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारतीय वुशू संघ ने राजस्थान वूशु संघ से पूछा था कि अगर टूर्नामेंट के दौरान बम की धमकी वगैरह मिलती है तो क्या आप उस स्थिति में नेशनल चैंपियनशिप ऐन वक्त पर कहीं और शिफ्ट कर सकेंगे? इस स्थिति पर विचार करते हुए ही हमने चैंपियनशिप यूनिवर्सिटी में शिफ्ट की।

हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने वापस स्पोर्ट्स काउंसिल के अधिकारियों पर आपसी सामंजस्य नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्पोर्ट्स काउंसिल की व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान खड़े करता है। स्पोर्ट्स काउंसिल के अधिकारियों के गुमराह करने वाले जवाब से कार्यशैली पर सवालिया निशान के साथ - साथ आवंटन निरस्त करने के बाद बदनामी के डर से ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं।

शास्त्री ने गिल को चेताया

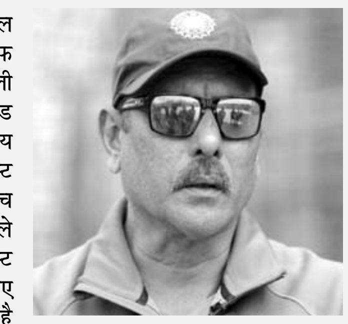

नई दिल्ली, 19 जून। शुभमन गिल के लिए बतौर कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाली है। ऐसा ही कुछ पूर्व क्रिकेटर और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। जिसका पहला मैच शुक्रवार, 20 जून से शुरू होगा। पिछले 18 सालों से टीम इंडिया इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। अब इस दौरे के लिए रवि शास्त्री ने गिल एंड टीम को चेताया है और सलाह भी दी है। रिव्यू में रवि शास्त्री ने शुभमन गिल को लेकर कहा कि इस युवा कप्तान को सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक को निभाने के लिए धैर्य और संयम की जरूरत है। शास्त्री ने गिल को अहम सलाह देते हुए कहा कि, मुझे लगता है कि उन्हें अपना समय लेना चाहिए। ये आसान बिल्कुल नहीं होने वाला है। उन्हें इंग्लैंड में टीम इंडिया की कमान संभालने का एक मुश्किल काम करने को कहा गया है।

इंग्लैंड में शुभमन गिल ने इससे पहले कुल 3 टेस्ट खेले हैं। 6 पारियों में उनके नाम सिर्फ 88 रन हैं। उन्होंने कुल 32 टेस्ट मैचों की 59 पारियों में 1893 रन बनाए हैं उनका एवरेज 35.06 का है।

इंग्लैंड की पिचें हमेशा अनुभवी प्लेयर्स की भी परीक्षा लेती है देखना होगा कि बतौर कप्तान शुभमन गिल का करियर कैसे शुरू होता है वो भी तब जब विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे दिग्गज टीम में नहीं हैं। भारत ने 2007 के बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है।

शास्त्री का मानना है कि ये दौरा युवा खिलाड़ी के करियर में अहम रोल अदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि, ये कभी आसान नहीं होता लेकिन मुझे लगता है कि वो यहां खेलकर अनुभव हासिल करेंगे और सीखेंगे। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के कप्तान के रूप में मैंने देखा कि वो शांत थे, संयमित थे। उनका स्वाभाव अच्छा है। शास्त्री ने आगे कहा कि, वह एक व्यक्ति के रूप में परिपक्व हो गए हैं, उनके साथ कुछ युवा खिलाड़ी हैं, और मुझे लगता है कि जहां तक शुभमन गिल की बात है तो ये सीखने का एक मौका है।

अनाया ने आईसीसी और बीसीसीआई से ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों का समर्थन करने की अपील की

नई दिल्ली, 19 जून। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगक की संतान जो कुछ समय पहले ही लड़का से लड़की बनी अनाया बांगर ने आईसीसी और बीसीसीआई से ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों का समर्थन करने की अपील की है। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि वैज्ञानिक रूप से वह महिला क्रिकेट खेलने के योग्य हैं। बता दें कि, अनाया बांगर का पूर्व नाम आर्यन बांगर था जिन्होंने हार्मोन रिप्लेसमेंट थिरेपी से गुजरकर लड़का से लड़की बन चुकी हैं।

अभी ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों को महिला क्रिकेट में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं है। अनाया बांगर ने 8 पेज की साइंटिफिक रिपोर्ट को शेयर करते हुए ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला क्रिकेट में खेलने की पुरजोर वकालत की है। एक तरह से उन्होंने ये बहस छेड़ने की कोशिश की है कि क्या ट्रांसजेंडर्स को महिला क्रिकेट खेलने के योग्य माना जा सकता है। अनाया बांगर ने एक लड़के से ट्रांसजेंडर एथलीट बनने की अपनी यात्रा से जुड़ी 8 पेज की वैज्ञानिक रिपोर्ट को आईसीसी और बीसीसीआई के सामने रखने की योजना बना रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि साइंस कहता है मैं विमेंस क्रिकेट के लिए एलिजिबल हूं। अब सवाल ये है कि क्या दुनिया तैयार है सच सुनने के लिए? उनका पोस्ट वायरल हो रहा है।

पथुम निसांका दोहरे शतक से चूके, श्रीलंका ने बनाये 368 रन

गॉले (श्रीलंका), 19 जून। पथुम निसांका (187) की शतकीय और दिनेश चांदीमल (53) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर श्रीलंका ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय चार विकेट पर 368 रन का स्कोर खड़ा कर बंगलादेश को करारा जवाब दिया। आज यहां सुबह के सत्र में बंगलादेश को 495 रन के स्कोर पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी पथुम निसांका और लहिरू उदारा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 47 रन जोड़े।

22वें ओवर में लहिरू उदारा (29) तैजुल इस्लाम ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई। इसे बाद बल्लेबाजी करने आये दिनेश चांदीमल ने पथुम निसांका के साथ दूसरे विकेट लिए 157 रन जोड़े। 51वें ओवर में नईम हसन ने दिनेश चांदीमल (54) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। एंजलो मैथ्यूज (39) तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। हसन महमूद ने दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे पथुम निसांका को बोल्ड कर बंगलादेश को बड़ी सफलता दिलाई। पथुम निसांका ने अपनी 187 रनों की पारी में 256 गेंदों का सामना किया। उन्होंने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया। यह दिन का खेल समाप्त होने के समय श्रीलंका के लिए बड़ा झटका रहा। दिन का खेल समाप्त होने के समय श्रीलंका ने 93वें ओवर में चार विकेट पर 368 रन बना लिये है।

वह अभी भी बंगलादेश के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 127 रन पीछे है। कामिंडु मेंडिस (नाबाद 37) और कप्तान धनंजय डीसिल्वा (नाबाद 17) क्रीज पर मौजूद है। बंगलादेश की ओर से तैजुल इस्लाम, नईम हसन, हसन महमूद और मोमिनुल हक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले बंगलादेश ने कल के नौ विकेट पर 484 रन आगे खेलना शुरु किया।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड 3 दिवसीय सेमीफाइनल

पहले दिन मानेन्द्र सिंह का शतक व राज शर्मा की अर्द्धशतकीय पारी

जयपुर, 19 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के आज से जयपुर में शुरू हुए 3 दिवसीय सेमीफाइनल मैच में जयपुर में खेले गए मैचों के पहले दिन का स्कोर :-

के एल सैनी स्टेडियम मे श्रीगंगानगर और अजमेर के बीच मैच खेला गया जिसमे श्रीगंगानगर ने पहली पारी में 82/5 (27.4 ओवर), बारिश के कारण पहले दिन का खेल रोका गया । टीम के लिए सुमित गोदारा नाबाद 31 , शिवा चौहान 18 , अर्जित गुप्ता 12 व शोभित मिश्रा नाबाद 10 रन बनाए। अजमेर के गेंदबाज साहिल दिवान 21 / 4 व चिराग 25 / 1

विकेट लिए। जयपुरिया ग्राउंड पर जयपुर और कोटा के बीच मैच खेला गया जिसमे जयपुर ने पहली पारी में 250/7 (90 ओवर) में बनाए। कप्तान मानेन्द्र सिंह के शानदार शतक के सहायता से जयपुर ने पहले दिन 7 विकेट के नुकसान पर 250 रनो का स्कोर बनाया , टीम के लिए मानेन्द्र सिंह 110 , राज शर्मा 66 , करण लाम्बा 25 व अभिजीत तोमर 25 रन। कोटा के गेंदबाज सचिन मालव 55 / 3 पायलट सिंह 64 / 3 व दिव्य प्रताप 19 / 1 विकेट।

प्रदेश में जुलाई में आयोजित होगा मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विभागवार भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा कर शीघ्र नियुक्ति के निर्देश दिये

जयपुर, 19 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना के तहत भर्तियां आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि कैलेण्डर के अनुसार भर्ती परीक्षा आयोजित कर युवाओं को समयबद्ध रूप से नियुक्तियां दी जा रही हैं। विभागीय अधिकारियों को नियुक्ति प्रदान करने से पूर्व शेष प्रक्रिया को त्वरित गति से पूर्ण करने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में युवाओं के लिए संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से जोड़ने के भी निर्देश दिए, जिससे पात्र युवाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके। शर्मा ने कहा कि

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी विभागों में भर्ती परीक्षा कैलेण्डर के अनुसार, आयोजित कर युवाओं को समयबद्ध रूप से रोज़गार उत्सव के तहत नियुक्तियाँ दी जा रही हैं।**

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव (जुलाई-2025) की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को आगामी जुलाई माह में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के आयोजन की तैयारियों के लिए निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार लंबित भर्ती प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए, राज्य सरकार ने अब तक मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत प्रदेश के 67 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं त्वरित गति से विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव (जुलाई-2025) की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

राहुल गांधी अपने जन्म दिन की पूर्व संध्या को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोज़गार मेला में भी शामिल हुए, जहाँ उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा, जिनके शासन में बेहिसाब बेरोज़गारी बढ़ी है इसके साथ ही फिल्म फुले की एक विशेष स्क्रीनिंग भी हुई, जिसमें भी सचिन पायलट मौजूद थे, जबकि कई वरिष्ठ नेता या तो जानबूझकर या किसी रणनीति के तहत अनुपस्थित रहे।

राहुल गांधी आज सुबह अपनी माँ सोनिया गांधी को गंगाराम अस्पताल से छुट्टी दिलाकर घर लेकर आए। इसके अलावा, उन्होंने अपने नए सुनहरी बाग स्थित आवास में गृह प्रवेश भी किया, जहाँ अब वे रहेंगे-जबकि अब तक वे 10 जनपथ में रहते थे।

राहुल गांधी ने एआईसीसी में केक काटने ढोल बजाने आदि के लिए मना कर दिया था, क्योंकि वे अपना जन्मदिन सादगी से मनाना चाहते थे। रोचक बात यह रही कि उनकी बहन प्रियंका गांधी ने हर साल की तरह इस बार राहुल को ट्वीट कर जन्मदिन की शुभकामनाएँ नहीं दीं।

- **राहुल गांधी विदेश यात्रा से लौटते ही अपनी माँ सोनिया गांधी को गंगाराम अस्पताल से छुट्टी दिलाकर घर ले आये। राहुल गांधी ने अपने नये निवास, सुनहरी बाग पर स्थित बंगले में भी जन्म दिन, गृह प्रवेश की विधिवत् पूजा कर शिफ्ट किया।**

इससे एआईसीसी में चर्चा और आशंका का माहौल है, क्योंकि कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार प्रियंका गांधी अपने भाई से नाराज़ हैं, और उन नेताओं से भी असंतुष्ट हैं जो फिलहाल राहुल के आस-पास मौजूद है

राहुल गांधी ने सभी को धन्यवाद देते हुए एक ट्वीट जरूर किया।

करोना के एक्टिव केस 6,000 से नीचे पहुँचे

नयी दिल्ली, 19 जून। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान करोना संक्रमित 1219 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ ही, गुरुवार को इस वायरस से निजात पाने वालों की संख्या 17164 तक पहुंच गयी और कुल सक्रिय मामलों की संख्या 5976 रह गयी है। इस अवधि में तीन और मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या बढ़ कर 116 पहुंच गयी।

ट्रंप बार-बार भारत-पाक युद्ध बंद करवाने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेषकर राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा-पार आतंकवाद के मामलों में, को बार-बार दोहराया है। ट्रंप का यह कहना कि उन्होंने युद्ध रोका, न सिर्फ भारत के दावे को नकारता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि भारत के पास बिना अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना तनाव टालने की क्षमता नहीं है।

दूसरे, ट्रंप की यह टिप्पणी भारत की उस दीर्घकालिक नीति को फिर से चर्चा में ला देती है कि वह कश्मीर या भारत-पाक मामलों में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता का विरोध करता रहा है। भारत ने बार-बार 1972 के शिमला समझौते का हवाला देते हुए बाहरी हस्तक्षेप को खारिज किया है। ट्रंप का यह दावा, चाहे घरेलू राजनीति के लिए ही क्यों न किया गया हो, भारत की कमज़ोर नस को छूता है और एक स्थापित कूटनीतिक सिद्धांत को विकृत करता है

तीसरा, इसमें घरेलू राजनीति का भी आयाम है। मोदी की राष्ट्रीय सुरक्षा पर दृढ स्थिति उनकी राजनीतिक छवि का एक मुख्य स्तंभ है। यदि यह धारणा बनती है कि भारत दबाव में पीछे हटा या अमेरिका को हस्तक्षेप करना पड़ा, तो इससे सरकार की निर्णायक और स्वतंत्र नेतृत्व की छवि को नुकसान पहुँच सकता है।

- **मोदी विनम्रता से ट्रंप के टेलीफोन कॉल्स को स्वीकार करके, कूटनीतिक सद्व्यवहार से बात तो जरूर करते हैं, पर, मोदी किसी भी कीमत पर भारत की सार्वभौमिकता को दिए जाने वाले आघात को स्वीकार नहीं करेंगे।**
- **दोनों देश, भारत व अमेरिका, अपने-अपने विवरण को सच के रूप में स्थापित करना चाहते हैं और जिसकी कहानी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार होती है। वह ही सबसे ज्यादा अहमियत रखता है, क्या वाकई में तथ्य है, नहीं।**

ट्रंप की टिप्पणियाँ अमेरिका की ग्लोबल साउथ में अपना प्रभाव खोने की चिंता भी दर्शाती हैं। भारत रूस, खाड़ी देशों और वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। वॉशिंगटन अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए उत्कुक है। इसलिए ट्रंप का शांति स्थापना का दावा करना, उस प्रभाव को फिर से स्थापित करने का एक प्रयास है, भले ही यह दावा जमीन पर तथ्यों से यह मेल न खाता हो।

इस प्रकार, ट्रंप का, भारत की रणनीतिक पसंद को स्वीकार किए बिना, यह कहना कि उन्होंने "एक युद्ध रोका, केवल एक शब्दजाल नहीं है, यह गहरी विसंगति को उजागर करता है कि दोनों देश कूटनीति, श्रेय और संप्रभुता को एकदम अगल तरह से देखते हैं। हालाँकि मोदी ट्रंप की कॉल्स को शिष्टता से स्वीकार कर सकते हैं, लेकिन नई दिल्ली उन नैरेटिव्स को लेकर सतर्क है, जो उसकी भूमिका को कमज़ोर दिखाते हैं। तनाव केवल तथ्यों पर नहीं है, बल्कि इस बात पर है कि किसकी कहानी सही है और भू-राजनीति में, यह बात नतीजे जितनी ही महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908